MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 14 मार्च, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-71

मूसी डीपीआर जारी, बोले रेवंत

नहीं टूटेगा/डूबेगा कोई घर

हैदराबाद, 14 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो):

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट घोषणा की है कि मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना के दौरान एक भी गरीब परिवार के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना न केवल शहर में बार-बार आने वाली बाढ़ जैसी मानव निर्मित आपदाओं को समाप्त करेगी, बल्कि हैदराबाद को रिवरफ्रंट अर्थव्यवस्था वाले दुनिया के शीर्ष शहरों की श्रेणी में खड़ा करेगी।

पर्यावरणविदों, उद्योगपतियों, राजनयिकों और गांधीवादियों की सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने मूसी के गौरव को बहाल करने के इस विशाल कार्य में जनता से जुड़ने का आह्वान किया।

रेवंत सरकार के लिए यह प्रस्तुति एक मील का पत्थर साबित हुई, जिसने निर्धारित समय के भीतर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पेश करने का अपना वादा पूरा किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित सलाहकारों के कंसोर्टियम द्वारा तैयार की गई इस वैज्ञानिक रिपोर्ट ने स्थापित किया कि मूसी को एक प्रदूषण मुक्त नदी में बदला जा सकता है, जिसके 55 किलोमीटर लंबे रिवरफ्रंट (दुनिया में सबसे लंबा) पर एक समृद्ध अर्थव्यवस्था विकसित होगी।

डीपीआर ने विपक्षी दलों के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि सरकार बिना किसी ठोस दस्तावेज के आगे बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, परियोजना का पहला चरण अधिकतम 7,000 करोड़ की लागत से दो साल के भीतर पूरा किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं अगले विधानसभा चुनाव से पहले पहले चरण का उद्घाटन करूँगा।

वित्तीय ढांचा और गांधी सरोवर का सच

मुख्यमंत्री ने परियोजना के वित्तीय विवरण साझा करते हुए बताया कि: एशियाई विकास बैंक : लागत का 50 प्रतिशत वित्तपोषित करने के लिए तैयार है। केंद्र सरकार: 25 प्रतिशत अनुदान देने के लिए उत्सुक है। राज्य सरकार: शेष 25 प्रतिशत का निवेश करेगी।

विपक्ष के उन दावों को भी गलत बताया गया कि सरकार गांधी सरोवर (दुनिया की सबसे बड़ी महात्मा गांधी की प्रतिमा वाला स्थल) पर हजारों करोड़ खर्च कर रही है; डीपीआर में इसकी वास्तविक लागत केवल 200 करोड़ बताई गई है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जनता के बीच चिंता पैदा करने के लिए जानबूझकर आधा सच फैला रहे हैं।

विरासत का संरक्षण और भविष्य की चुनौती

1908 की विनाशकारी मूसी बाढ़ को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि निजाम सरकार ने महान इंजीनियर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की सलाह पर ओस्मान सागर और हिमायत सागर बनवाए थे, जिन्होंने एक सदी तक शहर की रक्षा की। उन्होंने सवाल किया, क्या हमें इतनी समृद्ध विरासत वाले ऐतिहासिक शहर को उसके हाल पर छोड़ देना चाहिए?

उन्होंने बिना किसी का नाम लिए पूछा कि 10 साल शासन करने वाले लोग अब इस कायाकल्प का विरोध क्यों कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि बापू घाट पर

महात्मा गांधी की अस्थियां विसर्जित की गई थीं, लेकिन प्रदूषण के कारण अब वहां पर्यटक नहीं जाते। मुख्यमंत्री ने आलोचकों को चुनौती देते हुए कहा कि क्या वे प्रदूषित मूसी बेसिन के किनारे तीन महीने रहने को तैयार हैं?

विस्थापितों के लिए उचित मुआवजे का वादा

परियोजना के मानवीय पक्ष पर जोर देते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार प्रभावित लोगों को उचित मुआवजा देने के लिए तैयार है। उन्होंने आउटर रिंग रोड का उदाहरण दिया, जहां विस्थापन के बावजूद शहर का अभूतपूर्व विकास हुआ। उन्होंने गांधीवादी मूल्यों का आह्वान करते हुए कहा कि जन कल्याण के नेक प्रयासों में बाधा न डालें। उन्होंने अंत में भावुक अपील करते हुए कहा, मैं आप में से ही एक हूँ। आइए हम सब मिलकर सबके सहयोग से मूसी परियोजना को पूरा करें।

परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सात मुख्य कार्यों की योजना बनाई गई है:

1.नदी की सफाई: गाद और मलबे को हटाना।

2.रिवरबेड प्रोफाइलिंग: हाइड्रोलॉजी के आधार पर नदी के तल को व्यवस्थित करना।

3.बाढ़ नियंत्रण: सुरक्षा दीवारों का निर्माण।

4.ढलान स्थिरीकरण: नदी के किनारों को मजबूती प्रदान करना।

▶6पर

दे तालीबान दनादन!

अफगानिस्तान के पाक सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले

नयी दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)।

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच अब दक्षिण एशिया में भी एक नए संघर्ष की आहट सुनाई देने लगी है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने दावा किया है कि उसने पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है।

तालिबान के अनुसार यह कार्रवाई हाल ही में पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान के भीतर किए गए एयर स्ट्राइक के जवाब में की गई है। इसके अलावा उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में एक पुलिस वाहन पर हुए हमले में सात पुलिसकर्मियों की मौत होने की भी खबर है।

तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि अफगान वायुसेना ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट इलाके में पाकिस्तानी सेना के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

प्रवक्ता के मुताबिक डूरंड लाइन के पास स्थित एक वार कमांड सेंटर और किले के कमांड ऑफिस को भी हमले में निशाना बनाया गया। इस हमले में पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों, गोदामों और सैनिकों के आवासीय क्षेत्रों को नुकसान पहुंचने का दावा किया गया है।

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने भी आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि अफगान वायुसेना ने इस्लामाबाद के फैजाबाद इलाके में स्थित पाकिस्तानी सैन्य शासन के प्रमुख सैन्य केंद्र हमज़ा को निशाना बनाया।

ईरान ने हमारे जहाजों को दी हरी झंडी

गर्व से कहो हम भारतीय हैं

नयी दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)।

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच भारत के लिए राहत की खबर सामने आई है। ईरान ने भारतीय ध्वज वाले दो लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) टैंकरों को दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजरने की आधिकारिक मंजूरी दे दी है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के हवाले से यह जानकारी सामने आई है।यह फैसला ऐसे समय में आया है जब देश के कई हिस्सों में एलपीजी की संभावित कमी को लेकर अफवाहें फैल रही थीं और आपूर्ति में देरी को लेकर चिंता बढ़ गई थी।

ईरान के राजदूत ने दिया सुरक्षित मार्ग का भरोसा

भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली ने शुक्रवार शाम सकारात्मक संकेत देते हुए कहा कि ईरान भारतीय जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित मार्ग प्रदान करेगा।पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि ईरान और भारत के बीच मित्रतापूर्ण संबंध हैं और दोनों देशों के हित एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि भारतीय जहाजों को सुरक्षित मार्ग दिया जाएगा और दोनों देश विभिन्न क्षेत्रों में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे।

यूएई से रवाना जहाज सुरक्षित पहुंचा

इसी बीच संयुक्त अरब अमीरात के खोर फक्कन बंदरगाह से रवाना हुआ मालवाहक जहाज 'चेंग एक्स' लगभग 3,100 टन बिटुमेन (तारकोल) लेकर सुरक्षित रूप से तट तक पहुंच गया है।3 मार्च को यात्रा शुरू करने वाले इस जहाज ने होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे संवेदनशील समुद्री मार्ग और ईरान द्वारा लगाए गए व्यापारिक प्रतिबंधों के बीच सफलतापूर्वक अपना रास्ता तय किया।

एलपीजी के लिए कई जगहों पर दिखी अफरा-तफरी

इधर शुक्रवार को देश के कई हिस्सों में रसोई गैस को लेकर लोगों में चिंता देखने को मिली। कई राज्यों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग गईं और कुछ स्थानों पर खाने-पीने की दुकानों के बंद होने तथा जमाखोरी की खबरें भी सामने आईं।

हालांकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति सामान्य बनी हुई है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि 5 मार्च से अब तक घरेलू एलपीजी उत्पादन में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि लोगों को घबराहट में गैस बुकिंग करने की आवश्यकता नहीं है और किसी भी एलपीजी डीलर के पास स्टॉक खत्म नहीं हुआ है। ▶6पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 35^0
न्यूनतम : 22^0

मासिक धर्म अवकाश अनिवार्यता नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नयी दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को सभी संस्थानों में महिलाओं के लिए अनिवार्य सवैतनिक मासिक धर्म अवकाश की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने टिप्पणी की कि इस तरह की कानूनी अनिवार्यता का महिलाओं को रोजगार मिलने की संभावनाओं पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

न्यायालय ने उल्लेख किया कि हालांकि यह मुद्दा महिलाओं के कल्याण से संबंधित है, लेकिन कानून के माध्यम से मासिक धर्म अवकाश को अनिवार्य बनाने से नियोक्ता महिलाओं को काम पर रखने या उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देने में संकोच कर सकते हैं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने केंद्र सरकार को याचिकाकर्ता की याचिका पर विचार करने और यह देखने का निर्देश देते हुए याचिका का निपटारा कर दिया कि क्या संबंधित हितधारकों के परामर्श से मासिक धर्म अवकाश पर कोई नीतिगत ढांचा तैयार किया जा सकता है। न्यायालय ने

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की स्थिति पर सवाल उठाया और नोट किया कि याचिकाकर्ता व्यक्तिगत रूप से इस मुद्दे से प्रभावित नहीं था। न्यायालय ने यह भी देखा कि किसी भी महिला ने ऐसी राहत के लिए अदालत का दरवाजा नहीं खटखटाया। पीठ ने आगे बताया कि याचिकाकर्ता ने पहले भी इसी मुद्दे पर समान याचिकाएं दायर की थीं। साल 2023 और 2024 में दायर की गई पिछली याचिकाओं के परिणामस्वरूप केंद्र सरकार को पहले ही प्रतिवेदन की जांच करने और नीतिगत निर्णय लेने के निर्देश दिए जा चुके थे। न्यायाधीशों ने संकेत दिया कि हालांकि कुछ संगठनों और कुछ राज्यों ने स्वेच्छा से मासिक धर्म अवकाश नीतियां शुरू की हैं, लेकिन कानून के माध्यम से ऐसी आवश्यकता को थोपने से प्रतिस्पर्धी नौकरी के बाजार में महिला कर्मचारी कम अनुकूल दिखाई दे सकती हैं, जिससे उल्टा प्रभाव पड़ सकता है। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि यद्यपि संविधान के तहत महिलाओं के लिए सकारात्मक कार्रवाई को मान्यता दी गई है, लेकिन रोजगार के अवसरों और करियर की प्रगति पर नीतिगत उपायों के दीर्घकालिक प्रभाव पर भी विचार किया जाना चाहिये।

कानून से समर्थित ऐसी नीति के संभावित प्रतिकूल प्रभाव की आशंका को देखते हुए, पीठ ने रिट याचिका का निपटारा कर दिया। न्यायालय ने कहा कि केंद्र सरकार के सक्षम अधिकारी को ▶6पर

दलबदल मामला : स्पीकर कार्यालय को फैसले की प्रतियां सौंपने का आदेश

नयी दिल्ली/हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो):

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष के.टी.आर., विधायक पाडी कौशिक रेड्डी और भाजपा विधायक दल के नेता येलेटी महेश्वर रेड्डी द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई की। इन याचिकाओं में दलबदल करने वाले विधायकों को अयोग्य घोषित करने और विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) के खिलाफ सुनवाई शुरू करने की मांग की गई है।

अदालत में कानूनी बहस: फैसले की प्रति न मिलने पर उठा सवाल

सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और मुकुल रोहतगी ने कहा कि स्पीकर ने इस मामले में अंतिम आदेश जारी कर दिए हैं। हालांकि, याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता मोहित राव ने दलील दी कि उन्हें अभी तक स्पीकर द्वारा जारी फैसले की प्रतियां प्राप्त नहीं हुई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्पीकर के फैसले को चुनौती देने के लिए आदेश की प्रति होना अनिवार्य है और इसकी अनुपलब्धता के कारण आगे की कानूनी कार्यवाही रुकी हुई है।

दलीलों को सुनने के बाद, पीठ ने स्पीकर कार्यालय को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ताओं को फैसले के आदेशों की प्रतियां उपलब्ध कराए। अदालत ने आदेश दिया कि चार दिनों के भीतर पूरा रिकॉर्ड मुहैया कराया जाए।

यह मामला उन 10 बीआरएस विधायकों से जुड़ा है जिन पर कांग्रेस में शामिल होने का आरोप है।

बांग्लादेश में दो बसों में टक्कर, दूल्हा-दुल्हन समेत 14 की मौत, बीएनपी नेता के घर मातम

ढाका, 13 मार्च (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में मोंगला-खुलना हाइवे पर बांग्लादेश नेवी की एक बस और एक यात्री मिनसी बस के बीच आमने-सामने की टक्कर में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दूल्हा-दुल्हन और एक ही परिवार के कई सदस्य शामिल हैं।

यह हादसा बेलाई पुल के पास हुआ मिनी बस में शादी समारोह से लौट रहे एक ही परिवार के सदस्य सवार थे। विपरीत दिशा से आ रही नेवी की बस से मिनी बस की टक्कर के बाद चीख-पुकार मच गई। बांग्लादेश की सरकारी न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस और अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाकी लोगों ने बाद में अलग-अलग अस्पतालों में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में मोंगला उपजिला के वार्ड नंबर आठ से बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष अब्दुर रज्जाक, उनके बेटे और दूल्हे सब्बीर, दुल्हन मारजिया अख्तर मितु, मितु की दादी अनवारा बेगम, रज्जाक की पत्नी अंजुमारा बेगम, उनकी बेटियां लामिया और आइशी, आइशी के पति सामियुल, बहू पुतुल, पुतुल का बेटा अलीफ, ईरान, मिनी बस का ड्राइवर नईम, इब्राहिम सानी और एक अन्य अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं।

काटाखाली हाइवे पुलिस स्टेशन प्रभारी अधिकारी मो. जफर अहमद ने बताया कि कोयरा से मोंगला की ओर जा रही मिनी बस की टक्कर नेवी की बस से हो गई। टक्कर में मिनी बस बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। खुलना मेडिकल कालेज अस्पताल डाक्टर महनाज मोशर्रफ ने बताया कि एक ही परिवार के कई घायलों को अस्पताल लाया गया। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे।

रूपसा उपजिला स्वास्थ्य केंद्र के डाक्टर राजेश ने बताया कि चार शवों को अस्पताल में रखा गया है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि अब्दुर रज्जाक अपने छोटे बेटे सब्बीर की शादी कोयरा उपजिला के नक्शा गांव की मारजिया अख्तर मितु से करवाने के बाद रिश्तेदारों के साथ घर लौट रहे थे। इस हादसे से पूरे इलाके में शोक है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी नेता मिर्जा अब्बास बीमार, सिंगापुर ले जाने की तैयारी

ढाका। सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य और प्रधानमंत्री के राजनीतिक

सलाहकार मिर्जा अब्बास को बेहतर इलाज के लिए सिंगापुर ले जाने की तैयारी की जा रही है। बीएनपी मीडिया सेल के सदस्य शैरुल कबीर खान ने बताया कि अगर सब कुछ ठीक रहा, तो उन्हें किसी भी समय एयर एम्बुलेंस से सिंगापुर रवाना किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, कबीर गुरुवार रात 10 बजे से कुछ पहले राजधानी के एवरकेयर अस्पताल में भर्ती मिर्जा अब्बास से मिलने गए। इस दौरान उन्होंने अब्बास की शारीरिक स्थिति और चल रहे इलाज के बारे में उनकी पत्नी से जानकारी ली। बाद में उन्होंने अब्बास के बिस्तर के पास कुछ समय बिताया और उनके जल्द ठीक होने के लिए प्रार्थना की। कबीर के अलावा पार्टी महासचिव और सरकार में मंत्री मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर, समाज कल्याण मंत्री डा. एजेएम जाहिद हुसैन, और जमात के अमीर तथा विपक्ष के नेता डा. शफीकुर रहमान भी उनसे अस्पताल मिले। मिर्जा अब्बास बुधवार को इफ्तार के दौरान अचानक बीमार पड़ गए थे। उसी रात उन्हें एवरकेयर अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अमेरिकी वायुसेना का रीफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट पश्चिमी इराक में लापता

वाशिंगटन। अमेरिकी वायुसेना का रीफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट (यूएस केसी -135) पश्चिमी इराक में लापता हो गया है। इसकी पुष्टि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने की है। इस एयरक्राफ्ट के क्रू में पांच सदस्य हैं। अभी तक किसी भी सदस्य की कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। हालांकि दूसरे रीफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट की सुरक्षित लैंडिंग करा ली गई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के एक्स हैंडल पर यह जानकारी साझा की गई है। इसमें कहा गया, यूएस सेंट्रल कमांड को यूएस केसी -135 रीफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट के नुकसान की जानकारी है। यह घटना आपरेशन एपिक फ्यूरी के दौरान फ्रेंडली एयरस्पेस में हुई और बचाव का काम जारी है। इस घटना में दो एयरक्राफ्ट शामिल थे। एक एयरक्राफ्ट पश्चिमी इराक में गिर गया, और दूसरा सुरक्षित रूप से लैंड हो गया। यह दुश्मन की फायरिंग या फ्रेंडली फायरिंग की वजह से नहीं हुआ सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, यूएस सेंट्रल कमांड के बयान में यह नहीं बताया गया कि कोई यूएस कर्मचारी घायल हुआ या मारा गया। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि दूसरे एयरक्राफ्ट केसी -135 को सुरक्षित लैंडिंग करा ली गई है। वायुसेना के अनुसार, केसी-135 फ्लाइट क्रू में आमतौर पर तीन से चार सदस्य होते हैं। इसमें पायलट, को-पायलट और बूम आपरेटर होते हैं। बूम आपरेटर केसी-135 से हवा में दूसरे एयरक्राफ्ट में ईंधन भरता है। वायुसेना के आधिकारिक दस्तावेज में कहा गया है कि महत्वपूर्ण अभियान में क्रू में नेविगेटर (दिशा की स्थिति का निर्धारण करने वाला) की भी जरूरत होती है। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते कुवैत में तीन एफ-15ई स्ट्राइक ईगल फाइटर जेट गोलीबारी के दौरान गिराए जा चुके हैं। हालांकि सभी छह क्रू मेंबर बाहर सुरक्षित निकलने में कामयाब रहे।

6.3 मिलियन साल पूर्व ब्राजील से टकराया था एक एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल आब्जेक्ट

ब्रेसिलिया। हाल ही में ब्राजील में वैज्ञानिकों ने ऐसी खोज की है जो किसी साइंस फिक्शन फिल्म जैसी प्रतीत

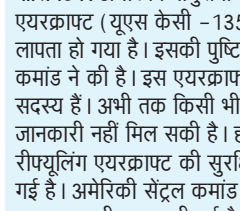

होती है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, लगभग 6.3 मिलियन साल पहले एक एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल आब्जेक्ट ब्राजील से टकराया था। लेकिन इस घटना में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इतनी भीषण टक्कर के बावजूद वहां कोई क्रेटर नहीं पाया गया। वैज्ञानिकों ने इस प्राचीन टक्कर का पता टेक्टाइट्स के माध्यम से लगाया। टेक्टाइट्स ऐसे प्राकृतिक कांच के टुकड़े होते हैं, जो तब बनते हैं जब कोई ब्रह्मांडीय पिंड पृथ्वी की सतह से भयंकर गति और शक्ति से टकराता है। टक्कर के दौरान सतह की चट्टानें पिघलकर वायुमंडल में उछलती हैं और फिर ठंडी होकर कांच जैसी कठोर संरचना में बदल जाती हैं। देखने में ये काले और अपारदर्शी लगते हैं, लेकिन रोशनी में ये भूरे-हरे और पारभासी दिखाई देते हैं। आकार में ये टुकड़े आंसू जैसी बूंद, गोलाकार या डंबल जैसे भी हो सकते हैं। ब्राजील के मिनस गेरैस राज्य में सबसे पहले पाए जाने के कारण इन्हें गेराइसीट्स कहा गया। प्रारंभिक खोज के दौरान ये टुकड़े मिनस गेरैस के उत्तरी हिस्से में तैयाओबेरास, करॅल डी डेंट्रो और साओ जोआओ डेल पाराइसो में मिले थे। बाद में बाहिया और पिआउई राज्यों में भी इनके नमूने पाए गए। अब तक लगभग 900 किलोमीटर के क्षेत्र में 600 से अधिक टेक्टाइट्स मिले हैं।

सैटेलाइट, हाई-टेक सेंसर और एआई की मदद से इजराइल ने ईरान के बंकर किए तबाह

सैटेलाइट से माइक्रोवेव तरंगें मिट्टी और चट्टानों में अंदर तक करती हैं प्रवेश

तेहरान, 13 मार्च (एजेंसियां)।

7 मार्च 2026 की रात 80 से ज़्यादा इज़राइली विमानों ने तेहरान और मध्य ईरान में 230 बम गिराए थे। इस बमबारी में एक अंडरग्राउंड बैलेस्टिक मिसाइल स्टोरेज और प्रोडक्शन साइट को ध्वस्त कर दिया गया। यहीं से ईरानी सशस्त्र बलों के सैकड़ों सैनिक आपरेट करते थे। इससे एक दिन पहले 6 मार्च को इज़राइल के 50 लड़ाकू विमानों ने करीब 100 बम गिराकर तेहरान के लीडरशिप काम्पलेक्स के नीचे बना खुफिया बंकर पूरी तरह नष्ट कर दिया। यह पहली बार नहीं है, इज़राइल ने 2025 में भी ईरान के कई अंडरग्राउंड बंकरों को निशाना बनाया था। अब सवाल यह है कि आखिर जमीन के अंदर छिपे हुए बंकरों का पता कैसे चलता है कैसे इज़राइल ने ये जाना कि पड़ाड़ों और जमीन के नीचे बंकर हैं मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दरअसल, जासूसी की आधुनिक तकनीक ने अंडरग्राउंड चीजों को खोजना बहुत आसान बना दिया है। अंतरिक्ष में हजारों किलोमीटर दूर घूमते सैटेलाइट, हाई-टेक सेंसर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिलकर जमीन के नीचे चल रही गतिविधियों तक का पता लगा सकते हैं। अंडरग्राउंड बंकर बनाना तो आसान है, लेकिन उसे पूरी तरह छिपा पाना नामुमकिन है। इसकी वजह बंकर की बुनियादी जरूरतें हैं। ऐसी किसी भी फेसलिटी को चलाने के लिए बिजली चाहिए, ताकि मशीनें और कंप्यूटर काम कर सकें। लोगों के लिए सांस लेने योग्य हवा चाहिए, जिसके लिए वेंटिलेशन शाफ्ट बनाए जाते हैं। अंदर वैज्ञानिक, सैनिक और तकनीशियन आते-जाते रहते हैं। बाहर की दुनिया से संपर्क बनाए रखने के लिए संचार व्यवस्था जरूरी होती है। जासूसी सैटेलाइट बेहद एडवांस रडार तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। इनमें सबसे अहम तकनीक सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) है। यह तकनीक सैटेलाइट से माइक्रोवेव तरंगें जमीन की ओर भेजती है। ये तरंगें मिट्टी और चट्टानों में कुछ मीटर अंदर तक प्रवेश कर सकती हैं। जब ये तरंगें जमीन के नीचे किसी खाली जगह, सुरंग या बंकर से टकराती हैं, तो इनके वापस लौटने का पैटर्न बदल जाता है। वैज्ञानिक इस बदलाव का एनालिसिस करके जमीन के अंदर बने ढांचों का अनुमान लगा लेते हैं। अमेरिका के गुप्त जासूसी सैटेलाइट इसी तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, जिससे दिन-रात और हर मौसम में निगरानी करना संभव हो जाता है। इज़राइल ने ईरान के अंडरग्राउंड बंकरों का पता लगाने के लिए कई तकनीकों का इस्तेमाल किया है। सिर्फ रडार या तापमान ही नहीं, बल्कि इलेक्ट्रानिक सिग्नल भी गुप्त ठिकानों की जानकारी दे देते हैं। खुफिया एजेंसियां सिग्नल्स इंटेलिजेंस तकनीक का इस्तेमाल करती हैं, जो रेडियो तरंगों और अन्य इलेक्ट्रानिक सिग्नलों को पकड़ती है। यदि किसी इलाके से असामान्य रेडियो कम्युनिकेशन हो रहा हो, सैटेलाइट फोन का इस्तेमाल बढ़ा हो या भारी बिजली की खपत हो रही हो, तो यह गतिविधि खुफिया एजेंसियों की नजर में आ जाती है। इसके अलावा मशीनों से निकलने वाले इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिग्नल भी छिपे नहीं रह पाते। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित सैटेलाइट एनालिसिस जासूसी का बेहद शक्तिशाली तरीका बन चुका है। एआई पुरानी और नई सैटेलाइट तस्वीरों की तुलना करके बहुत छोटे-छोटे बदलाव भी पकड़ सकता है। अगर किसी इलाके में अचानक नई सड़क बनती है, मिट्टी का रंग बदलता है, पेड़-पौधे हटाए जाते हैं या रात में वाहनों की आवाजाही बढ़ती है, तो एआई सिस्टम तुरंत इन बदलावों की पहचान कर जानकारी दे देता है। इन सभी तकनीकों के संयुक्त उपयोग का एक बड़ा उदाहरण ईरान की गुप्त परमाणु फेसलिटी फोर्डो का खुलासा है। यह फेसलिटी पहाड़ के भीतर गहराई में बनाई जा रही थी और ईरान को विश्वास था कि इसे कोई नहीं ढूंढ पाएगा।

अमेरिका के मिशिगन में टेंपल इजराइल पर हमला गोलीबारी में संदिग्ध की मौत

वाशिंगटन, 13 मार्च (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के मिशिगन राज्य के वेस्ट ब्लूमफील्ड स्थित टेंपल इजराइल में गुरुवार दोपहर किए गए हमले के दौरान हुई गोलीबारी में एक संदिग्ध की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आराधनालय (सिनेगाग) के अंदर कोई हताहत नहीं हुआ। ओकलैंड काउंटी शेरिफ माइकल बूचार्ड ने इस घटना की पुष्टि की है।

सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, ओकलैंड काउंटी शेरिफ माइकल बूचार्ड ने कहा कि गुरुवार दोपहर करीब 1:35 बजे पुलिस ने डेट्राइट के उत्तर-पश्चिम के उपनगर वेस्ट ब्लूमफील्ड में टेंपल इजराइल के इलाके में गोलीबारी की सूचना मिलते ही कार्रवाई की। बूचार्ड ने कहा कि एक व्यक्ति भवन के मुख्य द्वार से होकर एक हाल-वे में घुसा। सुरक्षाकर्मचारियों ने उस संदिग्ध पर गोलियां चला दीं। ला एनफोर्समेंट सूत्रों के अनुसार, संदिग्ध ट्रक से राइफल लेकर निकला और सिनेगाग सिक्योरिटी ने उसका सामना किया और उसे मार गिराया। लेकिन, बूचार्ड ने कहा कि संदिग्ध गाड़ी में मृत मिला। बूचार्ड ने कहा, ऐसे हालात में कभी-कभी हमलावर या संदिग्ध कभी-कभी खुद को मार लेते हैं। अमेरिका के यहूदी संस्थानों को सुरक्षा मुहैया कराने वाले सिक्योर कम्युनिटी नेटवर्क के मुताबिक, ट्रक में दो संदिग्ध थे। हालांकि बूचार्ड ने कहा कि पता चला है कि सिर्फ एक ही संदिग्ध था। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रक में मोर्टार जैसे एक्सप्लोसिव थे। इनके बिल्डिंग से टकराने पर आग लग गई और कुछ ही देर में धुआं उठने लगा। इस गोलीबारी में कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। हेनरी फोर्ड वेस्ट ब्लूमफील्ड हास्पिटल और हेनरी फोर्ड प्रोविडेंस नोवी हास्पिटल ने कहा कि घटनास्थल पर घायल मिले आठ सुरक्षाकर्मचारियों का इलाज किया जा रहा है। ब्लूमफील्ड पुलिस ने कहा कि इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अब यहूदी समुदाय को कोई खतरा नहीं है। संदिग्ध की शव की पहचान करना मुश्किल है। टेंपल इजराइल अमेरिका का सबसे बड़ा आराधनालय है। इस परिसर में एक स्कूल भी है। सिनेगाग ने कहा कि गुरुवार को स्कूल में 140 विद्यार्थी और शिक्षक थे। वे सभी सुरक्षित हैं।मिशिगन के गवर्नर ग्रेचेन व्हिटमर ने हमले को हर समुदाय के लिए सबसे बुरा सपना कहा।

पेंटागन में दावतें : 93.4 अरब डालर की हुई पार्टियां

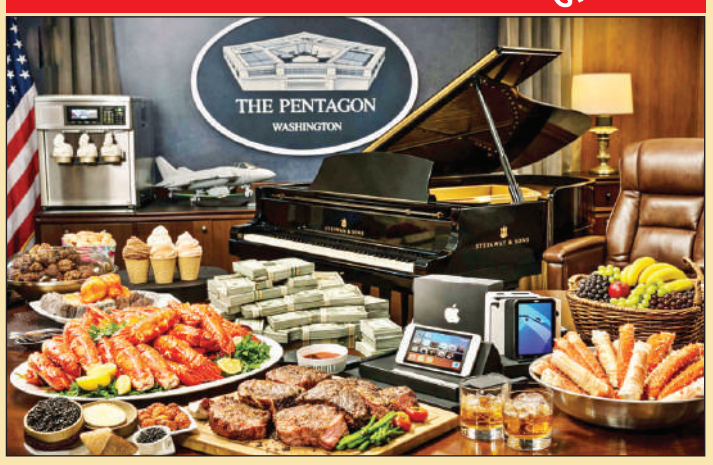

वाशिंगटन। घपले घोटाले पूरी दुनिया में है। अमेरिका भी अछूता नहीं है। एक रिपोर्ट में जो खुलासा हुआ है उसने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। जंग के लिए बनाई जा रही रणनीतियों के बीच पेंटागन के अधिकारियों ने जमकर गुलछर्रे उड़ाए। इसके लिए 93.4 अरब डालर की दावतें की गई जिसमें में से एक लाख डालर के केकड़े और मछली खा गए वित्तीय वर्ष 2025 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, पेंटागन ने केवल सितंबर महीने में ही लगभग 93.4 अरब डालर खर्च कर डाले। मीडिया रिपोर्ट और सरकारी निगरानी संस्था ओपन द बुक्स की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जिस समय वेनेजुएला और ईरान पर हमलों की रणनीति बन रही थी, उस दौरान पेंटागन में महंगे सी-फूड और खान-पान पर लाखों डालर खर्च किए जा रहे थे। आंकड़ों के अनुसार, केवल एक महीने में 69 लाख डालर लाब्स्टर टेल पर, 20 लाख डालर अलास्कन किंग क्रैब पर और 151 लाख डालर रिबआई स्टेक पर खर्च किए गए। इसके अलावा, करीब 1.24 लाख डालर केवल आइसक्रीम मशीनों की खरीद पर व्यय हुए।

इजराइल-ईरान युद्ध : अगर जरूरत पड़ी तो पाकिस्तान सऊदी अरब का साथ देगा

दोनों देश के बीच सुरक्षा और सैन्य सहयोग को लेकर 2025 में हुआ है समझौता

इस्लामाबाद, 13 मार्च (एजेंसियां)।

इजराइल-ईरान के बीच युद्ध में अब दक्षिण एशिया भी चपेट में आ रहा है। एशियाई देशों के शिप तो हार्मुज में फंसे हैं, लेकिन पड़ोसी देश पाकिस्तान की टांग खाड़ी में फंसी है। सऊदी अरब के साथ डिफेंस समझौते के चलते अब पाकिस्तान भी खाड़ी की लड़ाई में कूदने की योजना बना रहा है। पीएम शहबाज शरीफ के प्रवक्ता ने कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो पाकिस्तान सऊदी अरब का साथ देगा। यह बयान उस समय आया है जब अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव तेजी से बढ़ गया है और ईरान ने जवाबी हमले किए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रवक्ता ने कहा पाकिस्तान सऊदी अरब की सुरक्षा और स्थिरता को बेहद अहम मानता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान हमेशा अपने करीबी सहयोगी सऊदी अरब के साथ खड़ा रहेगा। एक इंटरव्यू में पाकिस्तान सरकार के प्रवक्ता मुशर्रफ जैदी ने कहा कि अगर हालात ने मांग की तो इस्लामाबाद रियाद की मदद करेगा। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि पाकिस्तान सऊदी अरब की मदद के लिए आगे आएगा। चाहे समय कोई भी हो और परिस्थिति कैसी भी हो। ऐसे में मिडिल ईस्ट का ये संघर्ष में समझौते की पहली बड़ी परीक्षा मानी जा रही है।

जैदी ने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते हमेशा पारस्परिक सहयोग पर आधारित रहे हैं और रक्षा समझौते से पहले भी दोनों एक-दूसरे के साथ खड़े रहते थे। हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि पाकिस्तान की प्राथमिकता क्षेत्र में तनाव को और बढ़ने से रोकना है। इस बीच ईरान-इजराइल और अमेरिका के बीच जारी टकराव के दौरान ईरान ने खाड़ी देशों की ओर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इसी तनाव के बीच पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर सऊदी अरब पहुंचे और रक्षा मंत्री से मुलाकात की। साथ ही पाकिस्तान ईरान से भी संपर्क बनाए हुए है। विदेश मंत्री इशाक डार ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अरागची से लगातार बातचीत की ताकि तनाव कम किया जा सके।

ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमला हुआ तो तेल और गैस में लगा दी जाएगी आग, आईआरजीसी की दुनिया को चेतावनी

तेहरान, 13 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच छिड़ी जंग का आज 14वां दिन है। इस युद्ध की लपटों से क्षेत्र में मौजूद तेल और गैस के भंडार पर खतरे के बादल मंडराने लगे हैं। ईरान के सबसे ताकतवर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने चेतावनी दी कि यदि देश के ऊर्जा बुनियादी ढांचे और बंदरगाहों पर हमला किया जाता है तो वह इस क्षेत्र के तेल और गैस को आग के हवाले कर देगा।

रिपोर्ट के अनुसार, आईआरजीसी ने दो-टूक कहा कि यदि ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे और बंदरगाहों पर हमला किया गया तो वह इस क्षेत्र के सभी तेल और गैस भंडार में आग लगा देगा। आईआरजीसी की इस चेतावनी से पहले गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत ने कहा था कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य (होर्मुज स्ट्रेट) को बंद नहीं करेगा। इससे पहले हाल ही में ईरान के सर्वोच्च नेता चुने गए मोजतबा खामेनेई ने अपने पहले सार्वजनिक बयान में कहा कि यह जलमार्ग दबाव के एक हथियार के रूप में बंद रहेगा।

मोजतबा का बयान इसलिए महत्वपूर्ण है कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को कहा कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता, अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से अपना चेहरा नहीं दिखा सकते। वह 28 फरवरी के हमले में बुरी तरह घायल हो चुके हैं। खास बात यह है कि मोजतबा खामेनेई के बयान को सरकारी टीवी में किसी और से पढ़वाया गया। सर्वोच्च नेता का चेहरा नहीं दिखाया गया।

आईआरजीसी की अहमियत की वजह

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) को ईरान की सेना की सबसे ताकतवर और विशिष्ट शाखा माना जाता है। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद देश के इस्लामी शासन की सुरक्षा के लिए इसका गठन किया गया था। यह संगठन केवल एक सैन्य बल नहीं है, बल्कि ईरान की राजनीति, अर्थव्यवस्था और विदेश नीति में भी गहरा प्रभाव रखता है। ईरान में दो तरह की सेना है। पहली नियमित सेना है। इसे आर्टेश कहा जाता है। यह आमतौर पर सीमाओं की सुरक्षा करती है। दूसरी आईआरजीसी है। यह मुख्य रूप से सत्ता और क्रांति की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। यह संगठन सीधे ईरान के सुप्रीम लीडर (सर्वोच्च नेता) के प्रति जवाबदेह है, न कि निर्वाचित सरकार के प्रति। आईआरजीसी के पास अपनी स्वयं की थल सेना, नौसेना और वायु सेना है। इसकी दो प्रमुख विशेष शाखा हैं। पहली कुद्स फोर्स और दूसरी बासिज। कुद्स फोर्स विदेशों में ईरान के अभियानों और मिलिशिया समूहों (जैसे हिजबुल्लाह और हमास) का समर्थन करती है। बासिज अर्धसैनिक स्वयंसेवी बल है। इसका उपयोग देश के भीतर विरोध प्रदर्शनों को दबाने और सुरक्षा बनाए रखने के लिए किया जाता है। 29 जनवरी 2026 को यूरोपीय संघ इसे आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। इससे पहले अमेरिका भी इसे आतंकी समूह घोषित किया था।

रसोई गैस की किल्लत को लेकर लोक सभा में हंगामा

तीन बार कार्यवाही करनी पड़ी स्थगित

नयी दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। हंगामे के कारण लोक सभा की कार्यवाही शुक्रवार को निर्धारित समय से पहले ही स्थगित कर दी गयी। इजरायल-अमेरिका और ईरान युद्ध के कारण देश में रसोई गैस की हो रही किल्लत को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण कार्यवाही पहली बार पूर्वाह्न 11 बजे स्थगित की गयी। सदन के दोपहर 12 बजे समवेत होते ही विपक्षी सदस्य फिर हंगामा करने लगे जिस पर कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

अपराह्न दो बजे कार्यवाही फिर शुरू होने पर विपक्षी सदस्यों ने इसी मुद्दे पर फिर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के बीच ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2025-26 की अतिरिक्त अनुदान मांगों पर हुई चर्चा का जवाब दिया। इसके बाद अतिरिक्त अनुदान मांगे पारित की गयीं और इससे जुड़ा विनियोग विधेयक 2026 भी पारित किया।

इसके बाद भी विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा, जिस पर पीठासीन कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने कार्यवाही सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले पूर्वाह्न 11 बजे अध्यक्ष ओम बिरला ने जैसे ही प्रश्नकाल शुरू किया, विपक्षी सदस्य अपने-अपने स्थानों पर खड़े होकर रसोई गैस की किल्लत को लेकर हंगामा करने लगे। श्री बिरला ने प्रश्न काल चलाने का प्रयास किया, लेकिन सदस्यों ने शोर शराबा तेज कर दिया।

श्री बिरला ने हंगामा कर रहे सदस्यों से कहा, मैने पहले भी आग्रह किया था और आज फिर आग्रह कर रहा हूं कि प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय होता है। आज भी विपक्ष के आठ सदस्यों के प्रश्न सूचीबद्ध हैं। प्रश्नकाल में

जहां देश के मुद्दे, क्षेत्र की समस्याएं उठायी जाती हैं, वहीं सरकार की जवाबदेही भी होती है, इसलिए मेरा आपसे आग्रह है कि सदस्यों को अपने प्रश्न रखने का मौका दें। यह संसदीय मर्यादा नहीं है। प्रश्नकाल के बाद आप जो मुद्दे उठाना चाहते हैं, उठा सकते हैं लेकिन प्रश्नकाल बाधित करना करना ठीक नहीं है।

हंगामा कर रहे सदस्यों को कड़ी चेतावनी देते हुए श्री बिरला ने कहा, सदन की मेजों पर चढ़ोगे तो कार्रवाई होगी। संसद परिसर में हो या सदन में हो, संसद की पवित्रता, मर्यादा और प्रतिष्ठा बनाये रखने की जिम्मेदारी सबकी है और जिस तरीके का आचरण आप कर रहे हैं, वह ठीक नहीं है। हंगामा कर रहे सदस्यों से उन्होंने कहा कि क्या वे सदन नहीं चलाना चाहते हैं। सदस्यों ने जब उनकी बात नहीं मानी और हंगामा जारी रखा, तो उन्होंने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे जैसे ही सदन समवेत हुआ, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्य रसोई गैस की कमी का मामला उठाते हुए इस पर चर्चा कराने की मांग को लेकर शोरशराबा और नारेबाजी करने लगे। कई सदस्य सदन के बीचोंबीच आ गये।

पीठासीन संध्या राय ने हंगामे के बीच ही विधायी दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाये।

इसी बीच, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कार्य मंत्रणा समिति की आज हुई बैठक में तय किया गया था कि अनुपूरक अनुदान मांगों पर वित्त मंत्री सीतारमण का जवाब होगा और उसके बाद निजी सदस्यों के विधेयक पर चर्चा होगी लेकिन कांग्रेस सदस्य हंगामा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदस्य संसद परिसर में भोजन लेकर आते हैं, गिलास और थाली लाते हैं। इस तरह के नाटक को जनता देख रही है।

श्री रिजिजू ने कहा, वह दुखी मन से कह रहे हैं कि कांग्रेस के सदस्य अपने नेता के साथ-साथ खुद भी बिगड़ गये हैं। अभी समय है सुधर जाओ, जनता आपको सत्ता नहीं देने वाली।

श्रीमती राय ने कहा कि अनुपूरक अनुदान मांगों पर चर्चा के बाद वित्त मंत्री का जवाब आना है। विपक्षी सदस्यों को कार्यवाही में लगातार बाधा डालते हुए जनता देख रही है। सदन की मर्यादा बनाये रखिए। यह आचरण उचित नहीं है। वह आग्रह कर रही हैं कि सदस्य अपने-अपने स्थानों पर जायें और कार्यवाही चलने दें। उनके आग्रह का हंगामा कर रहे सदस्यों पर कोई असर नहीं हुआ, तो उन्होंने कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

रेल पटरियों को उन्नत बनाने का 80 प्रतिशत काम पूरा 50 प्रतिशत मार्ग सेमी हाईस्पीड के लिए तैयार : वैष्णव

नयी दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को बताया कि भारतीय रेल नेटवर्क के 50 प्रतिशत रेल-मार्गों को उन्नत कर सेमी-हाई स्पीट रेलगाड़ी चलाने लायक कर दिया गया है जिस पर रेलगाड़ियां 130 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सुरक्षित दौड़ सकती है। राज्य सभा में प्रश्न काल के दौरान अपने मंत्रालय से संबधित पूरक प्रश्नों का जवाब देते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में पिछले एक दशक में रेल पटरियों के अपग्रेडेशन (उन्नयन) का काम बहुत गंभीरता से किया जा रहा है। 80 प्रतिशत रेल लाइनों को अपग्रेड कर 110 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार के लिए मजबूत और सुरक्षित किया गया है तथा 50 प्रतिशत मार्ग 130 किमी प्रति घंटे की ट्रेनों के लिए उपयुक्त बनाए जा चुके हैं जो सेमी हाई-स्पीड की श्रेणी में आता है।

उन्होंने यात्री ट्रेनों के समय पर परिचालन के रिकार्ड के बारे में एक अनुपूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि इस समय रेलवे की 24 डिवीजनों में गाड़ियों के समय पर चलने का रिकार्ड 90 प्रतिशत , 43 डिवीजनों में 80 प्रतिशत और आठ डिवीजनों में 95 प्रतिशत तक पहुंच गया है। मदुरै, रतलाम, हुबली, अजमेर जैसे कुछ डिवीजनों में समयानुसार परिचालन का स्तर 77 प्रतिशत है।

श्री वैष्णव ने कहा , भारतीय रेल का यह प्रदर्शन जर्मनी, फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों के स्तर का है पर हमारी तुलना का आधार जापान होना चाहिए जहां समयबद्ध परिलाचन का एक अपना ही पैमाना है। उन्होंने कहा कि इसके लिए वहां कुछ विशिष्ट कार्य प्रणालियां हैं जिनमें से कुछ को भारतीय रेल में भी अपनाया जा रहा है।

रेल मंत्री ने कहा कि जापान में मरम्मत और रख रखाव की योजना 26 सप्ताह पहले से लागू की जाती है। भारत में भी पिछले दो-ढाई साल से इसकी शुरुआत की गयी है जिसके परिणाम बहुत अच्छे आ रहे हैं। इसके और व्यापक इस्तेमाल और इसमें महारथ हासिल कर लिये जाने के बाद स्थिति में निश्चित रूप से बड़ा सुधार दिखेगा।

उन्होंने कहा कि यात्री ट्रेनों के समय पर आने-जाने को सुनिश्चित करते के लिए भारतीय रेल का मुख्य रूप से प्रौद्योगिकी वाले औजार और समाधान समावेश जिसमें एआई आधारित निगरानी के अलावा रख रखाव पर जोर है। रेल अवसंरचना की निरंतर निगरानी के लिए इंटरनेट ऑफ दी थिंग्स और एआई का भी प्रयाग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिंगल सेट ट्रेन (जिसमें इंजन को ट्रेन से अलग नहीं करना पड़ता) से भी समयबद्धता सुधरी है।

उन्होंने कहा कि भारतीय रेल हर रोज 25000 ट्रेनों का परिचालन करती है और इनकी समय सारिणी का प्रबंधन एक जटिल काम है।

ट्रेनों की समयबद्धता को लेकर यात्रियों को डैश-बोर्ड (इलेक्ट्रानिक सूचना पट्टिका) की सुविधा दिये जाने के विचार के संबंध में एक अन्य अनुपूरक प्रश्न के जवाब में श्री वैष्णव ने कहा कि रेलवे के नेटवर्क के इष्टतम उपयोग के लिए रेलवे अपनी समय सारिणी पर आईआईटी बांबे और आईआईटी मद्रास के माध्यम से अनुसंधान करा रही है। आईआईटी मुंबई ने कुछ अच्छा काम किया है। रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) भी नेटवर्क के इष्टतम प्रयोग को सुनिश्चित करने में आईटी टूल के विकास में लगा रहता है।

रेल मंत्री ने कहा कि जापान और दक्षिण कोरिया में यात्रियों के लिए रेल कॉरीडोर अलग कर दिए गये हैं और पुराने मार्गों को मालगाड़ी गलियारों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस बार के बजट में सात हाईस्पीड रेल गलियारों की घोषणा उसी दिशा में शुरुआत है। उन्होंने उदाहरण दिया कि चेन्नई-बेंगलूरू हाईस्पीड गलियारे के चालू हो जाने पर दोनों महानगरों की दूरी घट कर 73 मिनट की रह जाएगी।

एक अन्य प्रश्न के जवाब में रेल मंत्री ने कहा कि मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरीडॉर के निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय के एक दल ने हाल में कार्य का निरीक्षण करने के बाद प्रगति पर संतोष जताया है।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की पिछली उद्धव ठाकरे सरकार ने इस परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण का काम नहीं किया जबकि गुजरात में समय से जमीन की व्यवस्था होने के चलते वहां के हिस्से में पहले से ही काम तेज चल रहा है। इस रेल-मार्ग पर देश में पहली बार समुद्र के अंदर रेल टनल बनाने का काम भी तेजी से चल रहा है।

फसल बीमा की राशि के भुगतान की समय सीमा तय करने की मांग उठी राज्यसभा में

नयी दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। प्राकृतिक आपदाओं के कारण किसानों की बर्बाद फसलों की भरपाई के लिए दी जाने वाली प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की राशि के समय पर भुगतान का मुद्दा शुक्रवार को राज्यसभा में उठाया गया।

कांग्रेस के राजीव शुक्ला ने शून्य काल के दौरान यह मामला उठाते हुए कहा कि किसानों को फसल बीमा के नाम पर 10 रुपए से भी कम भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में तो यह राशि केवल तीन रुपए तीन तक होती है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत किसानों को भुगतान पाने के लिए जटिल प्रक्रिया को पूरा करना पड़ता है और कई मामलों में उन्हें कोई ना कोई कारण बता कर भुगतान से मना कर दिया जाता है।

श्री शुक्ला ने कहा कि सबसे हैरानी की बात यह है कि यह मामूली राशि भी किसान को समय पर नहीं मिल पाती इसलिए उनकी मांग है कि फसल बीमा राशि के भुगतान के लिए एक समय सीमा निश्चित की जानी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के बृजलाल ने अर्धसैनिक बलों के जवानों और अधिकारियों को वीरता पदक के लिए दिए जाने वाले पदक भत्ते को बढ़ाए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि वीरता के लिये दिये जाने वाले राष्ट्रपति पदक की पुरस्कार राशि को 3000 से बढ़कर 6000 किया गया था लेकिन वीरता के लिए पुलिस पदक की पुरस्कार राशि लंबे समय से 2000 रुपए से बढ़ाई नहीं

गई है उन्होंने कहा कि इस राशि को बढ़ाकर 4000 किया जाना चाहिए।

आम आदमी पार्टी की स्वाति मालीवाल और राष्ट्रीय जनता दल के संजय यादव ने निजी अस्पतालों तथा बीमा स्वास्थ्य बीमा कंपनियों की मिली भगत का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ये उपभोक्ताओं का शोषण कर रहे हैं और उनके दावों की राशि का पूरा भुगतान नहीं कर रहे हैं। उन्होंने इस समस्या के समाधान के लिए सख्त कानून बनाए जाने की मांग की।

बहुजन समाज पार्टी के रामजी ने खाद्य पदार्थों में मिलावट और फलों पर रसायन के छिड़काव तथा उन्हें पकाने के लिए हानिकारक रसायनों के इस्तेमाल पर रोक लगाए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इन रसायनों का स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है जिसके कारण लोग बीमार हो रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी के संजय सेठ ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी के पर्यटन स्थलों को यूनेस्को की धरोहर सूची में शामिल किए जाने के लिए नामांकन किए जाने की मांग की।

उन्हीं की पार्टी के बाबूभाई देसाई ने देश में बढ़ते त्वचा कैंसर के मामलों से निपटने के लिए एक व्यापक और दीर्घ कार्यक्रम नीति बनाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि पूरे देश में जिला स्तर पर इसके लिए निदान केंद्र भी बनाए जाने चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के सुरेंद्रनगर ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मेट्रो परियोजना का काम जल्द शुरू किए जाने की मांग की।

शिवसेना उद्धव ठाकरे की प्रियंका चतुर्वेदी ने एनसीईआरटी की पुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित अध्याय को लेकर न्यायपालिका की टिप्पणियों और पाठ्यक्रम टीम के संबंध में दिए गए आदेशों पर सवाल खड़ा किया।

तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन ने पश्चिम एशिया संकट के कारण गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि 2014 में जो सिलेंडर 420 रुपए का था वह अब 914 रुपए का हो गया है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि केंद्र सरकार केवल अच्छे-अच्छे स्लोगन बनाने में माहिर है लेकिन वास्तव में स्थिति कुछ और होती है।

अदालत ने फारूक अब्दुल्ला के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट वापस लिया

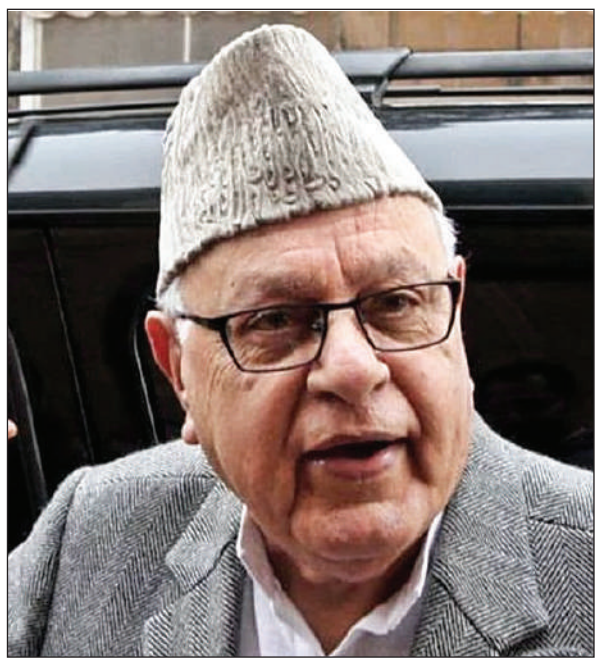

श्रीनगर, 13 मार्च (एजेंसियां)। श्रीनगर की एक अदालत ने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) 'घोटाले' के सिलसिले में पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के खिलाफ पहले जारी किये गये गैर-जमानती वारंट को वापस ले लिया है।

अदालत ने श्री अब्दुल्ला के अधिवक्ता इश्तियाक खान द्वारा कार्यवाही में उनकी अनुपस्थिति का कारण बताते हुए एक आवेदन दायर करने के बाद यह निर्णय लिया। श्री खान ने अदालत को बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री एक दिन पहले जम्मू में उन पर हुए 'कातिलाना हमले' से सदमे के कारण सुनवाई में शामिल नहीं हो सके हैं। श्री खान ने दलील दी कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष इस घटना के बाद की स्थितियों के कारण शारीरिक रूप से या वर्चुअल मोड के माध्यम से पेश होने में असमर्थ थे।

अधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने शुरू में एक नियमित छूट का आवेदन दायर किया था, लेकिन जब अदालत ने गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया, तो उन्होंने वारंट को वापस लेने की मांग करते हुए एक विस्तृत आवेदन दिया और श्री अब्दुल्ला की अनुपस्थिति के पीछे की परिस्थितियों को स्पष्ट भी किया।

श्री खान ने बताया कि अदालत ने दलील स्वीकार कर ली और तुरंत वारंट वापस ले लिया। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस तरह का रिकॉल (वापसी) उसी अदालत द्वारा किया जाना होता है जिसने वारंट जारी किया हो। अब इस मामले पर अगली सुनवाई निर्धारित तिथि 30 मार्च को होगी।

श्रीनगर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तबस्सुम ने करोड़ों रुपये के जेकेसीए वित्तीय अनियमितता मामले में श्री अब्दुल्ला के खिलाफ गुरुवार को गैर-जमानती वारंट जारी किया था। यह वारंट इसलिए जारी किया गया था क्योंकि वह व्यक्तिगत रूप से या ऑनलाइन अदालत में पेश होने में विफल रहे थे।

इस कथित घोटाले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कर रही है, जिसने 2018 में श्री अब्दुल्ला और कई अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) को दिए गए अनुदान में से लगभग 43 करोड़ रुपये का कथित रूप से गबन करने के लिए आरोप पत्र दायर किया था।

केन्द्र ने आपदा प्रभावित छह राज्यों के लिए 1912 करोड़ रुपये की सहायता राशि मंजूर की

नयी दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। केन्द्र सरकार ने वर्ष 2025 में बाढ़, आकस्मिक बाढ़, बादल फटने , चक्रवात 'मोंथा' और भूस्खलन से प्रभावित आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, नागालैंड तथा केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लिए 1,912.99 करोड़ रुपए की अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता को मंजूरी दी है।केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई एक उच्चस्तरीय समिति की बैठक में यह मंजूरी दी गयी।

गृह मंत्रालय ने एक वक्तव्य में बताया कि यह केन्द्रीय सहायता राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष से प्रदान की गई है, जो वर्ष की प्रारंभिक शेष राशि में उपलब्ध राज्य आपदा मोचन कोष के 50 प्रतिशत के समायोजन के अधीन है।

मंजूर की गयी कुल राशि 1,912.99 करोड़ रुपए में से, आंध्र प्रदेश के लिए 341.48 करोड़ रुपए, छत्तीसगढ़ के लिए 15.70 करोड़ रुपए, गुजरात के लिए 778.67 करोड़ रुपए, हिमाचल प्रदेश के लिए 288.39 करोड़ रुपए, नगालैंड के लिए 158.41 करोड़ रुपए तथा जम्मू-कश्मीर के लिए 330.34 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है।

सरकार प्राकृतिक आपदाओं और विपत्तियों के समय राज्य सरकारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है। यह अतिरिक्त सहायता उस धनराशि से अतिरिक्त है जो केन्द्र सरकार द्वारा राज्य आपदा मोचन कोष के तहत राज्यों को पहले ही जारी की जा चुकी हैं और जो राज्यों के पास खर्च के लिए उपलब्ध हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान, केन्द्र सरकार ने 28 राज्यों को राज्यों के कोष के तहत 20,735.20 करोड़ रुपए तथा 21 राज्यों को राष्ट्रीय कोष के तहत 3,628.18 करोड़ रुपए जारी किए हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष से 23 राज्यों को 5,373.20 करोड़ रुपए तथा राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष से 21 राज्यों को 1,189.56 करोड़ रुपए भी जारी किए गए हैं।

ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के दौरान अमेरिका ने ईरान में 6,000 ठिकानों पर हमला करने का दावा किया

वाशिंगटन 13 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका ने दावा किया है कि उसने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के दौरान ईरान में 6,000 ठिकानों पर हमला किया है।

अमेरिका के केंद्रीय कमान की ओर से जारी किए गये नये आंकड़ों के अनुसार अमेरिका ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के दौरान ईरान में 6,000 ठिकानों पर हमला किया है।

इस अभियान के लगभग 60 जहाज़ और 30 बारूदी सुरंगें बिछाने वाले ईरान जहाज़ों नुकसान पहुंचाया है या उन्हें नष्ट कर दिया है।

अमेरिकी केंद्रीय कमान के अनुसार ईरान में अन्य ठिकानों में सैन्य ठिकानों, हथियार बनाने की फैक्ट्रियां, बैलिस्टिक मिसाइल के केंद्रों, पनडुब्बियों और हवाई सुरक्षा प्रणालियों पर अमेरिका की ओर से हमले किये गये हैं।

अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी सेना के जांचकर्ताओं का मानना है कि अमेरिका-इजरायल के संयुक्त अभियान की शुरुआत में हवाई हमलों के दौरान ईरान में एक विद्यालय पर गलती से हमला करने के लिए संभवतः अमेरिकी सेना ही जिम्मेदार है, लेकिन वे अभी तक किसी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे हैं।

एक बार रद्द होने पर दोबारा कभी नहीं बनेगा ड्राइविंग लाइसेंस

यदि देश के किसी भी शहर में ड्राइविंग लाइसेंस रद्द होता है तो अब नई व्यवस्था के तहत कहीं भी ड्राइविंग लाइसेंस नहीं बन पाएगा। केंद्र सरकार ने ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की जटिलता को समाप्त करने जा रही है। साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस के नियमों को सख्त करने का निर्णय लिया है।

नेशनल पोर्टल से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू : सभी राज्यों में बनने वाले ड्राइविंग लाइसेंस को नेशनल पोर्टल से जोड़ने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। किसी भी शहर में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर लाइसेंस रद्द होता है, तो वह नेशनल पोर्टल में अपडेट हो जाएगा। दोबारा उस चालक का किसी भी शहर से लाइसेंस नहीं बन पाएगा।

आधार से भी जुड़ेगा लाइसेंस : वहीं आवेदनकर्ता को डीएल बनवाने के लिए आधार कार्ड देना होगा। इससे देशभर में फर्जी डीएल बनवाने के सिलसिले पर अंकुश लगेगा।

फोन पर ऐसे ब्लॉक करें मनचाहे एप के नोटिफिकेशन

स्मार्टफोन पर लगातार होने वाली नोटिफिकेशन की बारिश कई बार यूजर के सिर का दर्द बन जाती है। फोन पर आने वाली सभी नोटिफिकेशन काम के नहीं होते, इसलिए यूजर चाहें तो बेवजह के नोटिफिकेशन को ब्लॉक कर सकते हैं। इसके लिए यूजर को सबसे पहले अपने फोन की सेटिंग्स में जाना होगा। अब नीचे की तरफ स्क्रॉल करने पर यूजर को 'नोटिफिकेशन' का विकल्प नजर आएगा। इस पर क्लिक करते ही फोन में मौजूद सभी एप्लीकेशन के आईकन डिस्प्ले पर दिखाई देने लगेंगे। मिसाल के तौर पर यदि आप जीमेल के नोटिफिकेशन को मोबाइल पर बंद करना चाहते हैं तो उसके आईकन पर क्लिक करें। फिर सबसे ऊपर नजर आ रहे 'ब्लॉक ऑल' के सामने मौजूद बटन को एक्टिव कर दीजिए। ऐसा करने से जीमेल पर आने वाले मैसेज से संबंधित नोटिफिकेशन डिस्प्ले पर फ्लैश नहीं होंगे। इस तरह यूजर चाहें तो अपने फोन में मौजूद किसी भी एप्लीकेशन के लिए नोटिफिकेशन को आसानी से ब्लॉक कर सकते हैं।

हेल्थ केयर

लगातार बैठते हैं कंप्यूटर स्क्रीन के सामने तो बरतें कुछ सावधानियां

अधिकतर हर दूसरा व्यक्ति आजकल कंप्यूटर पर काम करता है। यहां तक कि बच्चों की पढ़ाई भी इसी पर ही होने लगी है। ऐसे में कंप्यूटर पर लंबे समय तक काम करने के दौरान कुछ लोगों की आंखों में परेशानी होने लगती है जैसे आंखों में जलन, खुजली, आंख से पानी आना आदि। इन सब परेशानियों से बचने के लिए आप कंप्यूटर पर काम करते समय इन बातों को अपनी रूटीन में शामिल करें।

1. काम करने के 20 मिनट बाद 20 सेकेंड के लिए रूककर कम से कम 20 फीट दूर की वस्तु देखें।
2. बीच-बीच में आंखों बंद करें धीरे-धीरे आंखों को घड़ी की सूई की दिशा में और विपरीत दिशा में घुमाएं। ऐसा तीन बार करें।
3. हमेशा कंप्यूटर पर गहरे रंग का फान्ट और हल्के रंग के बैक ग्राउंड पर काम करना चाहिए।
4. मॉनिटर पर एंटी ग्लेयर स्क्रीन लगाना चाहिए। इससे लाइट रिफ्लेक्शन कम होता है और आंखों को आराम रहता है।
5. जब भी आप कंप्यूटर पर काम कर रहे हो तो ध्यान रखें कि रूम में रोशनी पूरी हो।लाइट सीधी आंखों पर न पड़े।
6. कंप्यूटर पर काम करने के लिए ऐसी चेयर का इस्तेमाल करें। जिसमें आर्म रेस्ट लगा हो।
7. आंखों से मॉनिटर की दूरी 25 इंच के लगभग होनी चाहिए और मॉनिटर बिल्कुल आंखों के सीध में होना चाहिए।

फीकी पड़ी मेहंदी को रिमूव करने के बेस्ट तरीके

भारत में मेहंदी का इस्तेमाल तो सदियो से किया जा रहा है। कोई भी त्यौहार क्यों ना हो, लेकिन महिलाएं मेहंदी को लगाना नहीं भूलती। मेहंदी जितनी ज्यादा रचती है, इसे लगाने वाले के चेहरे पर उतनी ज्यादा खुशी झलकती है। लेकिन जब मेंहदी फीकी पड़ने लगती हैं तब यह दिखने में बिल्कुल अच्छी नहीं लगती। तब ऐसा लगता है कि बस किसी भी तरह से यह फटाफट हट जाए। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान टिप्स बताएंगे जिन्हें फॉलो करके आप अपने हाथों में लगी फीकी मेंहदी को हटा सकती हैं।

1. **ब्लीच :** सबसे पहले ब्लीच को अपने हाथों में लगा लें। फिर इसके सुखने के बाद हाथों को धो लें। उसके बाद हाथों पर मॉइश्चराइज़र लगा लें। ऐसा करने से मेंहदी पूरी तरह तो नहीं हटेगी, लेकिन हां, इससे काफी हद तक खत्म हो जाएगी। आप ऐसा दो-तीन बार दोहरा सकती हैं।
2. **नींबू :** नींबू के छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। फिर इन टुकड़ों को अपने हाथों पर रगड़े। ऐसा करने से मेंहदी धीरे-धीरे छुटने लगेगी।
3. **ऑलिव ऑयल :** ऑलिव ऑयल और नमक को अच्छी तरह से मिला लें और कॉटन बॉल की मदद से इस मिक्सचर को हाथो पर लगाएं। इस मिक्सचर को हाथों पर लगाकर थोड़ी देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब एक सूखे कॉटन बॉल की मदद से इसे साफ कर लें। आप देखेंगी कि मेहंदी हल्की हो गई है और जब आप ऐसा दोबारा करेंगी तो ना सिर्फ मेहंदी का रंग खत्म हो जाएगा।
4. **डिटरजेंट :** सबसे पहले पानी में थोड़ा डिटरजेंट मिला लें और अपने हाथों को उसमें डुबोएं। डिटरजेंट में मौजूद ब्लीचिंग एजेंट जैसे ही अपना काम करना शुरू करेंगा वैसे ही आप महसूस करेंगी कि आपकी मेहंदी का रंग धीरे-धीरे खत्म हो रहा है।

EXam Time!

तनाव से बचाएं
यूं करवाएं बच्चों को तैयारी

तेज रफ्तारी कॉम्पिटिशन के जमाने में प्रत्येक माता-पिता, बच्चे को अच्छे संस्कारों के साथ उच्च शिक्षा देना चाहता है ताकि उनका भविष्य उज्जवल बन सकें। भारत में अधिकतर माता-पिता बच्चों की पढ़ाई और शादी में निवेश करने को पहली प्राथमिकता देते हैं। खासकर शिक्षा में, क्योंकि पढ़ाई-लिखाई हर बच्चे के लिए बहुत जरूरी है लेकिन कुछ बच्चे शिक्षा को बोझ समझ लेते हैं और पेपरों के दिनों में चिंता और तनाव का शिकार हो जाते हैं। यहां तक की कुछ बच्चे खाना-पीना भी छोड़ देते हैं। एग्जाम के दिनों में पैरेंट्स बच्चों पर ज्यादा दबाव बनाते हैं। इन दिनों में बच्चों को फ्रैश माइंड रहने दें तभी वह पेपरों में अच्छे नंबर ले पाएंगे।

-टाइम टेबल सैट करें

एग्जाम से पहले एक बार सारे सैलेब्स की रिविजन करना बहुत जरूरी है। कुछ पैरेंट्स पेपर के एक दिन पहले ही सारा सैलेब्स याद करवाने की कोशिश करते हैं। ऐसा करने से बच्चा तनाव में ही आएगे। बेहतर विकल्प यही है कि आप टाइम-टेबल के अनुसार रोज उन्हें थोड़ा-थोड़ा सैलेब्स याद करवाएं। डेटशीट के हिसाब से टाइम टेबल सैट करें और पढ़ाई के बीच थोड़ा आराम भी करने दें।

-डाइट का भी रखें ख्याल

बहुत सारे बच्चे इन दिनों खाना-पीना छोड़ देते हैं, जिससे उनके स्वभाव में बेचैनी और चिड़चिड़ापन आ सकता है। एग्जाम के दिनों में बच्चों को बाहर का खाना बिल्कुल ना दें।घर पर ही उन्हें कुछ बढ़िया बनाकर खिलाएं। उसके भोजन में दलिया, ओट्स, कॉर्न आदि शामिल करें ताकि उसका पाचन भी अच्छा रहे और उसे हल्का भी महसूस हो। बादाम, अखरोट, काजू भी शामिल करें।

-प्रैशर ना डालें

बहुत सारे पेरेंट्स बच्चों पर पढ़ाई का दबाव बनाने लगते हैं जिससे बच्चे स्ट्रैस में आ जाते हैं। ऐसा करने की गलती ना करें। ना ही बच्चे की तुलना किसी अन्य बच्चे से करें।

- बच्चे को कैसे करवाएं तैयारी

सैलेब्स में जो चीजें बच्चे को अच्छे से आती हैं उसे बाद में रिवाइज करवाएं। उस सैलेब्स की तैयारी पहले करवाएं, जिसमें बच्चा कमजोर हो। साथ-साथ थोड़ा टी.वी या गेम्स भी खेल दें ताकि बच्चा दोबारा पढ़ाई करने के लिए फ्रैश महसूस करें।

पर्याप्त नींद

एग्जाम से पहली वाली रात को पर्याप्त नींद लेना भी बहुत जरूरी है। नहीं तो एग्जाम टाइम वह शारीरिक रूप से सुस्त होगा। एग्जाम के लिए आप पूरे साल मेहनत करते हैं। इसकी तैयारी एक रात में नहीं हो सकती है। बच्चे पर ज्यादा दबाव ना बनाएं और समय पर जरूर सुलाएं।

बच्चों को सिखाएं करना खुद की सुरक्षा

हर मां-बाप चाहते है कि उनका बच्चा सुरक्षित रहे। इसके लिए मां-बाप अपने बच्चों को हर अच्छी-बुरी बातों के बारे में समझाते हैं। लेकिन बच्चे बहुत मासूम होते हैं, उन्हें अच्छी-बुरी बातों का पता नहीं होता। वह हर किसी से पास बहुत जल्दी चले जाते हैं और इसी बात का अजनबी फायदा उठाते हैं। इसलिए बेहतर यही कि आप पहले से ही अपने बच्चों को अचनबियों के बारें बता दें। ताकि आपका बच्चा हर पल सुरक्षित रह सके।

1. अनजानी जगह ना जाए

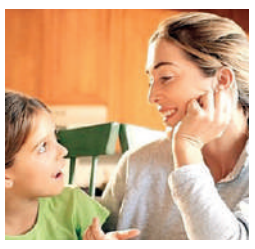

बच्चों को ये बात जरूर बताएं कि उनके लिए जंगल, पार्किंग स्थल या अंधेरी गली ऐसी जगहें सुरक्षित नहीं है। इसलिए ऐसी जगहें अकेले कभी ना जाए। अगर जाना जरूरी है तो हमेशा एक बड़े व्यक्ति को लेकर जाएं।

2. घर पर सुरक्षा

अगर आप अपने बच्चे को अकेला घर पर छोड़ कर जा रहे हैं तो उसे यह बात जरूर बताएं कि बिना जान-पहचान के किसी को घर के अंदर ना आने दें।

3. दोस्तों के साथ खेलें

जब भी आपका बच्चा बाहर खेलन जा रहा हो तो उसे अपने दोस्तों के साथ ही रहने को कहे। उसे समझाए कि यहां-वहा जाने की जरूरत नहीं है। खेलकर सीधा घर पर आएं।

4. अजनबी की पहचान

बच्चों को बताएं कि अगर उन्हें कोई अंकल या आंटी खिलौनें देकर अपने पास बुलाने की कोशिश करता हैं तो उनके पास नहीं ना जाए।

5. जानकारी जरूर दें

उन्हें बताएं कि अगर वे गलती से कही किसी मुश्किल में फस जाएं तो वहां से कैसे बाहर आना है। इसके अलावा बच्चों को सभी जगहों की जानकारी भी जरूर दें। जैस- पुलिस स्टैशन या फिर किसी पहचान वाले का घर।

पैरेंटिंग टिप्स

अपने बच्चे को जरूर सिखाएं ये 10 अच्छी बातें

भले ही बच्चे अपनी शिक्षा स्कूल में अध्यापकों से लेते हैं लेकिन उनकी असली पाठशाला तो घर से ही शुरू होती है। परिवार के सदस्य उन्हें जैसा चाहे उसी व्यवहार में ढाल सकते हैं। बच्चों को घर में अच्छा माहौल दें ताकि वह खुशनुमा व्यवहार का हो। ऐसे संस्कार सिखाएं जो आगे चल कर उनका भविष्य सुनहरा बना दें। छोटी छोटी बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है लेकिन इस बात को हमेशा याद रखें कि बच्चे वहीं सीखते हैं जो वह देखते हैं। अगर आप भी चाहते हैं कि आपका बच्चा समझदार और अच्छा इंसान बने तो उन्हें सीखाने से पहले कुछ बातों पर खुद भी अमल करें।

1. प्लीज और थैंक्यू

जब भी आप अपने बच्चे से कोई भी चीज मांग रहे हो या फिर उनसे कुछ पूछ रहे हो तो प्लीज वर्ड का इस्तेमाल करना ना भूलें। इसके अलावा जब बच्चा आपको कोई चीज लाकर दें तो उसे थैंक्यू भी जरूर बोलें। ऐसा करने से ये आदत बच्चे भी जल्दी सीख जाते हैं।

2. बड़ों के बीच में ना बोलें

ये बात बच्चों को जरूर सिखाएं कि जब कोई दो बड़े आपस में बात कर रहे हो तो उनके बीच में बोलना गलत बात होती है।

3. अनुमति लें

यह आदत बच्चों में शुरू से ही पाएं कि जब भी वे बाहर जाए तो आपसे अनुमति जरूर लें। बिना अनुमति के वे बाहर ना जाएं।

4. जवाब कैसे दें

जब भी आपके बच्चे से कोई उनका हाल-चाल पूछे तो उन्हें आगे से जवाब कैसे देना है, ये बात उन्हें जरूर सिखाएं। इससे बच्चे लोगो से बात करना और उनके सवाल का जवाब देना सिख जाते हैं।

5. डॉर नॉक

यह आदत बच्चों में जरूर डालें कि वे जब भी किसी के कमरे में जा रहे हो तो सबसे पहले डॉर नॉक जरूर करें। अगर कोई अंदर से रेस्पॉन्स करें तभी रूम के अंदर जाएं।

6. छींक आने पर

बच्चे को जब छींक या खांसी आए तो मुंह को रुमाल से ढक कर छींके या हाथ लगा छींके। छींकने के बाद सॉरी वर्ड का जरूर इस्तेमाल करें।

7. गलत भाषा का इस्तेमाल ना करें

बच्चे बहुत जल्दी आसानी से गलत भाषा बोलना सीख जाते हैं। इसलिए बच्चों के सामने कभी भी गलत भाषा का इस्तेमाल ना करें।

8. टकराना

बच्चे रास्ता चलते समय अगर गलती से किसी से टकरा जाए तो तुरंत उसे सॉरी बोलने के लिए कहे।

9. टेबल मैनर्स

बड़े जब आपको खाना सर्व करें। तभी खाएं आप खुद ही जल्द बाजी में खाना न परोसने लगे। साथ ही बड़ों के टेबल मैनर्स को देख कर फॉलो करें।

10. किसी का मजाक न बनाए

बच्चे अपने से कमजोर बच्चे को चुंगली और मजाक न करें बल्कि दूसरों की सहायता करने के लिए कहना चाहिए।

पहाड़ीयों और लुभावनी घाटियों के लिए प्रसिद्ध है नगालैंड

नगालैंड, भारत के पूर्वोत्तर का एक पहाड़ी क्षेत्र है जो अपनी **पहाड़ीयों** और लुभावनी घाटियों के लिए प्रसिद्ध है। यहां का शांत वातावरण आपके मन को सुकून देगा और आप सारे गम भूल जायेंगे। इस जगह की खूबसूरती पर्यटकों को अपनी ओर खींचती है। अक्टूबर से मई के बीच यहां घूमना सबसे अच्छा रहता है। यह समुद्र तल से 2438.4 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

कोहिमा वार सेमेटेरी- अगर आप विश्व युद्ध के इतिहास को याद करना चाहते हैं तो एक बार कोहिमा वार सेमेटेरी जरूर जाएं। यह वार सेमेटेरी ब्रिटिश, भारतीय और सैनिकों के सम्मान में समर्पित किया गया है।

मोकोकचुंग मोकोकचुंग को नागालैंड की सांस्कृतिक और बौद्धिक राजधानी माना जाता है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और नदियों की ध्वनि आपको बहुत प्रभावित करेगी। यह पारंपरिक भूमि त्यौहार के मौसम के दौरान और सुंदर हो जाती है। यह समुद्र तल से 1325 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। मोकोकचुंग का मौसम साल भर एक जैसा ही होता है।

कैथोलिक चर्च कोहिमा के प्रमुख पर्यटक आकर्षणों में से एक है। यह एक बहुत ही पुरानी बैपटिस्ट कैथेड्रल है। यह जगह आपको नागालैंड के ईसाई धर्म के महत्त्व को दर्शाता है। यह चर्च बहुत ही बड़ा है और इसके जैसे आकार वाली चर्च आपको देखने को नहीं मिलेगी। चर्च के अंदर की पेंटिंग बहुत ही खूबसूरत हैं।

डूजुकू वैली- डूजुकू वैली मनीपुर के सीमा के पास स्थित है। यह कोहिमा से लगभग 30 किमी की दूरी पर है। इस घाटी को अपनी प्राकृतिक सुंदरता और हर मौसम के फूलों के लिए जाना जाता है। डूजुकू घाटी की यात्रा करने के लिए सबसे अच्छा समय वसंत का होता है, इस समय पूरी घाटी फूलों से ढकी हुई होती है। नागा हिल्स नागा हिल्स 3825 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह भारत और बर्मा के सीमा पर स्थित है। नागा शब्द वहां के नागा लोगों के कारण रखा गया था, जिन्हें बर्मी भाषा में नागा या नाका बोला जाता है।

सोम कोन्यक- नागाओं की भूमि, सोम नगालैंड में यात्रा करने के लिए एक दिलचस्प जगह है। कोन्यक खुद को नूह और अभ्यास कृषि के वंशज मानते हैं। सोम जिला नागालैंड की उत्तरी दिशा में है। यह उत्तर में अरुणाचल प्रदेश के राज्य से घिरा है, असम के पश्चिम में और म्यांमार के पूर्व में है।

दीमापुर- दीमापुर नागालैंड का प्रवेश द्वार है। दीमापुर एक कमर्शियल प्लेस है। यहां आपको हर तरह की जरूरत के सामान मिल जाएंगे। दीमापुर में घूमने के लिए कई स्थान हैं। जैसे कछारी खंडहर, इनटंकी वन्यजीव अभयारण्य, दीमापुर प्राणी उद्यान, हरा पार्क, रिजर्व वन, शिल्प गांव, हथकरघा और हस्तशिल्प एम्पोरियम और दीमापुर ए ओ बैपटिस्ट चर्च।

पाँवों को आराम देने और खूबसूरत बनाने के उपाय

फुरसत के समय या टीवी देखते समय अच्छी क्रीम या तेल के हल्के हाथों से गोलाई में पैरों की मालिश करें। थोड़ी देर में तेल त्वचा में रम जाएगा। इससे थके-हारे पैरों को आराम मिलेगा और रूखी त्वचा मुलायम बनी रहेगी। नहाते समय प्यूमिक स्टोन से पैरों की अच्छी तरह सफाई करें ताकि कटी-फटी त्वचा उतर जाए। नहाने के बाद कोई अच्छा बॉडी लोशन या क्रीम पैरों पर लगाएं।

अगर पैरों में पसीना ज्यादा आता हो तो गुनगुने पानी में नींबू की कुछ बूंदें डालें। इसमें पैरों को डुबो कर रखें। पंद्रह मिनट के बाद पैरों को पोंछ लें। थोड़ी सी मुल्तानी मिट्टी में गुलाब जल डाल कर पेस्ट बनाकर पैरों पर पतली परत लगाएं और सूखने पर उसे धो लें। पसीने की समस्या से बचने के लिए पैरों पर अच्छी तरह पाउडर लगाकर जूते पहनें।

गर्म पानी में नमक डाल कर उसमें कुछ देर के लिए पैरों को डाल कर रखें। इससे थके पैरों को आराम मिलता है। मुल्तानी मिट्टी में थोड़ा सा दही डाल कर पेस्ट बना कर पैरों में लगा लें और सूखने पर धो दें। इससे पैर मुलायम हो जाएंगे। पैरों की त्वचा ज्यादा सूखी हो तो गुनगुने पानी में कुछ बूंदें जैतून के तेल की मिला लें। पंद्रह मिनट तक अपने पैरों को इसमें भिगो कर रखें फिर पोंछ कर किसी अच्छी क्रीम से मालिश करें।

पैरों को मुलायम बनाने के लिए मलाई में कुछ बूंदें नींबू की मिलाएं और इससे पैरों की मालिश करें। दो चम्मच ग्लिसरीन और एक चम्मच गुलाब जल में एक चम्मच नींबू का रस अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को एक बोतल में बंद करके रोज सोने से पहले लगाएं। इससे पैरों की त्वचा मुलायम बनी रहेगी।

आपके पैर ठंडे रहते हैं तो सोने से पहले जैतून के तेल से मालिश करें। पैरों के अंदर धंसे नाखूनों की समस्या उन्हें गलत ढंग से काटने से होती है। नाखूनों को सीधा और चौड़ाई में काटें। नेलपालिश लगे हुए पैर सुंदर लगते हैं पर बीच-बीच में नेलपालिश का प्रयोग बंद कर देना चाहिए ताकि नाखूनों का स्वाभाविक रंग बना रहे।

लगातार कुर्सी पर बैठे रहने के कारण पैर खिंच जाते हों तो पैरों को क्लॉकवाइज और एंटी क्लॉकवाइज थोड़ी-थोड़ी देर में घुमाते रहें। जूते-चप्पल हमेशा सही माप के खरीदें जिससे आपके पैरों को उनमें पूरी जगह मिल सके।

बहुत देर तक ऊंची एड़ी की सैंडलें नहीं पहनें इनसे थकान ज्यादा होती है और शरीर का संतुलन बिगड़ता है। अगर हील पहननी ही हो तो प्लेटफॉर्म हील ही खरीदें। नंगे पांव हरी घास पर टहलना भी पैरों के लिए लाभदायक होता है।

रेसिपी

राइस पुडिंग

दो कप बने हुए चावल
दो कप दूध
तीन चम्मच चीनी
चुटकीभर नमक
दालचीनी पावडर
इलायची पावडर
एक चम्मच वनीला एक्सट्रेक्ट
फेंटी हुई मलाई आवश्यक हो तो।

विधि

एक बड़े पैन में चावल, दूध, चीनी और नमक को मिला लें। इसे बिना ढंके तकरीबन 20 मिनट तक धीमी आंच पर चलाते रहे जब तक यह गाढ़ा न हो जाए।

इसके बाद आंच पर से उतार लें और इसमें वनीला एसेंस डालकर चलाएं।

ऊपर से दालचीनी या इलायची पावडर छिड़ककर डेकोरेट करें। हल्का गुनगुना ही सर्व करें।

आवश्यकता लगे तो ऊपर से क्रीम भी डाल सकते हैं। बस, तैयार है स्पेशल राइस पुडिंग।

कर्ड राइस

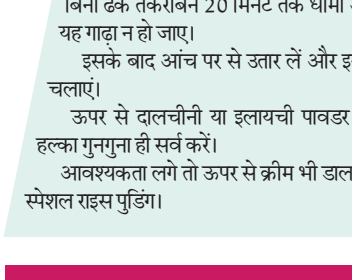

125 ग्राम चावल, 500 ग्राम दही, 10 ग्राम अदरक (किसा हुआ), दो हरी मिर्च बारीक कटी
दो टेबलस्पून तेल
एक चम्मच राई
दो साबुत लाल मिर्च
थोड़े काजू एक चुटकी हींग, 5-6 कढ़ी पत्ते
नमक स्वादानुसार, अनारदाने

विधि

कर्ड राइस बनाने के लिए सबसे पहले चावल धोकर 15 मिनट के लिए भिगो दें। फिर चावल को पतीले में उबालकर छलनी से छाने लें और चम्मच से हल्का मसल लें। दही को फेंटकर हरी मिर्च, अदरक के साथ चावल में मिला दें। इसके बाद एक फ्राइंगपैन में तेल गर्म करें और सरसों के दाने, साबुत लाल मिर्च और नमक डालें। जब यह चटकने लगे तब हींग और कड़ी पत्ता डालें और काजू भी डाल दें। अब फ्राइंगपैन को आंच से उतारकर इस छौंक को दही वाले चावल में अच्छी तरह मिलाएं और कड़ी पत्ते और अनार के दानों से सजाकर सर्व करें।

भीगे हुए बादाम खाने के जबरदस्त फायदे

बादाम को शुरू से ही सेहत के लिए वरदान के रूप में जाना गया है। जब हम इसे रात भर पानी में भिगोकर सुबह छीलकर खाते हैं तो इसके फायदे दौगुना हो जाते है। बादाम में मौजूद मिनरल्स, विटामिन, डायटरी फाइबर दिमाग को तरोताजा रखने के साथ-साथ शरीर की मेटाबॉलिज्म में भी मददगार होता है। भीगा हुआ बादाम पचने में भी आसान होता है। आज हम आपको बादाम के गुणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

1. **ब्लड प्रेशर कंट्रोल :** हाल ही में हुए एक अध्ययन के अनुसार, वैज्ञानिकों ने पाया कि बादाम का सेवन करने से ब्लड में अल्फा टोकोफेरॉल की मात्रा बढ़ जाती है, जो किसी के भी बी.पी को कंट्रोल करने के लिए महत्वपूर्ण होता है। यह 30 से 70 वर्ष की उम्र के बीच के पुरुषों पर खास तौर पर प्रभाव डालता है।
2. **डायबिटीज :** रात में पानी में भिगोकर सुबह छिलका उतार कर बादाम खाने से जिन्हें शुगर हो चुकी हैं उनकी कमजोरी दूर करता है। खाना खाने के बाद बादाम लेने से ये शुगर और इंसुलिन का लेवल बढ़ने से रोकता है। जिससे डायबिटीज से बचा जा सकता है।
3. **मोटापा कम करें :** भीगे हुए बादाम एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्रोत हैं। इसमें मौजूद मोनोअनसेचुरेटेड फैट आपकी भूख को रोकने और पूरा महसूस करने में मदद करते हैं। जिससे यह वजन कम करने में काफी मददगार है।
4. **दिल स्वस्थ :** यदि आप दिल की बीमारी से किसी भी रूप में पीड़ि?त हों तो स्वस्थ रहने के लिए आप अपने आहार में भीगे हुए बादाम को जरूर शामिल करें।
5. **बूढ़ा न होने दें :** अगर आप रोज लगातार भीगे हुए बादाम खाते हैं तो इससे आप में न तो कोई कमजोरी आएगी और आपकी त्वचा पर कभी भी झुर्रियां नहीं होगी। इसमें विटामिन ई अधिक मात्रा में होता है।

संपादकीय

अहम का 'अविश्वास'

लोकसभा स्पीकर के प्रति अविश्वास व्यक्त करना और फिर अविश्वास प्रस्ताव पेश करना असंवैधानिक, अनैतिक नहीं है, लेकिन यह तार्किक और तथ्यात्मक होना चाहिए। स्पीकर पक्ष और विपक्ष की साझा सहमति से ही चुने जाते हैं और दोनों पक्षों के नेता उन्हें आसन पर विराजमान करते हैं। यही लोकतंत्र का सौंदर्य है। स्पीकर सांसद भी है, राजनेता भी है, एक व्यक्ति भी है, लेकिन सदन में वह संरक्षक और अभिभावक की भूमिका में हैं, लिहाजा तटस्थ और निरपेक्ष हैं। असल जिंदगी में भी अभिभावक हमें डांटते भी हैं और दंड भी देते हैं, लेकिन फिर भी वह हमारे अभिभावक माने जाते रहे हैं। यह तय है कि संसदीय सदन 'नियमानुसार' ही चलते हैं और वे नियम संसद ने ही बनाए हैं, लिहाजा नियमों की पुस्तिका फाड़ना भी 'आपराधिक' घोषित करना चाहिए। बहरहाल मौजूदा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा में ध्वनि-मत से पराजित हो गया। संख्या की सियासत में यही नियति तय होती है। अब ओम बिरला ही स्पीकर रहेंगे और वह अपने दायित्वों की नए सिरे से शुरुआत करेंगे। वह भारत के संवैधानिक और संसदीय इतिहास में चौथे स्पीकर हैं, जिनके प्रति विपक्ष का 'अविश्वास' पराजित हुआ है। देश के प्रथम स्पीकर गणेश वासुदेव मावलंकर के खिलाफ दिसंबर, 1954 में अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया। तब देश का संविधान ही मात्र 4 वर्ष का था। तब विपक्ष भी नगण्य था। तो क्या प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और स्पीकर मावलंकर के बीच असहमतियों और मतभेदों के मद्देनजर वह 'अविश्वास' व्यक्त किया गया? मावलंकर सम्मानित स्वतंत्रता सेनानी, राजनेता, संविधानविद थे। सभी उन्हें 'दादा साहेब' कहकर संबोधित करते थे। कई मायनों में उन्हें 'लोकसभा का जनक' भी माना जाता था। संविधान सभा और संविधान का प्रारूप तय करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। ऐसे शख्स के प्रति भी 'अविश्वास' व्यक्त किया जा सकता था, आज हम सिर्फ सवाल कर हैरान हो सकते हैं। बहरहाल मावलंकर के बाद 1966 में हुकम सिंह और 1987 में बलराम जाखड़ सरीखे लोकसभा अध्यक्षों के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव पेश किए गए, लेकिन सभी पराजित हुए। वे तीनों स्पीकर 'कांग्रेसी' थे। अब स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ सबसे अहम शिकायत यह थी कि वह नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने ही नहीं देते। उनका रवैया, व्यवहार असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक रहा है और उनकी व्यवस्थाएं 'पक्षपाती' रही हैं। विपक्ष के नेताओं के माइक बंद कर दिए जाते हैं। विपक्ष की महिला सांसदों पर स्पीकर ने जानबूझ कर गंभीर आरोप लगाए कि वे सांसद प्रधानमंत्री मोदी के आसन को घेर कर कुछ भी अनिष्ट, अप्रत्याशित कर सकती थीं। विपक्षी सांसदों के निलंबन पर भी सवाल उठाए गए। बहरहाल इन आरोपों की नौबत ही क्यों आई? महिला सांसद प्रधानमंत्री के आसन तक क्यों गई थीं? विपक्ष के सांसद कागज की चिंदी-चिंदी कर स्पीकर के आसन पर क्यों उछालते रहे हैं? निलंबन पहले के स्पीकर भी करते रहे हैं। यह सामान्य कार्रवाई है। स्पीकर सोमनाथ चटर्जी ने तो 'नकदी के बदले सवाल' के भ्रष्ट कदाचार पर कई सांसदों को बर्खास्त ही कर दिया था। स्पीकर को निलंबन ही नहीं, निष्कासन का भी विशेषाधिकार संविधान ने दिया है। ऐसा फैसला सर्वोच्च अदालत ने भी दिया है। अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान विपक्षी सांसदों ने स्पीकर को निशाना बनाते हुए, प्रधानमंत्री मोदी पर, अपमापजनक टिप्पणियां कीं। यह स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। संसद ऐसा मंच नहीं है। गृहमंत्री अमित शाह का कथन उचित है कि संसद 'मेला' नहीं है कि आप कुछ भी बोलें या कुछ भी करें। बेशक सभी सांसद नियमों से बंधे हैं और नियम नेता प्रतिपक्ष पर भी लागू होते हैं। हमें पूरी चर्चा सुनने के बाद ऐसा लगा कि अविश्वास प्रस्ताव स्पीकर के खिलाफ शब्दशः था, लेकिन वह किसी के निजी अहंकार की तुष्टि का प्रस्ताव भी था। औसत आपत्ति यह थी कि नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया जाता। इस पर पलटवार गृहमंत्री ने किया, लेकिन उन्होंने जो सवाल उठाए, वे अप्रासंगिक थे। अविश्वास स्पीकर के खिलाफ था, न कि प्रधानमंत्री और सरकार के खिलाफ।

> स्पीकर पक्ष और विपक्ष की साझा सहमति से ही चुने जाते हैं और दोनों पक्षों के नेता उन्हें आसन पर विराजमान करते हैं। यही लोकतंत्र का सौंदर्य है। स्पीकर सांसद भी है, राजनेता भी है, एक व्यक्ति भी है, लेकिन सदन में वह संरक्षक और अभिभावक की भूमिका में हैं, लिहाजा तटस्थ और निरपेक्ष हैं। असल जिंदगी में भी अभिभावक हमें डांटते भी हैं और दंड भी देते हैं, लेकिन फिर भी वह हमारे अभिभावक माने जाते रहे हैं। यह तय है कि संसदीय सदन 'नियमानुसार' ही चलते हैं और वे नियम संसद ने ही बनाए हैं, लिहाजा नियमों की पुस्तिका फाड़ना भी 'आपराधिक' घोषित करना चाहिए। बहरहाल मौजूदा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा में ध्वनि-मत से पराजित हो गया। संख्या की सियासत में यही नियति तय होती है। अब ओम बिरला ही स्पीकर रहेंगे और वह अपने दायित्वों की नए सिरे से शुरुआत करेंगे। वह भारत के संवैधानिक और संसदीय इतिहास में चौथे स्पीकर हैं, जिनके प्रति विपक्ष का 'अविश्वास' पराजित हुआ है। देश के प्रथम स्पीकर गणेश वासुदेव मावलंकर के खिलाफ दिसंबर, 1954 में अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया। तब देश का संविधान ही मात्र 4 वर्ष का था। तब विपक्ष भी नगण्य था।

कुछ अलग

और क्या हाल हो रहे हैं...

जैसे हर आदमी अमन चैन से जीवनयापन कर रहा हो, वे हर किसी से छूटते ही पूछते थे- 'और क्या हाल हो रहे हैं?' दुःखी आदमी अचकचा जाता था और उसकी समझ में कतई नहीं आता था कि वह उनके इस प्रश्न का क्या उत्तर दे। विवशता में कुछ लोग सब ठीक है, कहकर पिण्ड छुड़ा लेते थे। एक तरह से और क्या हाल हो रहे हैं, उनका तकिया कलाम था, जिसे वे मौके बेमौके भी काम लेते थे। दरअसल वे मेरे साथी हैं। यदि मैंने कार्यालय से अवकाश ले लिया तो मेरे घर या मोबाइल पर यह पूछना नहीं भूलते थे कि 'और क्या हाल हो रहे हैं?' चाहे मैं बीमार हूं या किसी झंझट में फंसा हूं, वे सहज रूप से मुस्कान के साथ यह तकिया कलाम पूछना नहीं भूलते थे। कई साथियों ने तो उनका नाम ही 'और क्या हाल हो रहे हैं' रख दिया था। उन्हें भी उन्हें बुलाने या देखते ही यह कहना याद आ जाता था कि और क्या हाल हो रहे हैं। वे झेंपकर यही कह पाते थे कि बस ठीक हैं। पूछने वाला यदि मजाकिया मूड में होता तो ठहाका लगाकर रह जाता था। उनका मेरा सहकर्मी होना मैं अपना सौभाग्य मानता था। कभी घर आते तो वही तकिया कलाम और मैं बाथरूम में भी होऊं तो यही हाल। मैंने उन्हें कई बार समझाया भी कि यार हालात की नाजुकता देखकर अपना तकिया कलाम स्थगित रखा करें और गाहे-बगाहे महीने-बीस दिन में इस तकिया कलाम को काम में लिया करें। मगर यह तो उनकी जबान पर चढ़ चुका था, इसलिए वे विवश व लाचार थे। और क्या हाल हो रहे हैं, पूछकर अन्तर्धान हो जाते थे। फिर उन्हें खोजना अत्यंत जटिल था। दफ्तर में एक दिन एक जरूरी काम वाला आया तो उन्होंने उस पर (अनजाने थे) भी वही मार दिया।

नीतीश ने भी कहा है कि वे चाहते थे कि संसद के दोनों सदनों और विधानमंडल के दोनों सदनों के सदस्य बनें

सवालों के घेरे में नीतीश कुमार की विदाई

उमेश चतुर्वेदी

> बीस साल से कुछ ज्यादा वक्त से लगातार बिहार की सत्ता में बने रहे नीतीश का सियासी स्वभाव ही सवालों और आश्चर्य की वजह बना है। नीतीश ने जब से सत्ता संभाली है, उन्होंने कभी ऐसा जाहिर नहीं किया कि वे सत्ता से दूर हो सकते हैं। बीच में जीतन राम मांझी को नौ महीने के लिए सत्ता सौंपकर संन्यासी और बीतरागी जैसा दिखने की कोशिश उन्होंने जरूर की, लेकिन वह सिर्फ दिखावा था। सत्ता का असल सूत्र उनके ही हाथ था। जब लगा कि मांझी उस सूत्र को काट कर स्वाधीन पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं, उस धागे को काट सत्ता खुद थाम ली थी। नीतीश सत्ता को इतनी आसानी से छोड़ देंगे, इस पर आसानी से भरोसा ना करने की वजह उनका अतीत रहा है।

दो दशकों से बिहार की सत्ता की धुरी रहे नीतीश कुमार की विदाई को लेकर सियासी गलियारों में जितनी हैरत जताई जा रही है, सवाल भी उतने ही उठ रहे हैं। बीस साल से कुछ ज्यादा वक्त से लगातार बिहार की सत्ता में बने रहे नीतीश का सियासी स्वभाव ही सवालों और आश्चर्य की वजह बना है। नीतीश ने जब से सत्ता संभाली है, उन्होंने कभी ऐसा जाहिर नहीं किया कि वे सत्ता से दूर हो सकते हैं। बीच में जीतन राम मांझी को नौ महीने के लिए सत्ता सौंपकर संन्यासी और बीतरागी जैसा दिखने की कोशिश उन्होंने जरूर की, लेकिन वह सिर्फ दिखावा था। सत्ता का असल सूत्र उनके ही हाथ था। जब लगा कि मांझी उस सूत्र को काट कर स्वाधीन पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं, उस धागे को काट सत्ता खुद थाम ली थी। नीतीश सत्ता को इतनी आसानी से छोड़ देंगे, इस पर आसानी से भरोसा ना करने की वजह उनका अतीत रहा है। कभी जीन विवाद तो कभी किसी दूसरी वजह से उन्होंने अपनी पुरानी सहयोगी बीजेपी को छोड़ उस लालू का हाथ दो-दो बार थाम लिया, जिनके विरोध की बुनियाद पर ही उनकी राजनीति परवान चढ़ी। फिर जब उन्हें लगा कि लालू का साथ उनकी सियासी नैया को डुबो देगा तो फिर बीजेपी की ओर लौटने में भी उन्होंने देर नहीं लगाई। यह सियासी आवाजाही हर हाल में सत्ता पर पकड़ बनाए रखने की उनकी चाहत का ही प्रतीक लगती है। इसी वजह से उनकी विदाई को सहजता से स्वीकार करना कठिन हो रहा है। राजनीति का एक चरित्र है। अपने कदमों को लिए वह जिन कारणों को गिनाती है, हकीकत में वे कारण होते ही नहीं। नीतीश ने भी कहा है कि वे चाहते थे कि संसद के दोनों सदनों और विधानमंडल के दोनों सदनों के सदस्य बनें। विधानमंडल और लोकसभा के वे सदस्य रह लिए हैं, लेकिन राज्य सभा के वे सदस्य कभी रहे नहीं। इसलिए वे बिहार की राजनीति छोड़ राज्यसभा का सदस्य बनने जा रहे हैं। हो सकता है कि नीतीश की यह चाहत रही हो, लेकिन उनके बिहार को छोड़ने के पीछे का यह सच अधूरा है। विगत दो साल में नीतीश कुमार की जुबान कई बार फिसली है। उनकी हरकतें भी कई बार हास्यास्पद रही हैं। नीतीश की छवि ऐसे गंभीर शख्सियत की रही है, जो नाप-तोलकर बोलता है। इसी छवि के गाहे-बगाहे फिसलती रही जुबान और उल-जलूल हरकतों के बावजूद उनके प्रति लोगों का सम्मान कम नहीं होने दिया है। इसी छवि के चलते विगत के बिहार चुनाव में एनडीए को भारी जीत भी मिली। लेकिन इसके साथ ही यह भी मान लिया गया कि इन चुनावों के बाद नीतीश की विदाई भी हो सकती है। यह कहना मुश्किल है कि बीजेपी और जनता दल यू ने तय किया हो कि चुनाव बाद नीतीश हट जाएंगे या हटा दिए जाएंगे। लेकिन जिस तरह से नीतीश ने खुद को बिहार से दूर किया है, उससे लगता है कि दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व के बीच ऐसी समझ विकसित हो चुकी थी। चूंकि इसकी भनक बाहर नहीं लग पाई थी, इसलिए यह बदलाव लोगों को आसानी से पच नहीं रहा। नीतीश ने जिस जनता दल यू को सींचा-खड़ा किया है, उसका भी चरित्र कुछ-कुछ कांग्रेस की तरह हो गया है। जिस तरह नेहरू-गांधी परिवार कांग्रेस को एक रखने का चुंबक है, नीतीश ही जनता दल यू के लिए उसी तरह के चुंबक हैं। बेशक राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन, संजय झा, विजय चौधरी और अशोक चौधरी, नीतीश के बेहद करीब हैं। लेकिन इन चारों की समूचे जनता दल यू में स्वीकार्यता नहीं है। जदयू को एक नीतीश रख सकते हैं या उनके बेटे निशांत। जदयू को एक रखने के लिए निशांत का राजनीति में आना जरूरी है। राजनीति में उनके प्रवेश की अटकलें करीब दो वर्षों से लगाए जा रहे हैं। नीतीश की छवि परिवारवाद विरोधी नेता की भी है। बिहार की राजनीति के केंद्र में उन्हें लाने के पीछे लालू के परिवारवाद पर उनका तीखा हमला भी रहा है। ऐसे में नीतीश के बाद सीधे निशांत की ताजपोशी उनकी छवि को नुकसान पहुंचा सकती थी, लिहाजा निशांत को उत्तराधिकार सौंपने के लिए ऐसी राह चुनी गई है, जिससे नीतीश को कम से कम नुकसान हो। इसलिए, वे दिल्ली में राज्यसभा की शोभा बढ़ाने जा रहे हैं, जबकि नीतीश बिहार की सत्ता में नंबर दो की पोजिशन संभालने जा रहे हैं। इस कदम से निशांत को सीधे बिहार की सत्ता मिल भी नहीं रही और जदयू पर पकड़ के लिए मजबूत रस्सी भी थमाई जा रही है। बिहार इन दिनों आर्थिक संकट से गुजर रहा है। जीविका दीदियों के खाते में अब तक 18 हजार एक सौ करोड़ दिए जा चुके हैं। दो साल में करीब दो लाख कर्मचारियों की भर्ती के बाद राज्य का वेतन खर्च 70 हजार करोड़ से ज्यादा हो चुका है। पेंशन खर्च पैंतीस हजार करोड़ हो चुका है। राज्य का बजट तीन लाख 67 हजार करोड़ का है। इसमें से पैंसठ फीसद खर्च प्रतिबद्ध खर्च है यानी विकास और योजना पर। राज्य की आर्थिक स्थिति की गड़बड़ी के चलते लालू राज के बाद पहली बार वित्त विभाग को आदेश देना पड़ा है कि कर्मचारियों के वेतन खर्च के अलावा कोई भुगतान ना किया जाए। नीतीश को यह कठिनाई पता है। माना जा रहा है कि बीजेपी को सत्ता सौंपने के पीछे उनका मकसद यह भी माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में राज्य के इस आर्थिक संकट को सत्ता के केंद्र में होने के चलते उसे भुगतना पड़ेगा। हो सकता है कि अपने लोगों के हाथ सत्ता होने के चलते बिहार को मोदी सरकार की ओर से केंद्रीय मदद मिल जाए। 1967 में आठ राज्यों में बनी संविद सरकारों में बीजेपी की पूर्ववर्ती पार्टी जनसंघ ने समाजवादी दलों का साथ दिया था। मध्य प्रदेश, राजस्थान और हिमाचल को छोड़ दें तो हर राज्य में समाजवादी दलों की वह सहयोगी रही। समाजवाद के साथ शुरू बीजेपी की यात्रा में धीरे-धीरे समाजवादी दलों का जनाधार छीजता चला गया। इस तरह उनका अस्तित्व ही खत्म हो गया। बीजेपी की इस वर्चस्ववादी यात्रा की राह में नीतीश का जनता दल यू और नवीन पटनायक का बीजू जनता दल रोड़ा रहा है। उड़ीसा के पिछले चुनाव में बीजेपी पटनायक को पटखनी दे चुकी है और अब नीतीश कुमार ने खुद ही कुर्सी खाली कर दी है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि बिहार में बीजेपी का अगुआ बनने का सपना पूरा होने जा रहा है। नीतीश अब बिहार की सत्ता का अतीत हैं। उनकी उपलब्धियां भी कम नहीं हैं। पहले दो कार्यकाल तक यानी 2015 तक उन्होंने बिहार को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम किया है। नीतीश की एक और उपलब्धि यह है कि लगातार बीजेपी का साथ होने के बावजूद उन्होंने अपनी सरकार का समाजवादी स्वरूप बचाए रखा। सुशासन और सरकार के समाजवादी स्वरूप के चलते नीतीश की राष्ट्रव्यापी छवि बनी। नीतीश की छवि तो बनी, लेकिन उन्होंने बिहार से बाहर अपना संगठन खड़ा नहीं किया। एक बार अरूणाचल में जदयू के 11 विधायक चुने गए, लेकिन उन्हें सहेजने में नीतीश की दिलचस्पी नहीं रही। इससे दुखी विधायक एक-एक कर पार्टी छोड़ गए। 2023 में इसी छवि के चलते उन्होंने इंडिया गठबंधन बनाने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस का अहं उनकी राह में आड़े आ गया। अगर कांग्रेस ने अपने नेतृत्व को आगे रखने की चाहत का बलिदान किया होता और नीतीश को संयोजक बना दिया होता, शायद इतिहास अलग होता।

देश दुनिया से

आर्थिक संकट में प्रदेशवासियों की संजीदगी

हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शांत सामाजिक जीवन और उच्च मानवीय मूल्यों के लिए पूरे देश ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी जाना जाता है। इस प्रदेश की सबसे बड़ी पहचान यहां के लोगों की ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, सरलता और भोलेपन में निहित है। यही विशेषताएं हिमाचल प्रदेश को अन्य राज्यों से अलग बनाती हैं। आधुनिक समय में जब दुनिया तेजी से भौतिकता और प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ रही है, तब भी हिमाचल के लोग अपने नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों को बनाए हुए हैं। यही कारण है कि हिमाचल प्रदेश को अक्सर एक ऐसे राज्य के रूप में देखा जाता है जहां सामाजिक विश्वास और मानवीय संबंध आज भी मजबूत हैं। 15 अप्रैल 1948 को हिमाचल प्रदेश का गठन हुआ था। उस समय कई बुद्धिजीवियों तथा सामाजिक, राजनीतिक चिंतकों को यह संदेह था कि यह पहाड़ी प्रदेश सीमित संसाधनों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच अपने विकास की कहानी किस प्रकार लिख पाएगा। पहाड़ों से घिरा हुआ यह प्रदेश न तो बड़े उद्योगों के लिए अनुकूल था और न ही यहां परिवहन और संचार की सुविधाएं विकसित थीं। लेकिन धीरे-धीरे हिमाचल प्रदेश ने अपनी मेहनत, ईमानदारी और दूरदर्शी नीतियों के माध्यम से विकास के नए आयाम स्थापित किए। आज हिमाचल प्रदेश शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक विकास और मानवीय मूल्यों के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। हिमाचल प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी यहां के लोगों का चरित्र और उनका सामाजिक व्यवहार है। प्रदेशवासियों की सादगी, परिश्रम और ईमानदारी ही वह शक्ति है जिसने इस राज्य को विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाया है। आज के वैश्विक युग में जहां सॉफ्ट पावर किसी भी क्षेत्र की प्रतिष्ठा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, वहीं हिमाचल प्रदेश की सॉफ्ट पावर उसके लोग हैं। यहां की जीवन शैली, सामाजिक समरसता, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और नैतिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता इस राज्य की पहचान बन चुकी है। किन्तु वर्तमान समय में हिमाचल प्रदेश कई आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। पहाड़ी भौगोलिक परिस्थितियां, सीमित संसाधन, प्राकृतिक आपदाएं और बढ़ती विकासात्मक आवश्यकताएं राज्य की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करती रही हैं। लंबे समय तक केंद्र सरकार की ओर से विशेष श्रेणी राज्य के रूप में हिमाचल प्रदेश को आर्थिक सहायता मिलती रही, जिसके कारण यहां के विकास कार्यों को गति मिली। इस सहायता के पीछे मुख्य कारण राज्य की कठिन भौगोलिक परिस्थितियां, सीमित संसाधन और प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति थी। इस आर्थिक सहायता के माध्यम से प्रदेश में सडक़ों, शिक्षा, स्वास्थ्य, जल आपूर्ति और अन्य बुनियादी सुविधाओं का व्यापक विकास हुआ। हिमाचल प्रदेश ने सीमित संसाधनों के बावजूद सामाजिक विकास के कई मानकों पर देश के अन्य राज्यों से बेहतर प्रदर्शन किया। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार की आर्थिक सहायता में कमी आने से

> 15 अप्रैल 1948 को हिमाचल प्रदेश का गठन हुआ था। उस समय कई बुद्धिजीवियों तथा सामाजिक, राजनीतिक चिंतकों को यह संदेह था कि यह पहाड़ी प्रदेश सीमित संसाधनों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच अपने विकास की कहानी किस प्रकार लिख पाएगा। पहाड़ों से घिरा हुआ यह प्रदेश न तो बड़े उद्योगों के लिए अनुकूल था और न ही यहां परिवहन और संचार की सुविधाएं विकसित थीं। लेकिन धीरे-धीरे हिमाचल प्रदेश ने अपनी मेहनत, ईमानदारी और दूरदर्शी नीतियों के माध्यम से विकास के नए आयाम स्थापित किए।

राज्य की आर्थिक स्थिति पर दबाव बढ़ा है। इसका प्रभाव विकास कार्यों और वित्तीय संतुलन पर भी देखने को मिल रहा है। इसके अतिरिक्त हिमाचल प्रदेश को प्राकृतिक आपदाओं का भी लगातार सामना करना पड़ा है। वर्ष 2023 में आई भयंकर प्राकृतिक आपदा ने राज्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया था। भारी वर्षा, भूस्खलन और बाढ़ जैसी घटनाओं ने प्रदेश की सडक़ों, पुलों, घरों और अन्य बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। इस आपदा ने न केवल आर्थिक संसाधनों को प्रभावित किया, बल्कि हजारों लोगों के जीवन को भी संकट में डाल दिया। इसके बाद जैसे-तैसे प्रदेश ने स्वयं को संभालना शुरू किया ही था कि वर्ष 2025 में भी प्राकृतिक आपदाओं ने राज्य को पुनः प्रभावित किया। इन आपदाओं ने प्रदेश की आर्थिक स्थिति को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया। ऐसे समय में राज्य सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी कि वह सीमित संसाधनों के बावजूद प्रदेश के लोगों के कल्याण और विकास कार्यों को जारी रखे। वर्तमान मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इन कठिन परिस्थितियों में भी जनहित को सर्वोपरि रखने का प्रयास किया है। वर्ष 2023 में हिमाचल प्रदेश में आई भीषण प्राकृतिक आपदा के पश्चात राज्य सरकार ने पूरी तरह से नष्ट हुए मकानों के पुनर्निर्माण के लिए प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। सरकार ने विशेष राहत पैकेज के अंतर्गत घरों के पुनर्निर्माण के लिए दी जाने वाली सहायता राशि को पहले की 1.30 लाख रुपए से बढ़ाकर 7 लाख रुपए प्रति घर कर दिया। इसके साथ ही, आपदा से प्रभावित परिवारों को अस्थायी आवास की सुविधा हेतु किराया सहायता के रूप में 8.97 करोड़ रुपए से अधिक की राशि भी प्रदान की गई। आर्थिक चुनौतियों के बावजूद सरकार ने सामाजिक कल्याण योजनाओं को बंद नहीं किया। अनाथ, बेसहारा, विधवाओं और समाज के कमजोर वर्गों को मिलने वाली आर्थिक सहायता को नियमित रूप से जारी रखा गया। शिक्षा, स्वास्थ्य, जल आपूर्ति और सडक़ निर्माण जैसे बुनियादी क्षेत्रों में भी सरकार ने विकास कार्यों को जारी रखा है। आर्थिक अनुशासन को बनाए रखने के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम भी उठाए हैं। मंत्रियों और वीआईपी वर्ग की कई लग्जरी सुविधाओं को सीमित किया गया है। सरकारी संसाधनों के उपयोग में पारदर्शिता और मितव्ययिता को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है। हालांकि किसी भी राज्य की आर्थिक मजबूती केवल सरकार के प्रयासों से संभव नहीं होती। इसके लिए आम जनता का सहयोग भी उतना ही आवश्यक होता है। हिमाचल प्रदेश के नागरिक अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए सरकार के साथ मिलकर इस आर्थिक संकट से उबरने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यदि कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से सक्षम है तो उसे सरकार की सब्सिडी योजनाओं का लाभ लेने से परहेज करना चाहिए। इससे उन योजनाओं का लाभ वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंच सकेगा। इसी प्रकार सरकारी कर्मचारियों को भी अपने कार्यालयों में संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करना चाहिए। बिजली, कागज और अन्य संसाधनों की बचत करके भी राज्य की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में योगदान दिया जा सकता है।

आप का नज़रिया

तीसरे मोर्चे की तलाश

यह पहली कोशिश नहीं, बल्कि ऐसी तलाश है जो अधजल गगरी में समुद्र पाना चाहती है। दो प्रमुख पार्टियों के सामने 'तीसरा' बनने की कोशिश का एक प्रदर्शन कुल्लू में हुआ। कम से कम इस बार तीसरे कोण में बड़े नेताओं की दुनिया तो दिखाई दी। हैरानी यह कि खुद को आगामी सत्ता की प्रबल दावेदार मान रही भाजपा के कई नेता तीसरे मोर्चे की परेड में शरीक हुए। ये अपनी महत्त्वाकांक्षा के प्रतीक बने या बेआबरू होकर वहां पहुंचे। बेशक कुछ कांग्रेसी नेता भी अपनी सत्ता की शिकायत तीसरे मोर्चे की प्रस्तावना से कर आए हैं, लेकिन मात्रात्मक दृष्टि से भाजपा का रिसाव तीव्र है। राजनीतिक नाराजगी का गठजोड़ पहले भी तीसरे मोर्चे की मिट्टी खोदता रहा है, लेकिन स्थायी रूप से कुछ हुआ नहीं। कुछ सिक्के चले भी तो क्षेत्रीय प्रभाव तक ही सिमट गए। उदाहरण के लिए पंडित सुखराम के आभामंडल से उभरी हिमाचल विकास कांग्रेस की रथयात्रा ने चुनाव में पांच का पहाड़ा पढ़ा, लेकिन धूमल की सत्ता में सिमटना पड़ा या बिखरना पड़ा। इस मामले में मेजर विजय सिंह मनकोटिया का राजनीतिक वृतचित्र कई दलों के समागम करवा कर भी एक असफल कहानी सरीखा है। वह कभी शांता कुमार की गठबंधन सरकार में विस्फोटक बने, तो कभी बसपा के अवतार में कुछ न कर सके, लेकिन दोनों बार उनके पक्ष में हुआ मतदान बताता है कि अगर तीसरा मोर्चा अपने संगठित प्रयास में दस से पंद्रह प्रतिशत मतदान भी बटोर ले, तो प्रमुख पार्टियों की लंका जल जाएगी। तीसरे मोर्चे की कहावत में हिमाचल का राजनीतिक यथार्थ छुपा है। यह बड़े नेताओं के व्यवहार, आलाकमान की पसंद, जातिवादी सोच और सत्ता के दुरुपयोग की कहानी है। दरअसल हिमाचल के सत्तारूढ़ दलों का आचरण अहंकारी होता जा रहा है। अब सरकारों में मित्र मंडलियां ढूंढी जा रही हैं या पार्टियों के भीतर विभाजक रेखाएं उभर रही हैं। सरकारों की बनावट से सत्तारूढ़ पार्टियों में सबसे अधिक असंतुलन पनपा है, क्योंकि वरिष्ठता के मानदंड खत्म हो गए। सत्ता के लाभकारी पदों का बंटवारा इस हिसाब से होने लगा है कि हम हर पार्टी से कमजोर सरकार चाहते हैं। यही वजह रही कि दशकों से बजट उंडेल कर भी सरकारें रिपीट नहीं हुईं। जो नेता कुल्लू में जमा हुए, वे या तो अपनी-अपनी पार्टियों के आलाकमान से खफा है या राज्य में कुंडली मार कर बैठे जत्थेदारों से परेशान हैं। बहरहाल तीसरे मोर्चे की ख्वाहिश से राजनीतिक शुद्धिकरण का अवसर झलकता है, वरना अदली-बदली की सरकारों ने सुशासन का ऐसा मॉडल बना दिया, जहां राज्य के पास भविष्य सिमट कर रह गया है। यह इसलिए भी कि राजनीति में विचारधारा नहीं, जातियों के संगम हैं और जीतने-हारने के बीच सिर्फ पैसे का बोलबाला होने लगा है। ऐसे अनेक उदाहरण सामने आने लगे हैं, जहां नेताओं की व्यक्तिगत शैली अब हर वोट की कीमत तौलती है। यही वजह है कि पिछले कुछ सालों में कुछ धन्नासेठों ने हिमाचल लौटकर, चुनाव लूट लिए। इस दौरान एनजीओ राजनीति ने भी कमाल किया। अच्छी बात यह कि अब छवियों के मुकाबले होने लगे हैं, इसलिए केंद्र तक पहुंचे बड़े नेता भी हिमाचल में ठिगने होने लगे हैं। जागीरें टूटने लगी हैं, परिवारवाद कमजोर पड़ रहे हैं। ऐसे में तीसरा मोर्चे को अगर वैकल्पिक राजनीति बनानी है, तो प्रदेश के हित और सुशासन का मॉडल सामने लाना होगा। चुनाव के मुद्दे, चुनाव की मंत्रणा और फैक्टर्स बदलने पड़ेंगे। अभी तक की बैठक से यही पता चलता है कि कुछ वरिष्ठ नेता खुद को प्रासंगिक ठहराने, कहने और दिखाने के लिए मंच चाहते हैं। मंच बनाने से कुछ नहीं होगा, इस आग को दिखाने के लिए कोई तो जमीनी संघर्ष चाहिए। क्या आर्थिक, सामाजिक, भाषायी, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जरूरतों से निकल कर ये नेता कुछ ठोस बता पाएंगे या चुनावी जिन्न को तीसरे मोर्चे का नाम देते रहेंगे।

> दो प्रमुख पार्टियों के सामने 'तीसरा' बनने की कोशिश का एक प्रदर्शन कुल्लू में हुआ। कम से कम इस बार तीसरे कोण में बड़े नेताओं की दुनिया तो दिखाई दी। हैरानी यह कि खुद को आगामी सत्ता की प्रबल दावेदार मान रही भाजपा के कई नेता तीसरे मोर्चे की परेड में शरीक हुए। ये अपनी महत्त्वाकांक्षा के प्रतीक बने या बेआबरू होकर वहां पहुंचे। बेशक कुछ कांग्रेसी नेता भी अपनी सत्ता की शिकायत तीसरे मोर्चे की प्रस्तावना से कर आए हैं, लेकिन मात्रात्मक दृष्टि से भाजपा का रिसाव तीव्र है। राजनीतिक नाराजगी का गठजोड़ पहले भी तीसरे मोर्चे की मिट्टी खोदता रहा है, लेकिन स्थायी रूप से कुछ हुआ नहीं। कुछ सिक्के चले भी तो क्षेत्रीय प्रभाव तक ही सिमट गए। उदाहरण के लिए पंडित सुखराम के आभामंडल से उभरी हिमाचल विकास कांग्रेस की रथयात्रा ने चुनाव में पांच का पहाड़ा पढ़ा, लेकिन धूमल की सत्ता में सिमटना पड़ा या बिखरना पड़ा। इस मामले में मेजर विजय सिंह मनकोटिया का राजनीतिक वृतचित्र कई दलों के समागम करवा कर भी एक असफल कहानी सरीखा है। वह कभी शांता कुमार की गठबंधन सरकार में विस्फोटक बने, तो कभी बसपा के अवतार में कुछ न कर सके, लेकिन दोनों बार उनके पक्ष में हुआ मतदान बताता है कि अगर तीसरा मोर्चा अपने संगठित प्रयास में दस से पंद्रह प्रतिशत मतदान भी बटोर ले, तो प्रमुख पार्टियों की लंका जल जाएगी। तीसरे मोर्चे की कहावत में हिमाचल का राजनीतिक यथार्थ छुपा है। यह बड़े नेताओं के व्यवहार, आलाकमान की पसंद, जातिवादी सोच और सत्ता के दुरुपयोग की कहानी है।

दृष्टि कोण

पश्चिमी एशिया में लड़ाई का बढ़ता दायरा

ईरान की लड़ाई का दायरा धीरे-धीरे फैलता जा रहा है और यह भी आशंका व्यक्त की जा रही है कि कहीं यह विश्व युद्ध का रूप न धारण कर ले। पहले दो युद्ध मोटे तौर पर यूरोप के युद्ध थे, यद्यपि उसमें एशिया का जापान और किसी सीमा तक चीन भी शामिल था। भारत की सेना उसमें इसलिए भाग ले रही थी क्योंकि यहां कब्जा इंग्लैंड का था। लेकिन यह युद्ध लड़ा एशिया में जा रहा है। इसमें अमेरिका, कहा जा रहा है इजराइल की सहायता के लिए कूदा है। जब से एशिया में से यूरोपीय देशों का कब्जा हटा है, तब से उसका स्थान अमेरिका ने संभाल लिया है। अमेरिका और यूरोप के तौर-तरीके में एक फर्क है। यूरोप के लोग सीधे सीधे एशिया के देश पर कब्जा कर वहां की सत्ता संभाल लेते थे और उस देश का आर्थिक व सांस्कृतिक शोषण करते थे। लेकिन अमेरिका का तौर तरीका थोड़ा अलग है। वह किसी देश की सत्ता पर सीधा कब्जा नहीं करता, लेकिन उस देश में अपनी समर्थक और परोक्ष रूप से नियंत्रित सरकार स्थापित कर देता है। यदि वह सरकार नियंत्रण से बाहर हो जाए तो उसे किसी न किसी तरीके से गिरा कर नई सरकार स्थापित कर देता है। पाकिस्तान में वह लंबे समय से यही करता आया है। पिछले प्रधानमंत्री इमरान खान ने तो बार-बार कहा था कि अमेरिका उसकी सरकार को गिरा रहा है। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया था कि अमेरिका का हाथ उसकी सरकार को हटाने में था। अभी हटा सत्ताधीश युनूस बाबू तो अमेरिका का ही भेजा हुआ था। पिछले लम्बे अरसे से अमेरिका ईरान सरकार को हटा कर वहां अपनी समर्थक सरकार बनाना चाहता था। लेकिन उसमें सफल नहीं हो रहा था। इजराइल के युद्ध का लाभ उठा कर उसने ईरान में भी तख्ता पलट का अवसर देखा और उसमें कूद पड़ा है। वैसे यह भी कहा जा रहा है कि इजराइल ने उसे फंसा लिया है। लेकिन लगता यह भी है कि अमेरिका ने मौका देख ईरान में भी अपना आदमी बिठा देने का काम निपटा लेना चाहा

हो। अमेरिका में ट्रम्प के समय में केवल इतना परिवर्तन हुआ है कि पहले वह यह काम पर्दे के पीछे रह कर करता था, अब वह सामने आकर और खुले में करता ही नहीं, बल्कि कहता भी है कि उसे जो व्यक्ति स्वीकार्य होगा, वही ईरान की सत्ता सम्भाल सकता है। अलबत्ता अमेरिका को किसी देश का कोई शासक पसन्द न हो तो वह उसे मारने या अपहरण कर लेने के अपने अधिकार और उसके क्रियान्वयन की घोषणा भी करता है। इसका ताजा उदाहरण ईरान में अमेरिकी आक्रमण ही है। लेकिन लगता है लड़ाई का यह स्क्रिप्ट उस प्रकार से अभिनीत नहीं हो रहा जिस प्रकार अमेरिका ने इसे लिख रखा था। सबसे पहली गड़बड़ तो यह हो गई कि जिस सत्ता को वह ईरान से उखाडऩा चाहता था, उसका प्रशासनिक ढांचा कितना गहरा था, शायद अमेरिका को उसका अंदाजा नहीं था। उसने सोचा था खामेनेई को मारने से वहां शून्य व्याप्त हो जाएगा, लेकिन वहां ऐसा नहीं हुआ। अमेरिका की इच्छा या आशा थी कि यूरोप इसमें अमेरिका के पक्ष में आ जाएगा। लेकिन उसकी यह आशा पूरी नहीं हुई। वहां आंतरिक झगड़े ज्यादा प्रबल दिखाई दे रहे हैं। सबसे बड़ी बात, ईरान ने बड़ी ही सधी हुई रणनीति से, अमेरिका समर्थक अरब देशों पर भी एक साथ हमला कर दिया। उसने एक तीर से कई निशाने साध लिए हैं। अरब देशों को संदेश दे दिया कि अमेरिका तुम्हारी रक्षा नहीं कर सकता। यदि शान्ति से रहना चाहते हो तो ईरान का सुरक्षा कवच स्वीकार कर लो। अब इस्लाम पंथ का नाम जपने वाले देश शिया पंथ वाले ईरान का वर्चस्व स्वीकार कर लें।

वर्ष 2011 में स्थापित एक प्रमुख एलुमनाई प्लेटफॉर्म ने आज अपनी नई पहचान हूपस्टर के रूप में रीब्रांडिंग की घोषणा की है। यह बदलाव केवल नाम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्लेटफॉर्म के एक साधारण एलुमनाई मैनेजमेंट टूल से एक व्यापक इकोसिस्टम के रूप में विकसित होने को दर्शाता है।

ईरान में तनाव के बीच होर्मुज पार कर मुंबई पहुंचा तेल टैंकर, भारतीय कैप्टन के हाथ कमान

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच एक लाइबेरियाई ध्वज वाला कच्चे तेल का टैंकर, जिसकी कमान एक भारतीय कप्तान के हाथ में थी, रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर सुरक्षित रूप से मुंबई बंदरगाह पहुंच गया। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार यह टैंकर सऊदी अरब के रास तनुरा बंदरगाह से कच्चा तेल लेकर आया था।

कैसे भारत पहुंचा यह टैंकर - मैरिटाइम ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, इस टैंकर ने 1 मार्च को सऊदी अरब के रास तनुरा पोर्ट से कच्चा तेल लोड किया था और 3 मार्च को वहां से रवाना हुआ। 8 मार्च को जहाज को होर्मुज जलडमरूमध्य में ट्रैक किया गया, जिसके बाद यह कुछ समय के लिए ट्रैकिंग सिस्टम से गायब हो गया था। रिपोर्ट के मुताबिक जहाज ने जोखिम भरे समुद्री क्षेत्र से गुजरते समय अपना आटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम ट्रांसपोंडर बंद कर दिया था। यह प्रणाली जहाज की पहचान, स्थिति, गति और दिशा की जानकारी प्रसारित करती है, जिससे समुद्री यातायात को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है।

जहाज में कितना तेल है मौजूद - टैंकर बुधवार दोपहर करीब 1 बजे मुंबई पोर्ट पहुंचा और शाम 6:06 बजे जवाहर द्वीप टर्मिनल पर बर्थ किया गया। जहाज में लगभग 1,35,335 मीट्रिक टन सऊदी कच्चा तेल है, जिसे पूर्वी मुंबई के माहुल स्थित रिफाइनरियों को आपूर्ति किया जाएगा। तेल उतारने की प्रक्रिया करीब 36 घंटे तक चलने की संभावना है। टैंकर पर कुल 29 चालक दल के सदस्य हैं, जिनमें भारतीय, पाकिस्तानी और फिलीपीनी नागरिक शामिल हैं। ईरान की अनुमति के बाद जलडमरूमध्य से गुजरा टैंकर अधिकारियों के अनुसार टैंकर ने सफलतापूर्वक होर्मुज जलडमरूमध्य को पार किया, जो फारस की खाड़ी को वैश्विक बाजारों से जोड़ने वाला बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। हाल के सैन्य घटनाक्रमों के बाद इस क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही पर सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं, ऐसे में टैंकर का सुरक्षित गुजरना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जहाजों पर ईरान की सख्त निगरानी ईरान ने हाल के दिनों में इस रणनीतिक समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर निगरानी और प्रतिबंध कड़े कर दिए हैं। ईरानी अधिकारियों के अनुसार अब जहाजों को जलडमरूमध्य से गुजरने से पहले तेहरान से अनुमति लेना आवश्यक है।

न्यूज ब्रीफ

मर्सिडीज-बेंज पर दक्षिण कोरिया में ठोका तगडा जुर्माना

नई दिल्ली। लग्जरी कार निर्माता मर्सिडीज-बेंज कंपनी पर दक्षिण कोरिया में तगडा जुर्माना ठोका है। कंपनी पर देश के प्रतिस्पर्धा नियामक कोरिया फेयर ट्रेड कमिशन (केएफटीसी) ने लगभग 7.6 मिलियन डालर का जुर्माना लगाया है। जांच में पाया गया कि कंपनी ने अपनी कुछ इलेक्ट्रिक कारों में इस्तेमाल की गई बैटरी के सप्लायर को लेकर ग्राहकों को सही जानकारी नहीं दी थी। इस बारे में कंपनी ने कहा है कि वह नियामक के फैसले का सम्मान करती है, लेकिन उसके निष्कर्षों से सहमत नहीं है और इसे कानूनी तौर पर चुनौती देने पर विचार कर रही है। जांच के मुताबिक मर्सिडीज-बेंज कोरिया ने अपनी कुछ इलेक्ट्रिक गाड़ियों में यह दावा किया था कि उनमें बैटरी दुनिया की प्रमुख ईवी बैटरी निर्माता सीएटीएल की लगी है। हालांकि बाद में पता चला कि कई कारों में बैटरी सेल फ्रांसिस इनर्जी के इस्तेमाल किए गए थे, जो अपेक्षाकृत कम जानी-पहचानी कंपनी है। इस मामले में कंपनी की प्रीमियम इलेक्ट्रिक सेडान मर्सडीज-बेंज ईक्यूई और मर्सिडीज-बेंज इक्यूएस जैसे माडल शामिल बताए गए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि कंपनी ने अपने डीलर्स को दिए गए इंटरनल सेल्स दस्तावेजों में केवल सीएटीएल बैटरी की खूबियों का जिक्र किया था, जबकि फारासिस बैटरी का कोई उल्लेख नहीं किया गया। इसके कारण कई डीलर्स भी ग्राहकों को यही बताते रहे कि कारों में सीएटीएल बैटरी लगी है। यह मामला अगस्त 2024 में तब सामने आया जब दक्षिण कोरिया के इंचियोन शहर में एक पार्क की गई ईक्यूई इलेक्ट्रिक कार में बैटरी में आग लग गई।

कई कंपनियां नए डीजल माडल बाजार में उतारने की तैयारी में

नई दिल्ली। हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक कारों के तेजी से विस्तार के बावजूद भारत में डीजल एसयूवी की

लोकप्रियता अब भी बरकरार है। इसी मांग को देखते हुए कई प्रमुख कंपनियां आने वाले समय में अपने नए डीजल माडल बाजार में उतारने की तैयारी कर रही हैं। इनमें महिंद्रा एंड महिंद्रा, टोयोटा, हुंडई, स्कोडा और एमजी मोटरजैसी कंपनियां शामिल हैं। आने वाले समय में सबसे ज्यादा चर्चा महिंद्रा स्कारपियो-एन फेसलिफ्ट की हो रही है। इसमें 10.25 इंच का बड़ा इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और पैनोरमिक सनरूफ जैसे प्रीमियम फीचर्स मिलने की उम्मीद है, जबकि इसका 2.2 लीटर एमहाक डीजल इंजन पहले की तरह दमदार परफार्मेंस देगा। इसके अलावा महिंद्रा स्कारपियो क्लासिक्ष का फेसलिफ्ट वर्जन भी अपडेटेड डिजाइन और 2.2 लीटर डीजल इंजन के साथ बाजार में आ सकता है। इसी तरह टायोटा हाइलक्स के नए माडल में 48 वोल्ट माइल्ड-हाइब्रिड तकनीक के साथ 2.8 लीटर डीजल इंजन मिलने की संभावना है, जो 204 पीएस की पावर और 500 एनएम टार्क देगा। वहीं नई टोयोटा फार्च्यूनर नए डिजाइन और माइल्ड-हाइब्रिड डीजल इंजन के साथ पेश की जा सकती है। इसके अलावा अगली पीढ़ी की हुंडई क्रेटा को 2027 में नए के3 प्लेटफार्म पर लाने की योजना है, जिसमें मौजूदा 1.5 लीटर डीजल इंजन के साथ हाइब्रिड विकल्प भी मिल सकता है। वहीं एमजी मजेस्टार भी 2.0 लीटर टिवन-टर्बो डीजल इंजन के साथ लान्च हो सकती है, जो करीब 215 पीएस की पावर और 478 एनएम टार्क देने में सक्षम होगा।

ईरान और इजरायल के बीच जारी युद्ध से संकट में टॉय इंडस्ट्री....कच्चे माल की कमी और उत्पादन लागत बढ़ी

नोएडा, 13 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान और इजरायल के बीच जारी युद्ध का असर हजारों किलोमीटर दूर भारतीय खिलौना बाजार और मैन्युफैक्चरिंग हब तक पहुंच गया है। वैश्विक अस्थिरता और खाड़ी देशों में बढ़ते तनाव के कारण भारतीय टाय इंडस्ट्री की सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई है। इसका नतीजा यह है कि कच्चे माल की कमी, उत्पादन लागत में बढ़ोतरी और निर्यात आर्डर रद्द होने से कारोबार संकट में आ गया।

प्लास्टिक और पेट्रोकेमिकल उद्योग पर पड़े असर के कारण खिलौना निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की भारी कमी हुई है। इसके साथ ही पैकिंग सामग्री जैसे डिब्बे और फिल्में भी डेढ़ गुना तक महंगी हुई हैं। इससे उत्पादन लागत तेजी से बढ़ गई है और कई यूनिट्स को काम रोकने की नौबत आ गई है।

खिलौना कारोबार से जुड़े एक शख्स ने बताया कि बीते कुछ वर्षों में वैश्विक बाजार में भारतीय खिलौनों की पकड़ मजबूत हुई थी, लेकिन मौजूदा युद्ध ने उद्योग को गहरे संकट में डाल दिया है। उनके मुताबिक करीब 60 से 70 प्रतिशत छोटी और मध्यम टाय यूनिट्स बंद होने की कगार पर हैं। खिलौना व्यापारी के अनुसार युद्ध के कारण समुद्री मार्गों में व्यवधान आने से लाजिस्टिक्स पर भारी असर पड़ा है। खाड़ी देशों में सप्लाई रुकने से सैकड़ों कंटेनर या बंदरगाहों पर खड़े हैं या समुद्र में ही अटके हुए हैं। इससे निर्यात पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

टाय एसोसिएशन आफ इंडिया से जुड़े एक शख्स ने बताया कि दुबई और सऊदी अरब भारतीय खिलौनों के सबसे बड़े बाजार हैं। आमतौर पर रोजाना करीब 50 कंटेनर खाड़ी देश जाते थे और एक कंटेनर की औसत कीमत करीब 20 लाख रुपये होती है। इस हिसाब से व्यापारियों को केवल निर्यात के मोर्चे पर ही रोजाना 10 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो रहा है। इतना ही नहीं उत्पादन लागत बढ़ने का सीधा असर बाजार पर भी पड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार खिलौनों की कीमतें 40 से 50 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं, जिससे मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए बच्चों के पसंदीदा खिलौने खरीदना मुश्किल हो गया है। टाय इंडस्ट्री से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि मोदी सरकार को इस संकट के समय निर्यातकों के लिए विशेष राहत पैकेज और लाजिस्टिक्स सहायता प्रदान करनी चाहिए।

कस्टमर डे 2026 : एयरटेल ने ग्राहकों की समस्याओं को जानने के लिए झोंकी पूरी ताकत

नई दिल्ली। देश की दिग्गज टेलीकाम कंपनी भारती एयरटेल ने कस्टमर डे 2026 मनाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य संगठन के भीतर ग्राहक सेवा की संस्कृति को और मजबूत करना और जमीनी स्तर पर उनकी समस्याओं का समाधान करना रहा। इस विशेष पहल के तहत एयरटेल के लगभग 20 हजार कर्मचारियों ने अपने वातानुकूलित कार्यालयों से बाहर निकलकर सीधे फील्ड में जाकर मोर्चा संभाला। इन कर्मचारियों में कंपनी की लीडरशिप टीम से लेकर विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ शामिल थे, जिन्होंने फ्रंटलाइन टीमों और फील्ड इंजीनियरों के साथ मिलकर काम किया। अभियान के दौरान अधिकारियों ने ग्राहकों के घरों और दुकानों का दौरा किया और रिटेल व सर्विस सेंटरों पर जाकर सीधे उपभोक्ताओं से फीडबैक लिया। इस पहल का मूल उद्देश्य ग्राहकों की समस्याओं को बिना किसी फिल्टर के सीधे समझना है, ताकि सेवाओं में क्रांतिकारी सुधार किया जा सके। एयरटेल इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ शाश्वत शर्मा ने इस अवसर पर कहा, कस्टमर डे हमें याद दिलाता है कि ग्राहकों की बात ध्यान से सुनना और खुद को लगातार बेहतर बनाना ही हमारी असली जिम्मेदारी है। यह अभियान सेवाओं को सरल बनाने और प्रतिदिन करोड़ों ग्राहकों को दी जाने वाली सुविधाओं के स्तर को ऊंचा उठाने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। गौरतलब है कि एयरटेल की कस्टमर फर्स्ट नीति के कारण ही हाल के वर्षों में स्पैम और धोखाधड़ी से सुरक्षा जैसे कई नवाचार संभव हुए हैं। कंपनी अब एआई सक्षम उपकरणों और डिजिटल प्रक्रियाओं को और सरल बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। एयरटेल के अनुसार, ग्राहकों के अनुभव में सुधार कोई एक दिन की घटना नहीं, बल्कि एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। कंपनी का लक्ष्य एक ऐसी कार्य संस्कृति विकसित करना है जहाँ कस्टमर आब्सेशन सिर्फ एक नारा न रहकर हर निर्णय का आधार बने।

वीवो टी5एक्स 5जी लान्च करने की तैयारी में

मुंबई, 13 मार्च (एजेंसियां)।

चाइनीज कंपनी वीवो अपना नया 5जी स्मार्टफोन वीवो टी5एक्स 5जी लान्च करने की तैयारी में है। यह स्मार्टफोन 17 मार्च को दोपहर 12 बजे भारत में लान्च किया जाएगा। यह डिवाइस पिछले साल लान्च हुए वीवो टी4एक्स 5जी अपग्रेडेड वर्जन माना जा रहा है। लान्च के बाद यह फोन आनलाइन शापिंग प्लेटफार्म कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट और आफलाइन रिटेल स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी कीमत मिड-रेंज सेगमेंट में रखी जा सकती है और यह करीब 23 हजार रुपये से कम में उपलब्ध हो सकता है। इस स्मार्टफोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी 7200 एमएएच की बड़ी बैटरी बताई जा रही है। कंपनी का दावा है कि यह बैटरी अपने सेगमेंट की सबसे बड़ी बैटरियों में से एक हो सकती है, जिससे यूजर्स को लंबे समय तक फोन इस्तेमाल करने में सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही इसमें 44वाट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट मिलने की संभावना है, जिससे बड़ी बैटरी को भी कम समय में चार्ज किया जा सकेगा। परफार्मेंस के लिहाज से फोन में मीडियाटेक डायमेंसिटी 7400 टर्बो प्रोसेसर दिए जाने की उम्मीद है। कंपनी का दावा है कि इस चिपसेट के साथ फोन ने अनतूतू बेंचमार्क पर 10 लाख से अधिक स्कोर हासिल किया है, जिससे इसकी तेज परफार्मेंस का अंदाजा लगाया जा सकता है। फोन में 8जीबी रैम और 128जीबी या उससे ज्यादा स्टोरेज का विकल्प मिल सकता है। सुरक्षा के लिहाज से फोन में आईपी68 और आईपी69 रेटिंग भी मिल सकती है, जिससे यह पानी और धूल से सुरक्षित रहेगा। साथ ही इसमें एंड्राएड 16 पर आधारित नया आपरेटिंग सिस्टम भी देखने को मिल सकता है। इसके अलावा रिपोर्ट्स के अनुसार इस फोन में करीब 6.8 इंच का बड़ा डिस्प्ले मिलेगा, जिसमें 120एचझेड रिफ्रेश रेट होगा। कैमरे की बात करें तो इसमें 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा और 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मिलने की संभावना है।

खुदरा महंगाई दर फरवरी में 3.21 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक संकट और वैश्विक व्यापारिक अनिश्चितताओं के बीच भारत के लिए एक और चिंता वाली खबर है। फरवरी महीने में देश की खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.21प्रतिशत हो गई है। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में दर्ज की गई है जब ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच चल रहे विवाद ने वैश्विक तेल सप्लाई को लेकर खतरे की घंटी बजा दी है। जनवरी में खुदरा महंगाई दर यानी सीपीई 2.75प्रतिशत थी, जो फरवरी में बढ़कर 3.21प्रतिशत हो गई है। यह बढ़ोतरी शहरों के मुकाबले गांवों में प्रतिशत यादा महसूस की जा रही है। फरवरी में ग्रामीण महंगाई दर 3.37प्रतिशत और शहरी महंगाई दर 3.02प्रतिशत दर्ज की गई। राहत की बात सिर्फ इतनी है कि यह आंकड़ा अभी भी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4प्रतिशत के लक्ष्य से नीचे है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार देश में महंगाई बढ़ने का सबसे बड़ा कारण खाने-पीने की चीजें हैं। फरवरी में खाद्य महंगाई दर तेजी से उछलकर 3.47प्रतिशत हो गई है, जो जनवरी में 2.13प्रतिशत थी। आम आदमी के लिए रहना और खाना लगातार महंगा होता जा रहा है। हाउसिंग की बात करें तो महंगाई 2.05प्रतिशत से बढ़कर 2.12प्रतिशत हो गई है। ईंधन और लाइट कैटेगरी में महंगाई दर 0.14प्रतिशत रही। स्वास्थ्य सेवाओं की महंगाई 2.19प्रतिशत से गिरकर 1.90प्रतिशत पर आ गई है। वहीं कपड़े और जूतों की महंगाई दर भी जनवरी के 2.98प्रतिशत से घटकर 2.81प्रतिशत रह गई है।

सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना 1,020 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,62,210 रुपये से लेकर 1,62,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,48,690 रुपये से लेकर 1,48,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,62,360 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,62,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,62,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,62,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,48,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,62,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,62,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,48,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,62,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नहीं टूटेगा...

5.सड़क निर्माण: नदी के दोनों किनारों पर सड़कों का विकास।

6.जल निकासी प्रणाली: ट्रंक सीवर लाइनों और स्टॉर्म वॉटर ड्रेन का निर्माण।

7.जल संरक्षण संरचनाएं: वीयर और बैराज का निर्माण करना ताकि पानी का भंडारण हो सके।

बाढ़ का खतरा और सुरक्षात्मक डिजाइन

सरकार द्वारा जारी मानचित्रों के अनुसार, हिमायत सागर की ओर से राजेंद्रनगर, किस्मतपुर, बुडवेल, सन सिटी और उप्पलपल्ली जैसे क्षेत्रों में भारी बाढ़ का खतरा है। वहीं, मूसी नदी की ओर से गंडिपेट, कोकापेट, मंचिरेवुला और बैरागीगुडा जैसे इलाके प्रभावित हो सकते हैं।मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एमआरडीसीएल) के एमडी ई.वी. नरसिम्हा रेड्डी ने बताया कि हिमायत सागर से गांधी सरोवर खंड: प्रस्तावित डिजाइन 1.53 लाख क्यूसेक पानी के बहाव को संभालने में सक्षम है (तुलना के लिए, 2025 में अधिकतम बहाव केवल 30,000 क्यूसेक था)। ओस्मान सागर खंड: यह मॉडल 26,300 क्यूसेक पानी के प्रवाह को झेल सकता है। इस हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग के लिए अमेरिकी सेना के 'कोर्प्स ऑफ इंजीनियर्स' द्वारा विकसित एचईसी सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया है।

रिवरफ्रंट और बफर जोन का विकास

केंद्र के 'नेशनल रिवर कंजर्वेशन प्लान' के दिशानिर्देशों के तहत नदी के किनारे विभिन्न गतिविधियों की अनुमति दी गई है:

-रिवरफ्रंट जोन: यहां प्रोमेनेड, वॉकवे, साइकिलिंग ट्रैक, पार्क, और व्यूइंग डेक बनाए जाएंगे। साथ ही इंटरसेप्टर सीवर और स्टॉर्म वॉटर ड्रेन जैसी आवश्यक भूमिगत सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

-बफर जोन: शहर को नदी से जोड़ने के लिए यहां प्लाजा, एम्फीथिएटर, पहुंच मार्ग, पार्किंग और सार्वजनिक सुविधाएं विकसित की जा सकती हैं।

गोदावरी-मूसी लिंक: पेयजल और कायाकल्प

नरसिम्हा रेड्डी ने गोदावरी नदी लिंकेज परियोजना के बारे में भी जानकारी दी। क्वथडडड्ड द्वारा संचालित इस परियोजना से हैदराबाद की पेयजल आपूर्ति में सुधार होगा और मूसी के पुनरुद्धार को समर्थन मिलेगा।

इस प्रोजेक्ट से कुल 20 टीएमसी पानी की वृद्धि का अनुमान है।

इसमें से 17.5 टीएमसी पानी शहर की पेयजल आपूर्ति के लिए और 2.5 टीएमसी विशेष रूप से मूसी रिवरफ्रंट विकास के लिए आवंटित किया गया है।

जलग्रहण क्षेत्र का विवरण

मूसी की हाइड्रोलॉजी समझाते हुए अधिकारियों ने बताया कि ओस्मान सागर और हिमायत सागर का कुल जलग्रहण क्षेत्र 2,102 वर्ग किमी है। इसमें ओस्मान सागर का हिस्सा 740 वर्ग किमी और हिमायत सागर का 1,362 वर्ग किमी है। इसके अलावा, शहर के मुख्य शहरी क्षेत्र से निकलने वाले नालों और जल निकासी प्रणालियों से 890 वर्ग किमी का अतिरिक्त क्षेत्र जुड़ता है।

तेलंगाना सरकार द्वारा शुक्रवार को मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना पर दी गई एक विस्तृत प्रस्तुति में यह दर्शाया गया कि कैसे वैश्विक शहरों में रिवरफ्रंट परियोजनाओं ने नदियों को फलते-फूलते आर्थिक और पर्यटन केंद्रों में बदल दिया है। इसी विजन के साथ हैदराबाद में मूसी रिवरफ्रंट के विकास की रूपरेखा तैयार की गई है। इस प्रस्तुति में सियोल, लंदन, टोक्यो, सिंगापुर और पेरिस के साथ-साथ गुजरात के साबरमती रिवरफ्रंट प्रोजेक्ट को मॉडल के रूप में प्रदर्शित किया गया।

वैश्विक सफलताओं से प्रेरणा: सियोल से पेरिस तक का सफर

प्रस्तुति के अनुसार, मूसी रिवरफ्रंट परियोजना को चरणों में विकसित किया जाएगा, जिसमें पहले चरण में 21 किलोमीटर का हिस्सा कवर होगा और पूर्ण विजन नदी के किनारे 55 किलोमीटर तक फैला होगा। वैश्विक उदाहरणों का हवाला देते हुए बताया गया कि सियोल में चेओंगग्येचोन स्ट्रीम बहाली के बाद वहां प्रतिदिन 50,000 से अधिक आगंतुक आते हैं और वहां 9 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश आकर्षित हुआ है। इसी तरह, लंदन में टेम्स नदी का किनारा 1 लाख से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था में 2.98 बिलियन डॉलर का योगदान देता है।

टोक्यो की सुमिदा नदी के किनारे सालाना 30 करोड़ से अधिक पर्यटक आते हैं, जहाँ 67.14 बिलियन डॉलर का निवेश अनुमानित है। वहीं सिंगापुर रिवरफ्रंट, महज 3.2 किमी लंबा होने के बावजूद, सालाना 23.9 बिलियन डॉलर का राजस्व उत्पन्न करता है। पेरिस की सीन नदी शहर की अर्थव्यवस्था का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा संभालती है और लगभग 74 लाख नौकरियों का आधार है।

साबरमती मॉडल और मूसी का भविष्य

इस प्रस्तुति में अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट (फेज-1) का भी विशेष उल्लेख किया गया, जो 11.5 किमी में फैला है और 85,000 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा कर चुका है। मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एमडी ई.वी. नरसिम्हा रेड्डी ने प्रस्तुति देते हुए कहा कि ये वैश्विक उदाहरण रिवरफ्रंट विकास की परिवर्तनकारी क्षमता को दर्शाते हैं।

आर्थिक और पारिस्थितिक क्षेत्र के रूप में विकास

एमडी ई.वी. नरसिम्हा रेड्डी ने रेखांकित किया कि राज्य सरकार का विजन मूसी नदी गलियारे को हैदराबाद के लिए एक जीवंत पारिस्थितिक , पर्यटन और आर्थिक क्षेत्र में परिवर्तित करना है। इस परियोजना के माध्यम से न केवल नदी का संरक्षण होगा, बल्कि यह शहर के लिए रोजगार और निवेश का एक नया द्वार भी खोलेगी।

गर्व से...

शर्मा के अनुसार, युद्ध से पहले जहां औसतन 55.7 लाख एलपीजी बुकिंग होती थीं, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 75.7 लाख तक पहुंच गई है, जिससे साफ है कि लोग डर के कारण अधिक बुकिंग कर रहे हैं।इसके बावजूद बिहार के कई जिलों में एलपीजी वितरण केंद्रों के बाहर लंबी कतारें देखी गईं, जबकि जिला प्रशासन लगातार यह दावा करता रहा कि घरेलू गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है।

मासिक धर्म...

याचिकाकर्ता के प्रतिवेदन पर विचार करना चाहिए और हितधारकों से परामर्श करने के बाद इस मुद्दे पर उचित निर्णय लेना चाहिये।

याचिका में यह मांग की गयी थी कि मासिक धर्म के दौरान महिलाओं को जिन स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है, केंद्र सरकार, राज्य और केंद्र शासित प्रदेश उनकी पहचान करें और कामकाजी महिलाओं व छात्राओं के लिए मासिक धर्म अवकाश सहित उपयुक्त राहत प्रदान करने के लिए कानून या नीतियां बनाने के निर्देश दें। याचिका में न्यायालय से मासिक धर्म स्वास्थ्य से संबंधित कार्यस्थल सुरक्षा और कल्याणकारी उपायों को प्रदान करने में कानूनी कमी को दूर करने का भी आग्रह किया गया था।

ट्रंप बोले–ईरान को फुटबॉल विश्व कप 2026 में नहीं आना चाहिए, खिलाड़ियों की सुरक्षा पर जताई चिंता

वॉशिंगटन, 13 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि ईरान की फुटबॉल टीम को आगामी फुटबॉल विश्व कप 2026 में हिस्सा नहीं लेना चाहिए, क्योंकि इससे खिलाड़ियों के 'जीवन और सुरक्षा' को खतरा हो सकता है।

ट्रंप की यह टिप्पणी उस बयान के दो दिन बाद आई है, जब उन्होंने विश्व फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो से कहा था कि ईरान की टीम का इस प्रतियोगिता में स्वागत किया जाएगा।

ट्रंप ने अपने सामाजिक मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का विश्व कप में स्वागत है, लेकिन उनका मानना है कि खिलाड़ियों की सुरक्षा को देखते हुए उनका वहां आना उचित नहीं होगा।

दरअसल 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा किए गए हमलों के बाद शुरू हुए युद्ध के कारण ईरान की इस वर्ष होने वाले पुरुष फुटबॉल विश्व कप में भागीदारी पर अनिश्चितता पैदा हो गई है। यह प्रतियोगिता कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित की जाएगी।

विश्व फुटबॉल महासंघ के प्रमुख जियानी इन्फैन्टिनो ने इस सप्ताह बताया कि व्हाइट हाउस में ट्रंप के साथ हुई बैठक के दौरान ईरान की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने दोहराया कि ईरान की टीम का अमेरिका में होने वाली इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए स्वागत है।

इन्फैन्टिनो ने पिछले दिसंबर में विश्व फुटबॉल महासंघ का शांति पुरस्कार शुरू किया था और इसका पहला सम्मान ट्रंप को दिया गया था। मध्य पूर्व में जारी युद्ध को लेकर फुटबॉल प्रशासन के प्रमुख की यह पहली सार्वजनिक टिप्पणी मानी जा रही है।

इसी सप्ताह ट्रंप ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई ईरान की महिला फुटबॉल खिलाड़ियों के मामले में भी प्रतिक्रिया दी और उन्हें शरण देने की अपील की। बताया गया कि एशिया कप के एक मुकाबले से पहले राष्ट्रीय गान नहीं गाने के कारण खिलाड़ियों को अपने देश लौटने पर कार्रवाई का डर था।

बाद में ऑस्ट्रेलिया सरकार ने वहां रुकने का फैसला करने वाली पांच खिलाड़ियों को शरण देने पर सहमति जता दी।

न्यूज ब्रीफ

धोनी का निचले क्रम पर उतरना सहित नहीं : पुजारा, ऊपर क्रम पर बदल सकते हैं मैच

चेन्नई । बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भले ही 44 साल के हो गये हैं पर इसके बाद भी उनके खेलने से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को लाभ ही होगा। पुजारा के अनुसार धोनी अगर 20 से 30 गेंदों का भी सामन करते हैं तो भी वह मैच बदल सकते हैं। गौरतलब है कि बढ़ती उम्र और फिटनेस की दिक्कतों के कारण धोनी पिछले कुछ समय से निचले क्रम पर ही उतर रहे हैं पर पुजारा का मानना है कि ये सही नहीं है। उनका कहना है कि धोनी का निचले क्रम पर खेलने का फैसला सही नहीं है। वह ऊपरी क्रम पर टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। पुजारा ने कहा, 'मुझे धोनी के नंबर 8 या 9 पर बल्लेबाजी करना सही नहीं दिखता क्योंकि आज भी उनकी बल्लेबाजी ऐसी है कि वह मैच का रुख मोड़ सकते हैं। निचले क्रम पर अगर वह सिर्फ 5 या 10 गेंद खेलकर ही प्रभावित कर सकते हैं तो 25 या 30 गेंदें खेलने पर तो तूफान ही मचा देंगे। पुजारा का मानना है कि धोनी जिस प्रकार के हिटर हैं उसको देखते हुए उन्हें ऊपरी क्रम पर भेजा जाना चाहिये। पुजारा ने कहा कि सीएसके के ड्रेसिंग रूम का माहौर काफी अच्छा रहता है। इसी कारण टीम और खिलाड़ी एक दूसरे के प्रति समर्पित रहते हैं। खिलाड़ियों को मालूम होता है कि उनसे टीम किस प्रकार की उम्मीदें करती है। इसी कारण सीएसके में रहने वाला हमेशा उसके साथ बना रहता है।

शुभमन के लिए टी20 टीम में वापसी संभव नजर नहीं आती : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि बल्लेबाज शुभमन गिल

को टी20 टीम में जगह मिलने की कोई संभावना नहीं है। आकाश के अनुसार शुभमन की बल्लेबाज टी20 के अनुरुप नहीं है और ऐसे में उन्हें इसमें कप्तानी मिलने की उम्मीद तो करनी ही नहीं चाहिये। आकाश के अनुसार उनके लिए तो इस सबसे छोटे प्रारुप में जगह बनाना भी मुश्किल है। शुभमन अभी टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान हैं। वह पिछले साल टी20 में वापसी में सफल रहे थे पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के कारण अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाये। एशिया कप में उन्हें उपकप्तान बनाया गया था पर वह टीम को आक्रामक शुरुआत नहीं दे पाये। वह वापसी के बाद 15 मैचों में एक बार भी पचास रन नहीं बना पाये। इसी कारण उन्हें टी20 विश्वकप के लिए जगह नहीं मिली थी। शुभमन ने भारतीय टीम की ओर से 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 869 रन बनाये हैं। इस दौरान उनका औसत 28.03 और स्ट्राइक रेट 138.59 का रहा। आकाश ने कहा,शुभमन के लिए वापसी बेहद कठिन है।

वैभव को एशियाई खेलों के लिए मिल सकती है भारतीय टीम में जगह

मुम्बई। उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस भारतीय सीनियर क्रिकेट टीम से डेब्यू का अवसर मिल

सकता है। इसका कारण है कि इस साल भारतीय टीम का काफी व्यस्त कार्यक्रम है और उसे अपनी धरती के साथ ही विदेशी मैदानों पर भी काफी क्रिकेट खेलना है। इसी को देखते हुए ये भी हो हो सकता है भारतीय बोर्ड दो टीमें उतारे जिस एक अनुभवी और दूसरी युवा क्रिकेटरों से भरी रहेगी। उसे जून से लेकर अक्टूबर तक लगाता कई टीमों से खेलना है। इसी दौरान उसे जिम्बाब्वे के अलावा नई टीम आयरलैंड से भी खेलना है। वैभव ने पिछले कुछ समय से भारतीय अंडर 19 के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी को देखते हुए उन्हें इस साल के अंत में एशियाई खेलों में उतरने का अवसर मिल सकता है। वर्तमान कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम को जून में अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं, जिसके बाद जुलाई में वह सीमित ओवरों के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। भारतीय टीम इस दौरान 5 टी20 के साथ ही 3 एकदिवसीय मैच खेलेगी। इसके अलावा इस व्यस्त कार्यक्रम के बीच दो नए दौरे भी जुड़ सकते हैं। इंग्लैंड पहुंचने से पहले भारत डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों की छोटी सीरीज खेल सकता है। वहीं श्रीलंका क्रिकेट समुद्री तूफान 'दित्वह से हुए नुकसान की कमी पूरी करने के लिए भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों से पहले तीन टी20 मैच खेलने का अनुरोध कर सकती है। वहीं भारतीय टीम को सितंबर में अपनी ही धरती पर वेस्टइंडीज से 3 एकदिवसीय और 5 टी20 खेलने हैं।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा टी20 विश्वकप का अगला सत्र

मुम्बई, 13 मार्च (एजेंसियां)। आईसीसी टी20 विश्वकप का 11 वां सत्र अब साल 2028 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में संयुक्त रुप से खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट 21 अक्टूबर से 19 नवंबर, 2028 के बीच होगा। इस प्रकार साल 2022 के बाद ऑस्ट्रेलिया को दूसरी बार इस वैश्विक इवेंट की मेजबानी का अवसर मिलेगा। वहीं न्यूजीलैंड में पहली बार इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा। टूर्नामेंट के आयोजन की जिम्मेदारी डेम थेरेसी वॉल्श के पास है। वाल्श के अनुसार ये मुकाबले ऑस्ट्रेलिया में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी), सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी), एडिलेड ओवल और पर्थ का ऑप्टस स्टेडियम में खेले जाएंगे। वहीं न्यूजीलैंड में ऑकलैंड के ईडन पार्क, वेलिंगटन के स्काई स्टेडियम और क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में होंगे।

इसमें 20 टीमें भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट में भी आईसीसी का साल 2024 का ही प्रारुप लागू रहेगा। इस टूर्नामेंट के लिए 12 टीमों को स्थान मिल गया है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को मेजबान होने के कारण पहले ही जगह मिल गयी है। वहीं इस साल की विजेता भारतीय टीम के अलावा, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, श्रीलंका और जिम्बाब्वे. को भी इसमें रैंकिंग के आधार पर जगह मिली है। इसके अलावा अफगानिस्तान, बांग्लादेश और आयरलैंड को भी शामिल किय गया हैं। वहीं बचे 8 स्थानों के लिए रीजनल क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट इस साल के बीच में शुरू होंगे। अमेरिका और यूरोप में उप-रीजनल क्वालीफायर आयोजित किए जाएंगे, जिससे एसोसिएट देशों को भी 20 टीमों में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

सैमसन के होने से राजस्थान के खिलाफ पहले ही मुकाबले में भारी पड़ेगी सीएसके : इरफान पठान

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान के अनुसार आईपीएल में इस बार बल्लेबाज संजू सैमसन के आने का लाभ चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को मिलेगा। आईपीएल नीलामी के पहले ही ट्रेड डील के तहतर ही सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स से सैमसन को हासिल कर लिया था। पठान के अनुसार जिस प्रकार का जबरदस्त प्रदर्शन विश्वकप में सैमसन ने किया है। उससे वह काफी अच्छे फार्म में हैं। ऐसे में उनके होने भर से राजस्थान रॉयल्य के खिलाफ होने वाले शुरुआती मैच में सीएसके की टीम के पास जीत के अधिक अवसर रहेंगे। पठान के अनुसार, सैमसन लंबे समय तक रॉयल्स में शामिल रहे हैं। ऐसे में उन्हें टीम की रणनीति के अलावा, खिलाड़ियों के खेलने के तरीके का भी अंदाजा है। इसका लाभ भी सीएसके को मिलेगा। सीएसके ने सैमसन को लगभग 18 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। वहीं इसके बदले में सैम कुरम और अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा राजस्थान रॉयल्स की टीम में चले गए। पठान के अनुसार सैमसन के होने से टीम को रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में काफी लाभ होगा। इसका कारण है कि सैमसन लंबे समय तक राजस्थान में रहे है और जानते हैं कि टीम केपावरप्ले में किस प्रकार खेलती है, बीच के ओवरों में उनकी रणनीति क्या होती है और गेंदबाजी संयोजन कैसे काम करता है।सीएसके अपना पहला मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में खेलेगी। संजू सैमसन एक दशक से भी अधिक समय तक राजस्थान रॉयल्स का अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2013 में टीम के साथ अपना सफर शुरू किया और जल्द ही टीम के प्रमुख बल्लेबाजों में शामिल हो गए। बाद में उन्हें टीम की कप्तानी भी सौंपी गई।

इंडियन वेल्स 2026: स्वितोलिना ने स्वियातेक को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह, साबालेंका और सिनर भी आगे

मैक्सिको सिटी, 13 मार्च (एजेंसियां)। यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलीना स्वितोलिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पोलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 6-2, 4-6, 6-4 से हराकर इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं विश्व नंबर एक आर्यना साबालेंका भी क्वार्टरफाइनल जीतकर अंतिम चार में पहुंच गईं।

मैच की शुरुआत में स्वियातेक लय में नहीं दिखीं और उन्होंने पांच डबल फॉल्ट किए। इसका फायदा उठाते हुए स्वितोलिना ने तीन बार सर्विस ब्रेक करते हुए मात्र 38 मिनट में पहला सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में स्वियातेक ने शानदार वापसी की और मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचाया। हालांकि तीसरे सेट में स्वितोलिना ने एकमात्र सर्विस ब्रेक हासिल कर बढ़त बना ली और आत्मविश्वास के साथ मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। जीत के बाद स्वितोलिना ने कहा कि यह मुकाबला बेहद कठिन था और स्वियातेक हमेशा उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए मजबूर करती हैं। उन्होंने बताया कि सात साल बाद इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर वह बेहद खुश हैं। महिला वर्ग में शीर्ष वरीय आर्यना साबालेंका ने कनाडा की 19 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको को 7-6 (0), 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेट के टाईब्रेक में साबालेंका ने बिना कोई अंक गंवाए जीत दर्ज की। अब साबालेंका का सामना चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा से होगा। नोस्कोवा ने ऑस्ट्रेलिया की क्वालीफायर तालिया गिब्सन को 6-2, 4-6, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पुरुष एकल वर्ग में जर्मनी के चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रांस के आर्थर फिल्स को 6-2, 6-3 से हराया। अब उनका सामना इटली के विश्व नंबर दो खिलाड़ी यानिक सिनर से होगा, जिन्होंने अमेरिका के लर्नर टियन को 6-1, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

सऊदी अरब में महिला खेलों के विकास को नई उमंग दे रहा है क्रिकेट फेस्टिवल - महिला संस्करण 2026

अल खोबर में खेल के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू

दम्माम, 13 मार्च (एजेंसियां)। सऊदी अरब के अल खोबर में खेल के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू हुआ है। फेस्टिवल ऑफ क्रिकेट के अध्यक्ष अनिल मालपानी, सीईओ आलोक कानिकर और सीओओ शमरोज मोहिदीन के नेतृत्व में आयोजित क्रिकेट फेस्टिवल 0 महिला संस्करण 2026 में सैकड़ों महिलाओं और लड़कियों ने भाग लिया। आयोजकों ने इस कार्यक्रम को सऊदी अरब में महिला क्रिकेट के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण शुरुआत बताया।

अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित सफल आयोजन

स्पोर्ट्स सिटी के स्पोर्ट्स यार्ड में आयोजित एक दिवसीय इस महोत्सव में 14 देशों की 23 टीमों, कुल 255 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया। पूरे दिन लगभग 2,500 दर्शक उपस्थित रहे। छह मैदानों पर 30 से अधिक मैच खेले गए। इस महिला टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक आयोजन अंतरराष्ट्रीय मानकों और अनुभवी अंपायरों की निगरानी में किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन ग्लोबल इंडिया सऊदी अरब (जीआईएसए) की अधीनता में, जुबैल क्रिकेट एसोसिएशन (जेसीए) के सहयोग से, साथ ही सऊदी अरब क्रिकेट फेडरेशन (एसएसीएफ) के साथ किया गया।

महिला क्रिकेट फेस्टिवल के हिस्से के रूप में आयोजित इंटर-स्कूल खंड एक विशेष आकर्षण रहा। आधिकारिक पर्यवेक्षण दिशानिर्देशों के तहत पांच स्कूल टीमों ने भाग लिया। कई छात्राओं के लिए यह संरचित प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट का पहला अनुभव था।

आईसीसी-एसएसीएफ सीआरआईआईआईओ कार्यक्रम

इस कार्यक्रम में, आईसीसी-एसएसीएफ सीआरआईआईआईओ ने भी ग्लोबल सोशल क्रिकेट कार्यक्रम का समन्वय किया। मोहम्मद अजीमुद्दीन द्वारा पूरे दिन आयोजित कोचिंग सत्रों के माध्यम से, उन्होंने लगभग 700-800 अतिरिक्त प्रतिभागियों को आकर्षित किया।

पूर्वी प्रांत के विभिन्न स्कूलों के छात्र, स्वयंसेवक और कई क्रिकेट क्लबों के प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे, जिसने खेलों में महिलाओं की भागीदारी के लिए बढ़ते सामाजिक समर्थन को दर्शाया।

कुल 14 देशों की महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसने न केवल सऊदी अरब में क्रिकेट समुदाय की विविधता को दर्शाया, बल्कि महिला क्रिकेट में बढ़ती रुचि का भी संकेत दिया।

सऊदी अरब में खेल के अवसरों के विस्तार की पृष्ठभूमि में, अल खोबर में आयोजित 2026 महिला संस्करण राष्ट्रव्यापी स्तर पर महिला क्रिकेट के संरचनात्मक विकास के लिए एक प्रमुख मील का पत्थर साबित हो सकता है, जैसा कि आयोजकों का मानना है।

फेस्टिवल ऑफ क्रिकेट 0 महिला संस्करण 2026 के विजेता

प्रथम विजेता: रॉयल चैलेंजर्स, दमाम (कप्तान: आफरीन बानू), ट्रॉफी प्रदान करने वाले: मोहन्नद हद्दाद (ईस्ट एरटिकाज ट्रांसपोर्ट कंपनी)

द्वितीय विजेता: अरेबियन फाल्कन्स (कप्तान: शांति चंद्रा), ट्रॉफी प्रदान करने वाले: विश्यास हैंडा (गल्फटेक)व

फेस्टिवल ऑफ क्रिकेट 0 स्कूल संस्करण 2026 के विजेता

प्रथम विजेता: अल कोजामा इंटरनेशनल स्कूल, अल खोबर, ट्रॉफी प्रदान करने वाले: अब्दुर्रहमान शेकर (राम क्लिनिक)व

द्वितीय विजेता: ड्यून्स इंटरनेशनल स्कूल, अल खोबर, ट्रॉफी प्रदान करने वाले: विश्यास हैंडा (गल्फटेक)।

मज़ मुनीर ने जुबैल क्रिकेट एसोसिएशन (जेसीए) की ओर से विजेताओं को पहले स्थान के लिए 11,111 सऊदी रियाल और दूसरे स्थान के लिए 5,555 सऊदी रियाल के नकद पुरस्कार प्रदान किए।सऊदी अरब क्रिकेट फेडरेशन (एसएसीएफ) के अब्दुर्रहमान के. अल जोहानी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।सऊदी अरब में महिला संस्करण 2026 ने देश में भविष्य की महिला क्रिकेट कार्यक्रमों के लिए एक मानक स्थापित किया है, जो खेल के माध्यम से महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सद्भाव को दर्शाता है।अंत में, आयोजकों ने उन सभी संघों के प्रतिनिधियों का विशेष आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित करने में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहायता प्रदान की।

तेजा पल्लेम, सऊदी अरब तेलुगु एसोसिएशन (साटा-ईआर) के अध्यक्ष, ओम प्रकाश और उनकी टीम के सदस्य। श्रीनिवास माचा, सऊदी अरब तेलुगु एसोसिएशन (साटा-रियाद) के अध्यक्ष और उनकी टीम। गोपाल शेट्टी, मैंगलोर एसोसिएशन सऊदी अरब (मासा) के सदस्य। अमित कौंट और श्री विवेक केदिया, राजस्थान फाउंडेशन सऊदी अरब चैप्टर के प्रमुख सदस्य। मोहम्मद अब्दुल हक, गल्फ हैदराबाद एसोसिएशन के सदस्य शामिल थे। इसी प्रकार, तेलुगु एसोसिएशन ऑफ सऊदी अरब (टासा) के प्रमुख सदस्यों स्वामी, मुरारी, महेंद्र, इब्राहिमऔर उनकी टीम के सदस्यों को भी विशेष धन्यवाद दिया गया। स्थानीय यूट्यूब प्रभावितों और स्कूल प्रबंधन द्वारा प्रदान किए गए समर्थन की भी सराहना की गई।आयोजकों ने उल्लेख किया कि ग्लोबल इंडिया सऊदी अरब (जीआईएसए) और फेस्टिवल ऑफ क्रिकेट (एफओसी) के प्रमुख सदस्यों जैसे अरुण दीक्षित, विनसेंट सलदाना, संजना कानिकर, बक्तावर अमीन, कृशांति सेंथिल कुमार, प्राजक्ता वैद्य, अमीना अके, मिलिंध ढिकाले और अन्य स्वयंसेवक सदस्यों द्वारा प्रदान किया गया सहयोग इस कार्यक्रम की सफलता के लिए बहुत महत्वपूर्ण था।कार्यक्रम का प्रभावी संचालन एमसी साहिल जहीर द्वारा किया गया। ग्लोबल इंडिया सऊदी अरब (जीआईएसए) और फेस्टिवल ऑफ क्रिकेट (एफओसी) की ओर से अध्यक्ष निल मालपानी ने कार्यक्रम में सहायता करने वाले सभी लोगों को हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया।

रामागुंडम में स्वच्छता अभियान: महापौर का सब्जियों के कचरे को रीसाइक्लिंग का अनुरोध

रामागुंडम, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । रामागुंडम नगर के महापौर महाकाली स्वामी ने सब्जियों के कचरे को रीसाइक्लिंग के लिए उचित तरीके से निपटाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने नगर निगम के सफाई वाहनों को कचरा सौंपने के लिए आम जनता से अपील की। गुरुवार को शिवाजी नगर सब्जी मंडी में आयोजित एक कार्यक्रम में महापौर ने कहा कि गीले कचरे को खाद में परिवर्तित करना अनिवार्य है। उन्होंने गौतमी नगर खाद यार्ड के उपयोग को बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

महापौर ने सब्जियों के कचरे को खाद और बायोगैस में बदलने के लिए जल्द ही रीसाइक्लिंग प्रक्रिया शुरू करने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घर और दुकान में कचरे के डिब्बे रखे जाने चाहिए और उन्हें गीले तथा सूखे कचरे में अलग-अलग करके पेश किया जाना चाहिए।

महाकाली स्वामी ने स्पष्ट किया कि सड़कों और नहरों में कचरा फेंकने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मंडी में सब्जी विक्रेताओं से हाथ मिलाया और स्वच्छता में सहयोग करने की अपील की।

कार्यक्रम में नगर के उप महापौर पथापेल्ली येल्लैया, पार्षद थिप्परापु मानस और कलवाला पद्मावती सहित अन्य उपस्थित थे। उन्होंने एक विशेष स्वच्छता अभियान में भाग लिया और ट्रांसजेंडरों को इस अभियान में शामिल होने के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर, नगर विकास में सहयोग का अनुरोध करते हुए, आरएफसीएल ने 550 एलईडी लाइटें सौंपी। महापौर ने एक हजार और स्ट्रीट लाइटों के लिए सामग्री उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा।

महाकाली स्वामी ने अधिकारियों को नगर निगम कार्यालय परिसर को स्वच्छ, हरा-भरा और सुंदर बनाने के निर्देश दिए। इस आयोजन ने रामागुंडम शहर के संपूर्ण विकास और स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

नशीली दवाओं का सेवन युवाओं के भविष्य के लिए खतरा : राम रेड्डी

रामागुंडम, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । पेद्दापल्ली जिले के रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत पेद्दापल्ली जोन के अंतर्गांव पुलिस स्टेशन ने लोक शासन – प्रगति योजना कार्यक्रम के तहत 'अराइव अलाइव' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में गोदावरीखानी एसीपी एम. रमेश, रामागुंडम सीआई प्रवीण कुमार और अंतर्गांव एसआई वेंकट की देखरेख में मंडल के लोगों को बाल सुरक्षा, नशा नियंत्रण, साइबर अपराध और सड़क सुरक्षा के मुद्दों पर जागरूक किया गया। पेद्दापल्ली डीसीपी बी. राम रेड्डी और एसपी नायक बंजारा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे।

इस अवसर पर, डीसीपी बी. राम रेड्डी ने नशीली दवाओं, विशेष रूप से गांजे जैसे मादक पदार्थों पर बात की। उन्होंने कहा, नशीली दवाओं का सेवन युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर रहा है। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि वे बुरी दोस्ती और प्रलोभनों से दूर रहें और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें।

उन्होंने चेतावनी दी कि एक बार नशे की लत लग जाने पर व्यक्ति का स्वास्थ्य, शिक्षा और पारिवारिक जीवन बुरी तरह प्रभावित होता है। उन्होंने कहा, यह एक व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि समाज के लिए भी एक गंभीर समस्या है।

इस कार्यक्रम ने युवाओं और समुदाय के सदस्यों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने का महत्वपूर्ण कार्य किया।

तांडूर ग्रामपंचायत के सफ़ाई कर्मचारी ने दिखाई ईमानदारी

बेल्लमपल्ली, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल जिला तांडूर ग्रामपंचायत गोपाल नगर की गजुला लक्ष्मी की सोने की बाली खो गई। सुबह जब ग्रामपंचायत कर्मचारी इप्पा येल्लम्मा ड्यूटी पर थीं, तो उन्हें सड़क पर सोने की बाली मिली।

उन्होंने तुरंत ग्रामपंचायत के जवान संपत को इस बारे में बताया, जिन्होंने पंचायत कार्यालय पर गजुला लक्ष्मी को बुलाकर सोने की बाली सौंप दी।गांव वालों ने ईमानदारी दिखाने के लिए इप्पा येल्लम्मा को बधाई दी।

इस घटना ने ग्राम पंचायत में ईमानदारी और नैतिकता का एक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

कई अन्य व्यक्तियों ने भी इस कार्य की सराहना की और कहा कि ऐसे कर्मी समाज के लिए प्रेरणा स्रोत होते हैं।

हमारे समाज में ऐसे कार्यों की आवश्यकता है जो ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को प्रोत्साहित करें, एक गांववाले ने कहा।

इस घटना से साफ़ होता है कि ईमानदारी की पहचान केवल बड़े कार्यों में नहीं, बल्कि छोटे-छोटे क्षणों में भी होती है।

बेल्लमपल्ली में भाजपा नेताओं का डबल बेडरूम आवंटन के खिलाफ प्रदर्शन

बेल्लमपल्ली, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । बेल्लमपल्ली नगर के भाजपा नेताओं ने गुरुवार को पात्र लोगों को डबल बेडरूम आवंटित करने की मांग को लेकर एक अनोखा प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्थानीय पुराने बस स्टैंड से कांटा चौराहे तक पहुँचते हुए दुकानदारों से भिक्षा माँगी और कांग्रेस पार्टी के नेताओं एवं उनके पीए पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए।

जिला उपाध्यक्ष कोडी रमेश, नगर अध्यक्ष दारा कल्याणी, और जिला सचिव राचर्ला संतोष कुमार ने मिलकर गरीबों के लिए डबल बेडरूम आवंटित कराने के लिए जागरूकता फैलाने का काम किया। प्रदर्शन के दौरान कोडी रमेश ने कहा कि बेल्लमपल्ली में डबल बेडरूम आवंटन में अनियमितताएँ हो रही हैं।

उन्होंने बताया कि बुधवार को बेल्लमपल्ली में जारी की गई डबल बेडरूम वाले घरों की एक सूची में पाया गया कि कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि यदि किसी को घर चाहिए, तो उसे 3 लाख रुपये देने होंगे। अगर इस सूची में हर व्यक्ति से 3 लाख रुपये लिए जाएं, तो यह लगभग 5 करोड़ रुपये का घोटाला होगा, उन्होंने कहा।

कोडी रमेश ने यह भी सवाल उठाया कि क्या यह सब स्थानीय विधायक की जानकारी के बिना हो रहा है।

उन्होंने घोषणा की कि भाजपा गरीबों के साथ खड़ी रहेगी और अगर पात्र लोगों को डबल बेडरूम नहीं दिए गए, तो वे इसकी खिलाफत जारी रखेंगे।

इस कार्यक्रम में महिला मोर्चा की जिला सचिव गोमासा कमला, एससी मोर्चा के जिला सचिव कोडी सुरेश, और कई अन्य भाजपा नेता भी शामिल हुए। यह प्रदर्शन भाजपा के नेताओं द्वारा गरीबों के अधिकारों की रक्षा करने का एक प्रयास था।

संगारेड्डी में मधुमक्खियों का हमला, 15 लोग घायल

संगारेड्डी, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सदाशिवपेट मंडल के वेंकाटापुर गांव में शुक्रवार सुबह मधुमक्खियों के झुंड के हमले में कम से कम 15 लोग घायल हो गए।

मधुमक्खियों का झुंड गांव में घुस आया और लोगों को काटना शुरू कर दिया। इस हमले की चपेट में स्कूल जाने वाले चार बच्चे भी आ गए।

एक युवक को सैकड़ों मधुमक्खियों ने निशाना बनाया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वह बाइक से जा रहा था तभी मधुमक्खियों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। उसने अचानक रुककर खुद पर पानी डालकर बचने की कोशिश की, लेकिन हमला जारी रहा क्योंकि हमले के डर से कोई भी ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा सका।

सुबह के समय हुई इस घटना से पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। निवासियों ने खुद को घरों के अंदर बंद कर लिया। घायलों को तुरंत सदाशिवपेट के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ अस्पताल का स्टाफ उनके शरीर से डंक निकाल रहा है। बताया जा रहा है कि इनमें से दो की हालत गंभीर है।

अशोक नगर में प्रजा पालना प्रगति योजना कार्यक्रम सम्पन्न

बेल्लमपल्ली, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । प्रजा पालना प्रगति योजना के तहत 26 वार्ड अशोक नगर रोड नंबर 1 में एक विशेष सैनिटेशन ड्राइव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नगर आयुक्त जे. सम्पत रेड्डी ने वार्ड के निवासियों से ड्रेनेज सिस्टम से जुड़ी समस्याएँ सुनीं।

अशोक नगर बस्ती के नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की, और नगर आयुक्त ने उनकी समस्याओं के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया जताई। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उच्च अधिकारियों के ध्यान में रखते हुए इन समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने की कोशिश की जाएगी।

इस कार्यक्रम में नगर पार्षद, कांग्रेस पार्टी के नेता, और अशोक नगर बस्ती के निवासी शामिल हुए, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।इस ड्राइव ने समुदाय के सदस्यों के बीच स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य किया।

एलपीजी सिलेंडर की कमी से मंचेरीयाल में छोटे भोजनालयों का कारोबार ठप

मंचेरियाल, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पश्चिम एशिया संघर्ष से जुड़ी व्यावसायिक या गैर-घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कमी ने जिले के छोटे-मोटे भोजनालयों को बुरी तरह प्रभावित किया है जिले भर के कस्बों और मंडल मुख्यालयों सहित सड़क किनारे स्थित होटलों टिफिन और स्नैक केंद्रों के मालिकों को सिलेंडरों की कमी के कारण गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ रहा है जो इन प्रतिष्ठानों के लिए खाना पकाने का प्राथमिक ईंधन है कई प्रतिष्ठान अब लकड़ी और बिजली जैसे वैकल्पिक स्रोतों पर निर्भर रहने के लिए मजबूर है जिससे उनकी परिचालन लागत बढ़ रही है क्याथनपल्ली में एक स्नैक सेंटर के मालिक बूरला केदारी और किरण ने बताया कि सिलेंडरों की कमी के कारण उन्हें अपना व्यवसाय चलाने में काफी मुश्किल हो रही है उन्होंने कहा कि सिलेंडर पाने के लिए उन्हें लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है और फिलहाल वे ईंधन की कमी से निपटने के लिए लकड़ी और बिजली के चूल्हे पर निर्भर है जिला मुख्यालय और आसपास के कस्बों में चौराहों और सड़क किनारे स्थित कुछ होटल और टिफिन सेंटर के मालिकों ने सिलेंडरों की कमी के कारण अस्थायी रूप से अपना कारोबार बंद कर दिया है अन्य लोगों ने बताया कि उन्होंने संकट से निपटने के लिए मैसूर भज्जी वड़ा और पूरी जैसे व्यंजन बनाना बंद कर दिया है जिनमें एलपीजी की खपत अपेक्षाकृत अधिक होती है।अधिकारियों ने बताया कि सिलेंडरों की कमी के बीच उन्हें अधिक कीमत पर बिकने से रोकने के लिए कदम उठाए जा रहे है उन्होंने कहा कि अवैध रूप से सिलेंडर खरीदने वाले भोजनालयों पर छापेमारी की जा रही है और व्यावसायिक सिलेंडर उपभोक्ताओं से घबराहट न करने का आग्रह किया है उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार इस समस्या के समाधान के लिए कदम उठा रही है इसलिए स्थिति में जल्द ही सुधार होगा

पार्किंग विवाद में मॉल सुरक्षा गार्ड पर हमला, आदिलाबाद में दो पर मामला दर्ज

आदिलाबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। आदिलाबाद में शुक्रवार को पार्किंग को लेकर हुए विवाद के बाद एक शॉपिंग मॉल के सुरक्षा गार्ड के साथ कथित तौर पर मारपीट करने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि शांतिनगर निवासी शेख समीर और सबील के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

इन दोनों ने शॉपिंग मॉल के सुरक्षा गार्ड राठौड़ रवि पर उस समय अंधाधुंध हमला कर दिया, जब वाहनों की पार्किंग को लेकर उनकी गार्ड से बहस हो गई थी। घटना के बाद उनके वाहनों को जब्त कर लिया गया है।

पुलिस ने कस्बे में जनता को डराने-धमकाने और आतंकित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने लोगों को सलाह दी है कि यदि कोई समस्या पैदा करता है तो वे पुलिस से संपर्क करें।

मंत्री तुम्मला के पैतृक गांव के गुरुकुल में फूड पॉइजनिंग, 28 छात्र बीमार

कोठागुडेम, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले के दम्मपेटा मंडल स्थित मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के पैतृक गांव गांडुगुलापल्ली के एक गुरुकुल में फूड पॉइजनिंग के कारण कम से कम 28 छात्र बीमार पड़ गए हैं।

बताया गया कि गांडुगुलापल्ली स्थित एकलव्य मॉडल गुरुकुल स्कूल के छात्रों ने बुधवार दोपहर के भोजन में चिकन खाया था। इसके बाद उसी रात उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें पेट दर्द तथा दस्त की शिकायत होने लगी।

हालांकि, स्कूल अधिकारियों ने इस घटना को दबाने की कोशिश की। छात्रों को उचित इलाज के लिए अस्पताल ले जाने के बजाय, स्कूल परिसर के भीतर ही गुप्त रूप से दवाइयां देकर उनका उपचार किया गया।

जब मीडियाकर्मियों ने छात्रों की स्थिति जानने की कोशिश की, तो स्कूल स्टाफ ने उन्हें हॉस्टल के अंदर नहीं जाने दिया। स्कूल के प्रिंसिपल ने दावा किया कि केवल 15 छात्र बीमार पड़े हैं और यह फूड पॉइजनिंग का मामला नहीं है, बल्कि परीक्षा के तनाव के कारण होने वाली बदहजमी है।

गुरुवार रात जब कुछ छात्रों की हालत और बिगड़ गई, तो उन्हें खम्मम जिले के सथुपल्ली स्थित सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया और कुछ गंभीर रूप से बीमार छात्रों को निजी अस्पताल ले जाया गया।

इस सूचना पर विधायक जारे आदिनारायण रात में स्थिति का जायजा लेने स्कूल पहुंचे। उन्होंने घटना की गंभीरता के बावजूद इसे गुप्त रखने के लिए स्टाफ पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। विधायक ने कहा कि घटना की गहन जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल छात्रों की स्थिति स्थिर बताई जा रही है और उनमें से कई को शुक्रवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

निजामाबाद में नेशनल हाईवे 44 पर बस हादसा : चार की मौत, कई घायल

निजामबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। शुक्रवार तड़के नेशनल हाईवे 44 पर इंदलवाई टोल प्लाजा के पास गन्नाराम में एक निजी ट्रेवल्स की बस के अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट जाने से चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

बस में लगभग 22 यात्री सवार थे। यह घटना उस समय हुई जब निजी ट्रेवल्स की बस हैदराबाद से अकोला (महाराष्ट्र) की ओर जा रही थी। गन्नाराम के पास चालक ने बस पर से नियंत्रण खो दिया और वह सड़क किनारे जा गिरी। रिपोर्टों के अनुसार, चार यात्रियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि कुछ अन्य को गंभीर चोटें आईं।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए निजामाबाद के सरकारी सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया। घटना के संबंध में विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 14 मार्च, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

एनएमडीसी ने रचा इतिहास

50 मिलियन टन लौह अयस्क उत्पादन करने वाली भारत की पहली खनन कंपनी बनी

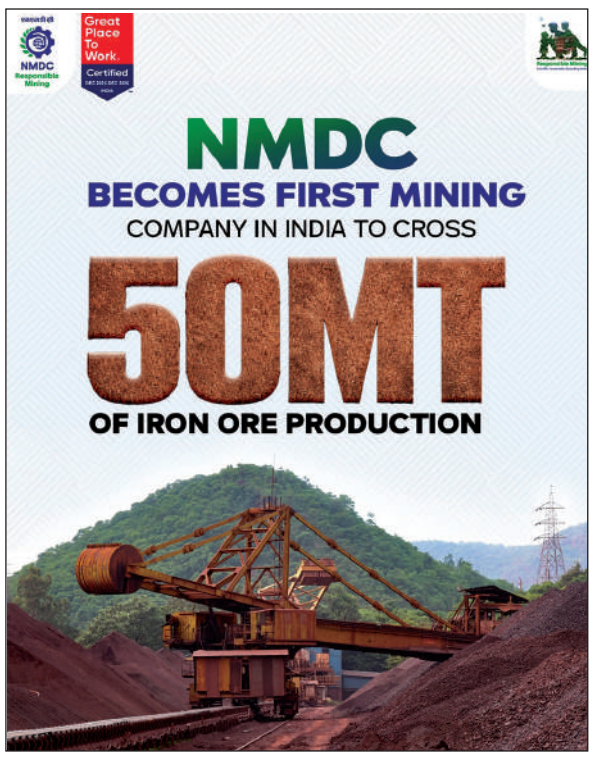

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । इस्पात मंत्रालय के अधीन भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक और नवरत्न सीपीएसई एनएमडीसी लिमिटेड ने एक वित्तीय वर्ष में 50 मिलियन टन (एमटी) लौह अयस्क का उत्पादन करने वाली देश की पहली खनन कंपनी बनकर इतिहास रच दिया है । यह महत्वपूर्ण उपलब्धि वित्त वर्ष 2025-26 के समापन से कुछ दिन पहले प्राप्त हुई है ।

एनएमडीसी की स्थापना भारत के लौह अयस्क संसाधनों को विकसित करने के लिए 1958 में की गई थी और इसने वर्ष 1978 में लगभग 10 एमटी का उत्पादन किया था । पिछले दशकों में उत्पादन में लगातार वृद्धि हुई और अब वित्त वर्ष 2025-26 में उत्पादन पांच गुना बढ़कर 50 एमटी के ऐतिहासिक स्तर तक पहुंच गया है । यह भारत की लौह अयस्क आपूर्ति श्रृंखला की आधारशिला के रूप में कंपनी के सुदृढ़ परिवर्तन का परिचायक है ।

एनएमडीसी का 50 मिलियन टन के स्तर तक पहुंचना हाल के वर्षों में विकास में हुई तीव्र वृद्धि को भी रेखांकित करता है । वर्ष 2015 के बाद उत्पादन में लगभग दो तिहाई की वृद्धि हुई है, जो लगभग 30 एमटी से बढ़कर 50 एमटी हो गया है । इसमें पिछले चार वर्षों में ही वर्तमान क्षमता का लगभग पांचवां हिस्सा जोड़ा गया है, जो कंपनी के इतिहास में सबसे तेज विस्तार चरण को दर्शाता है ।

जिस प्रकार भारत 2030 तक इस्पात निर्माण क्षमता को 300 मिलियन टन तक बढ़ाने के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, लौह अयस्क की सुस्थिर और विश्वसनीय घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करना एक रणनीतिक प्राथमिकता बन गई है ।

इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, एनएमडीसी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री अमिताभ मुखर्जी ने कहा: ''50 मिलियन टन तक पहुंचना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है और यह एनएमडीसी 2.0 के तहत हमारी मजबूत प्रगति को दर्शाता है । जिस स्थिति तक पहुंचने में दशकों लग गए थे, उसे हमने तेज निष्पादन, जिम्मेदार खनन प्रथाओं और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता के माध्यम से कुछ ही वर्षों में बहुत तेजी से आगे बढाया है । भारत का सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक होने के साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी आती है, और यह मील का पत्थर न केवल हमारे संचालन की ताकत को दर्शाता है, बल्कि राष्ट्र के इस्पात पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करने के लिए हम पर किए गए विश्वास को भी दर्शाता है ।

छत्तीसगढ़ और कर्नाटक के खनिज समृद्ध क्षेत्रों में अत्याधुनिक मशीनीकृत संचालन के साथ, एनएमडीसी देश की लौह अयस्क सुरक्षा सुनिश्चित करने का केंद्र बिंदु बना हुआ है । विकास के अगले चरण की ओर बढते हुए कंपनी परिचालन उत्कृष्टता, प्रौद्योगिकी उन्नयन और जिम्मेदार खनन प्रथाओं पर निरंतर ध्यान केंद्रित कर रही है ।

आंध्र प्रदेश महेश कोआपरेटिव अर्बन बैंक के चेयरमैन मुरली मनोहर पलोड, वाईस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी, जनरल मैनेजर श्रीनिवास राव ने न्यू दिल्ली में सेंट्रल रजिस्ट्रार (मिनिस्ट्री ऑफ़ फाइनेंस)कोऑपरेटिव सोसाइटी के इंचार्ज एवं जॉइंट सेक्रेटरी आनंद कुमार झा से शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया।

बंडारू ने बुर्गुला रामकृष्ण राव को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्रवार, 13 मार्च को हैदराबाद के टैंक बंड पर पूर्ववर्ती हैदराबाद राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बुर्गुला रामकृष्ण राव की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस गरिमामयी अवसर पर श्री दत्तात्रेय ने उनके परिवार के सदस्यों के साथ टैंक बंड स्थित बुर्गुला रामकृष्ण राव की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने राज्य के प्रति उनके ऐतिहासिक योगदान और निस्वार्थ सेवा को याद किया। श्री बुर्गुला रामकृष्ण राव न केवल पूर्ववर्ती हैदराबाद राज्य के पहले मुख्यमंत्री थे, बल्कि उन्होंने केरल और उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के रूप में भी देश की सेवा की थी। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्री दत्तात्रेय ने उनके व्यक्तित्व और प्रशासनिक कौशल की सराहना की, जो आज भी राजनेताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

ईसीआईएल की सीएसआर पहल

राजकीय विद्या केंद्र में रिटेनिंग वॉल का हस्तांतरण

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद, जो परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम (सीपीएसई) है, ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के तहत तेलंगाना के मेडचल-मलकाजगिरी जिले के अन्नोजीगुडा स्थित 'राष्ट्रीय विद्या केंद्र' में नवनिर्मित ''रिटेनिंग वॉल'' (प्रतिधारक दीवार) को स्कूल प्रशासन को सौंप दिया है। यह कार्यक्रम शुक्रवार, 13 मार्च 2026 को ईसीआईएल के महाप्रबंधक (सीबीडीजी और सीपी) दिनेश जे., स्कूल के ट्रस्टियों और प्रधानाचार्य की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

छात्र सुरक्षा और सर्वांगीण विकास पर जोर

सभा को संबोधित करते हुए श्री दिनेश जे. ने ईसीआईएल द्वारा अपनाई जा रही सर्वोत्तम प्रथाओं और संचालित विभिन्न सीएसआर गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि ''रिटेनिंग वॉल'' का निर्माण छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया है, जो कि स्कूल के बुनियादी ढांचे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने स्कूल प्रशासन से आग्रह किया कि वे अच्छी शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ छात्रों की सुरक्षा, भावनात्मक स्वास्थ्य, पोषण और शारीरिक व्यायाम पर भी विशेष ध्यान दें।

सतत विकास के प्रति ईसीआईएल की प्रतिबद्धता

श्री दिनेश जे. ने इस बात को दोहराया कि ईसीआईएल अपनी सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से समाज के सभी वर्गों और राष्ट्र के व्यापक स्तर पर सामंजस्यपूर्ण और सतत विकास के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मौजूद स्कूल के ट्रस्टियों और प्रधानाचार्य ने छात्रों की सुरक्षा से जुड़ी इस महत्वपूर्ण पहल को पहचानने और उसे पूरा करने के लिए ईसीआईएल के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।

अंडरप्रिविलेज्ड छात्रों के लिए बुनियादी ढांचे की मांग

स्कूल प्रशासन ने जानकारी दी कि वे उन छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं, जो वंचित और गरीब परिवारों से आते हैं। इसी क्रम में, उन्होंने ईसीआईएल से अनुरोध किया कि छात्रों के लाभ के लिए स्कूल में अन्य बुनियादी ढांचागत विकास गतिविधियां भी शुरू की जाएं।

इस कार्यक्रम में डॉ. पी. वेणु बाबू (सीएमओ और प्रभारी सीएसआर), श्री सौविक बिस्वास (वरिष्ठ उप महाप्रबंधक और प्रभारी ईएसडी), ईसीआईएल ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि, ईसीएमएस यूनियन और ईसीआईएल के अन्य संबद्ध कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

राधे-राधे ग्रुप का सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणा : मनीष गुप्ता

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास शुक्रवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद एवं गरीब लोगों को भोजन वितरण कर सेवा कार्य किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने पूरे सेवा भाव के साथ लोगों को भोजन वितरित किया। इस अवसर पर मनीष गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप पिछले कई वर्षों से लगातार समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय है। ग्रुप का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की सहायता करना और समाज में सेवा, सहयोग तथा मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है और इस प्रकार के सेवा कार्यों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्य बिना किसी भेदभाव के सेवा कार्यों में भाग लेते हैं और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं।

इस अवसर पर मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, ई. जगन (चंपापेट), गौरव गोयल, मनीष अग्रवाल, कैलाश चंद केडिया एवं निर्मला केडिया सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया दशा माता पूजन

हनुमान जी मंदिर में राजस्थानी महिलाओं ने की पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दोमरा पोचम्मपल्ली स्थित हनुमान जी मंदिर में राजस्थानी महिलाओं ने शुक्रवार को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ दशा माता की विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर महिलाएं पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार एकत्रित हुईं और समूह में बैठकर दशा माता की कथा का श्रवण किया।पूजन के दौरान महिलाओं ने भक्ति गीत गाकर माताजी का महिमामंडन किया, जिससे पूरे मंदिर परिसर का वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु महिलाओं ने पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना करते हुए माताजी से परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की।पूजन के पश्चात महिलाओं ने पीपल वृक्ष के चारों ओर कच्चा सूत बांधकर पूजा-अर्चना की तथा परिक्रमा लगाकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की मंगल कामना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में राजस्थानी महिलाएं उपस्थित रहीं और सभी ने श्रद्धा भाव से पूजा कार्यक्रम में भाग लिया।इस कार्यक्रम में लक्ष्मी सोलंकी, रेखा हाम्बड़, गीता सोलंकी, रेखा गेहलोत, सुशीला गेहलोत, इंदिरा काग, तारा काग, सुशीला गेहलोत, गीता सैणचा, भंवरी सैणचा, गीता मुलेवा, सोना, भावना, पीकी, भुण्डकी, संगीता, भंवरी बड़ा, गणकी राठौड़, गीता मुलेवा सहित अन्य महिलाएं उपस्थित थीं।

अभाकृअनुप-भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान में

परिषद में सीधे नए भर्ती सहायक निदेशक (राजभाषा) दल का ज्ञानवर्धन दौरा

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में सीधे भर्ती हुए तथा राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी (नार्म), हैदराबाद में प्रशिक्षणरत, 17 सहायक निदेशक (राजभाषा) के दल ने डॉ. जे. रेणुका, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), नार्म के नेतृत्व में 13 मार्च, 2026 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (भाश्रीअनुसं), हैदराबाद का ज्ञानवर्धन दौरा किया। न्यूट्रीहब से श्रीमती अंकिता उपाध्याय ने डॉ. जे स्टेनली, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, न्यूट्रीहब के मार्गदर्शन में उन्हें श्री अन्न - प्रसंस्करण, स्टार्टअप, इन्कुबेशन आदि गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। तत्पश्चात डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा), भाश्रीअनुसं ने संस्थान में संचालित राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों एवं सफल राजभाषा कार्यान्वयन हेतु हिंदी अधिकारी के दायित्व एवं अपेक्षाओं के बारे में जानकारी प्रदान की। इस दौरे का समन्वय डॉ. (श्रीमती) स तारा सत्यवती, निदेशक के मार्गदर्शन में डॉ. महेश कुमार तथा श्रीमती अंकिता उपाध्याय के द्वारा किया गया।

सीएसआईआर–आईआईसीटी और लघु उद्योग भारती के बीच उद्योग संवाद

एमएसएमई के लिए तकनीकी हस्तांतरण को बढ़ावा

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

सीएसआईआर–भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर–आईआईसीटी), हैदराबाद ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र और वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए 13 मार्च 2026 को स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम में उद्योग संवाद बैठक का आयोजन किया। लघु उद्योग भारती के सहयोग से आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रयोगशाला के नवाचारों को उद्योगों तक पहुँचाना है।

स्वदेशी तकनीक से मजबूत होगा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र

संस्थान के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सीएसआईआर–आईआईसीटी वैज्ञानिक अनुसंधान को ऐसी प्रौद्योगिकियों में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है जिससे उद्योग और समाज दोनों को लाभ हो। उन्होंने हाइड्रैजीन हाइड्रेट जैसी स्वदेशी तकनीकों का उदाहरण दिया, जो रसायनों के आयात विकल्प में सहायक हैं। इसके अलावा संस्थान ने एपीआई निर्माण, विशिष्ट रसायनों के लिए उत्प्रेरक तकनीक और कचरे से ऊर्जा बनाने के लिए बायोमेथेनेशन तकनीक विकसित की है। संस्थान पायलट-स्केल सत्यापन और तकनीकी लाइसेंसिंग के माध्यम से स्टार्टअप्स और एमएसएमई का सक्रिय समर्थन कर रहा है।

एमएसएमई क्षेत्र के लिए तकनीकी चुनौतियों का समाधान

लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय कार्य समिति के कार्यकारी सदस्य बी. अनिल कुमार ने विनिर्माण क्षेत्र में अनुसंधान संस्थानों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सीएसआईआर–आईआईसीटी जैसी संस्थाओं के पास वह वैज्ञानिक क्षमता है जो लघु और मध्यम उद्योगों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना सकती है। उन्होंने उद्यमियों को वैज्ञानिकों के साथ मिलकर लागत प्रभावी और टिकाऊ समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। बैठक में रसायन, फार्मा (एपीआई), पॉलिमर, खाद्य प्रसंस्करण और ऊर्जा जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 75 उद्यमियों ने भाग लिया।

प्रयोगशाला से उद्योग तक: टीआरएल स्तरों पर चर्चा

आईआईसीटी के बिजनेस डेवलपमेंट एंड रिसर्च मैनेजमेंट (बीडीआरएम) डिवीजन ने तकनीकी हस्तांतरण के विभिन्न मॉडलों जैसे कि परामर्श, अनुबंध अनुसंधान और सहयोगी अनुसंधान पर विस्तृत प्रस्तुति दी। विशेष रूप से यह बताया गया कि कैसे संस्थान अनुसंधान को टीआरएल-3/4 (प्रयोगशाला स्तर) से टीआरएल-7/8 (औद्योगिक स्तर) तक ले जाने में मदद करता है, जिससे तकनीकी जोखिम कम हो जाता है। कार्यक्रम के अंत में एक संवाद सत्र आयोजित किया गया जहाँ वैज्ञानिकों और उद्यमियों ने भविष्य की साझेदारियों और तकनीकी अनुप्रयोगों पर चर्चा की।

बेगम बाजार में राधे-राधे ग्रुप का सेवा भाव, जरूरतमंदों को किया अन्नदान

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला के पास शुक्रवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के अंतर्गत जरूरतमंदों और राहगीरों को भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा लगातार सेवा कार्य किए जा रहे हैं और आगे भी इसी तरह समाज सेवा के कार्य जारी रहेंगे। सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और जरूरतमंदों की मदद करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। अन्नदान कार्यक्रम में रवि अग्रवाल, वंश अग्रवाल, ई जगन (चंपापेट), अनिल अग्रवाल , गोविंद राम पचेरिया, अरुण विजयवर्गीय, महेश गोयल, नीलम विजयवर्गीय, लता गोयल, मीना अग्रवाल, रेनू शर्मा और स्वास्ति अग्रवाल सहित कई सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में अपना योगदान दिया।

श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन 9 अप्रैल से बाहेती भवन में

हरिप्रिया वैष्णवी जी करेंगी कथा वाचन

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद के तत्वाधान में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन आगामी 9 अप्रैल से 15 अप्रैल तक प्रति दिन मध्यान 3 बजे से सायं 7 बजे तक स्थान : बाहेती भवन, सिद्धअम्बर बाजार, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। कथा वाचक बाल विदुषी सुश्री हरिप्रिया वैष्णवी जी अपनी अमृतमयी वाणी से श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराएँगी। इस आशय की जानकारी समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी।

विज्ञप्ति में श्रीनिवास सोमानी ने बताया कि यजमान बनने के लिए कई बंधुओं ने अपनी स्वीकृति प्रदान की है। श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन में समाज के बंधुओं ने अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने सभी धर्मावलंबी बंधुओं से अपील की कि वे कार्यक्रमों में तन, मन और धन से सहभागी बनकर इस पावन आयोजन को सफल बनाएं और श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

समिति के सदस्यों की सहमति से प्रधान संयोजक समिति के मंत्री महेश अग्रवाल को बनाया गया है। इसके अलावा विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए संयोजकों की नियुक्ति भी की गई है।

कलश यात्रा के लिए महिलाओं को संयोजक बनाया जाएगा। महा प्रसाद (भोजन) संयोजक – संजय राठी, व्यास पीठ मंच संयोजक – बालाप्रसाद लड्ढा, पंडाल व्यवस्था संयोजक – मनीष सोमानी एवं रमेश मोदानी, अतिथियों को निमंत्रण एवं स्वागत संयोजक – श्रीनिवास सोमानी एवं महेश अग्रवाल, प्रचार-प्रसार संयोजक – रिद्धश जागिरदार को जिम्मेदारी सौंपी गई है। अन्य संयोजकों की नियुक्ति भी जल्द की जाएगी।

समिति ने सभी धर्मावलंबी बंधुओं से आग्रह किया है कि वे अपने परिवार और मित्रों सहित श्रीमद् भागवत कथा में भाग लेकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

श्रीमद् भागवत कथा के संदर्भ में एक बैठक का आयोजन रविवार, 15 मार्च को प्रातः 11:30 बजे बाहेती भवन, सिद्धअम्बर बाजार, हैदराबाद में किया जाएगा। समिति ने सभी समाज बंधुओं से बैठक में उपस्थित होकर अपने सुझाव देने का अनुरोध किया है, ताकि इस धार्मिक आयोजन को भव्य और सफल बनाया जा सके। अधिक जानकारी के लिए समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी से पर संपर्क किया जा सकता है।

राजस्थानी उत्सव फाउंडेशन द्वारा महातम्बोला का भव्य आयोजन कल

फिलखाना स्थित ऋषि श्रृंग भवन में होगा कार्यक्रम, समाज के गणमान्य लोग रहेंगे उपस्थित

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी उत्सव फाउंडेशन के तत्वावधान में महातम्बोला का भव्य आयोजन रविवार 15 मार्च 2026 को सायं 4:31 बजे से फिलखाना स्थित ऋषि श्रृंग भवन में किया जाएगा। कार्यक्रम को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं।

इसी संदर्भ में शुक्रवार को आयोजन स्थल पर एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। गायत्री वंदना के साथ बैठक की शुरुआत हुई। इसके पश्चात प्रधान संयोजक व फाउंडेशन के अध्यक्ष संदीप जायलवाल ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अब तक की गई तैयारियों की जानकारी दी।

रामदेव नागला ने बताया कि सायं 4:31 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ प्रमुख उद्योगपति, समाजसेवी व जनचिंतक नरेन्द्र जी गोयल द्वारा दीप प्रज्वलन से किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थानी समाज के प्रख्यात समाजसेवी अमृत कुमार जैन उपस्थित रहेंगे।

इसके अलावा पुरुषोत्तम लाला, मनोज अग्रवाल, नन्दकिशोर व्यास बिलाल, सुरेश कुमार व्यास-पारीक, राकेश अग्रवाल, पवन तिवाड़ी, रुपचन्द व्यास और गोविन्द प्रसाद पाण्डीया विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संयोजक मंडल में संदीप जायलवाल, पवन तिवारी, भगवानदास कौशिक, धर्माराम ढाका, हरीप्रसाद रिणवा और आशीष वर्मा को शामिल किया गया है।

सह संयोजक मंडल में श्रीलाल पारीक, गोपाल डोबा, नरेश पाण्डीया, अमर जायलवाल, वरुण पण्डित, कमलनारायण उपाध्याय, गोपालकृष्ण तिवाड़ी, जुगल किशोर उपाध्याय, आनन्द ओझा और लक्ष्मीनारायण ओझा को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

महिला समिति में कान्ता जायलवाल, किरण व्यास, प्रेमलता व्यास, उषा उपाध्याय, अराधना ओझा, रेखा उपाध्याय जैतारण, संगीता पाण्डीया, गायत्री तिवारी, सन्तोष व्यास, जमुना उपाध्याय, सावित्री नागला, गायत्री नागला, ज्योति तिवारी, नीता नागला, अमृता उपाध्याय, शोभा तिवारी, रेखा उपाध्याय, मिनाक्षी सिखवाल, उषा कौशिक, दुर्गा ओझा, अर्चना जोशी, सोनिया जायलवाल, राजेश्वरी वर्मा और आरती माला अग्रवाल को भी संयोजक मंडल में जोड़ा गया है।

परामर्शदाता रामदेव नागला और अनिल जायलवाल ने समाज के अधिक से अधिक लोगों से इस कार्यक्रम से जुड़कर इसे भव्य बनाने की अपील की।

संयोजक मंडल के भगवानदास कौशिक ने सभी उत्साही कार्यकर्ताओं और महिलाओं से आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया तथा विजेताओं को पुरस्कृत किए जाने की जानकारी दी। अंत में भगवानदास कौशिक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

सानाया की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पटनचेरू में आगामी ट्विन टावर प्रोजेक्ट को लेकर सानाया ग्रुप ऑफ कंपनीज के बंजारा हिल्स स्थित मुख्यालय सानाया होम में एक उच्च स्तरीय बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस बैठक में परियोजना के विकास और निवेश की रूपरेखा तैयार की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में सानाया होम्स के चेयरमैन इलियास खान के साथ प्रमुख व्यवसायी सैयद अब्दुल सत्तार, सैयद सादिक हुसैन और कालापत्थर के प्रसिद्ध जौहरी खुसरो सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। बैठक के दौरान पटानचेरू के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के विकास मानचित्र, निवेश की संभावनाओं और भविष्य के दृष्टिकोण पर विस्तृत चर्चा की गई।

राजस्थानी मित्र मंडल महिलाओं ने श्रद्धा के साथ किया दशा माता पूजन

आईजी गौशाला मंदिर में भक्ति गीतों के साथ हुआ धार्मिक आयोजन

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बालाजी नगर स्थित आईजी गौशाला मंदिर में राजस्थानी मित्र मंडल की महिलाओं ने शुक्रवार को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ दशा माता की विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर महिलाएं पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार एकत्रित हुईं और समूह में बैठकर दशा माता की कथा का श्रवण किया।

पूजन के दौरान महिलाओं ने भक्ति गीत गाकर माताजी का महिमामंडन किया, जिससे पूरे मंदिर परिसर का वातावरण भक्तिमय हो गया। महिलाओं ने पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की।

पूजन के पश्चात महिलाओं ने पीपल वृक्ष के चारों ओर कच्चा सूत बांधकर पूजा-अर्चना की तथा परिक्रमा लगाकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की मंगल कामना की।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में राजस्थानी महिलाएं उपस्थित रहीं और सभी ने मिलकर श्रद्धा भाव से पूजा कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में राजस्थानी मित्र मंडल की समस्त महिलाएं एवं अन्य श्रद्धालु भी उपस्थित रहे।

मो. रसूल द्वारा आयोजित इफ्तार पार्टी में भाग लेते हुए मंगलहाट डिविजन बीआरएस पार्टी प्रभारी एच. कुमार, गोशामहल प्रभारी आर.वी. महेंद्र कुमार, रवि कुमार, संदीप एवं अन्य।

डॉ. बी. साई किरण को भारती कृष्ण तीर्थ महाराज स्मारक गणित प्रतिभा पुरस्कार

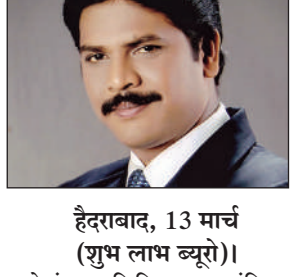

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सिटिज़न्स काउंसिल की राज्य इकाई ने घोषणा की है कि प्रसिद्ध गणितज्ञ और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैदिक गणित विशेषज्ञ डॉ. बी. साई किरण को भारती कृष्ण तीर्थ महाराज स्मारक गणित प्रतिभा पुरस्कार – 2026 के लिए चयनित किया गया है। तेलंगाना सिटिज़न्स काउंसिल के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने बताया कि यह पुरस्कार 14 मार्च 2026 (शनिवार) सुबह 10 बजे एनी बेसेंट महिला डिग्री कॉलेज, दिलसुखनगर, हैदराबाद में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किया जाएगा। यह कार्यक्रम विश्व गणित दिवस तथा जगद्गुरु भारती कृष्ण तीर्थ महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने वैदिक गणित को पुनः प्रकाश में लाकर विश्व भर में लोकप्रिय बनाया।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक डॉ. बी. साई किरण एक प्रतिष्ठित गणितज्ञ, वैदिक गणित विशेषज्ञ और सामाजिक चिंतक के रूप में व्यापक पहचान रखते हैं। पिछले 25 वर्षों से वे अनेक सेमिनार, कार्यशालाएँ और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते हुए वैदिक गणित तथा उसके आधुनिक शिक्षा में उपयोग को बढ़ावा दे रहे हैं और हजारों विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को प्रेरित कर रहे हैं।इस कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित शिक्षाविद और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। तेलंगाना काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन के उपाध्यक्ष प्रो. एटिकला पुरुषोत्तम मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। अन्य वक्ताओं में उस्मानिया विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. डी. चेन्नप्पा, लोक प्रशासन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर तथा एनएसएस समन्वयक डॉ. रवितेजा चौहान, एनी बेसेंट कॉलेज के सचिव डॉ. श्याम सुंदर रेड्डी, तथा कॉलेज की प्राचार्य डॉ. श्रीमती राजवल्ली शामिल हैं।तेलंगाना सिटिज़न्स काउंसिल ने शिक्षाविदों, छात्रों और आम जनता से इस कार्यक्रम में भाग लेकर गणित की इस प्रेरणादायक भावना का उत्सव मनाने का आग्रह किया है।

कविता को उनके जन्मदिन पर दी बधाई

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कलवकुंतला कविता को उनके जन्मदिन के अवसर पर बांसवाड़ा माली दासा के कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने बंजारा हिल्स, नंदीनगर स्थित उनके आवास पर भेंट कर उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किया।इस मौके पर कलवकुंतला कविता ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक वह कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी रहेंगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि 250 गज जमीन, पेंशन, आईडी कार्ड और अन्य गारंटियों की मांग पूरी होने तक वह आंदोलन के साथ रहेंगी। इस कार्यक्रम में कामारेड्डी जिला अध्यक्ष उदुथा गंगाधर गुप्ता, जिला मीडिया संयोजक दांडू विजय कुमार, मंडल अध्यक्ष गंजीवारू चंदू, चीदुरा लीलाधर, राज्य नेता श्यामा अंजी रेड्डी, मल्लूरी अनिल कुमार सहित विभिन्न आंदोलन समूहों के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लाल मिट्टी और बंजर ज़मीन में उगाएं काजू की फसल : डॉ. एस.वी. पाटिल

बीदर, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीदर हॉर्टिकल्चर कॉलेज के डीन डॉ. एस.वी. पाटिल ने कहा कि किसानों को काजू की फसल, जिसे सुनहरी फसल कहा जाता है, काली मिट्टी में नहीं बल्कि सिर्फ़ लाल मिट्टी और बंजर ज़मीन में उगानी चाहिए। इसके लिए किसानों को हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट की मदद और सहयोग के साथ-साथ अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए हॉर्टिकल्चर वैज्ञानिकों की तकनीकी सलाह भी लेनी चाहिए।

वे बुधवार को बीदर तालुका के कमठाणा गाँव में नागनाथराव निडोदे के काजू फार्म में इंटीग्रेटेड हॉर्टिकल्चर डेवलपमेंट मिशन के तहत किसानों के लिए काजू की खेती पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

डॉ. पाटिल ने कहा कि किसानों को मेहनती बनकर अपनी ज़िंदगी बनानी चाहिए। सभी को मेहनत करनी चाहिए और बिना किसी भेदभाव के आत्मनिर्भर बनने का प्रयास करना चाहिए।

किसान नागनाथराव निडोदे पिछले 14 वर्षों से तीन एकड़ क्षेत्र में काजू की फसल को सफलतापूर्वक उगा रहे हैं और इससे हर वर्ष 2.50 लाख रुपये से अधिक की आय प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से ऐसी योजना लागू करने की अपील की जिससे किसानों को काजू की खेती के लिए कुछ वित्तीय सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि यदि किसान तीन से चार वर्षों तक काजू की खेती के लिए कड़ी मेहनत करें, तो उन्हें हर वर्ष नियमित आय प्राप्त हो सकती है।

बागलकोट यूनिवर्सिटी ऑफ हॉर्टिकल्चर साइंसेज, बीदर कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर तथा डायरेक्टरेट ऑफ काजू एंड कोको डेवलपमेंट, कोच्चि के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में हॉर्टिकल्चर कॉलेज के डॉ. मोहम्मद फारूक तथा जिला पंचायत के पूर्व सदस्य कुशाल राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में हॉर्टिकल्चर कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. वी.पी. सिंह ने काजू उत्पादन में टेक्नोलॉजी, डॉ. अब्दुल करीम एम. ने काजू की फसल का डिज़ीज़ मैनेजमेंट, डॉ. राजकुमार एम. ने काजू की फसल का पेस्ट मैनेजमेंट और डॉ. हरीश टी. ने पोस्ट हार्वेस्ट प्रोसेसिंग और काजू के वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। हॉर्टिकल्चर कॉलेज के विजय महंतेश ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 50 किसानों ने भाग लिया।

ईशा अग्रवाल के जन्मदिन पर अन्नदान

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर ईशा अग्रवाल के जन्मदिन के अवसर पर अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को भोजन वितरित कर सेवा कार्य किया गया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से शहर के विभिन्न सेवा केंद्रों पर अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनके माध्यम से प्रतिदिन बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इसी सेवा भाव को आगे बढ़ाते हुए ईशा अग्रवाल के जन्मदिन के अवसर पर भी जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा की गई।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि जन्मदिन जैसे विशेष अवसरों को सेवा और परोपकार के साथ मनाना समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश देता है। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य जरूरतमंदों की सहायता करना और समाज में सेवा भावना को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, संजय अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदूजा, ईशा अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर अन्नदान सेवा में सहयोग किया।

कवि हरिश्चन्द्र गुप्ता काव्यश्री सम्मान कवि घनश्याम अग्रवाल को दिया जाएगा

(स्व. कवि हरीश्चंद्र गुप्ता)

(कवि घनश्याम अग्रवाल, अकोला)

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नगर के स्थापित एवं उदीयमान कवियों की सबसे पुरानी संस्था, साँझ के साथी द्वारा संस्था के संस्थापक सदस्य कवि हरीश्चन्द्र गुप्ता की स्मृति में उनके परिवार द्वारा प्रायोजित कवि हरीशचंद्र गुप्ता काव्य श्री सम्मान प्रदान किया जाएगा।

सांझ के साथी के सचिव नंदगोपाल भट्टड द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार स्व.हरीश्चंद्र गुप्ता हैदराबाद की वाचिक परम्परा की प्रथम पीढ़ी के प्रमुख कवि के रूप में जाने जाते हैं। वर्ष 1960 तक हैदराबाद उर्दू मुशायरों के लिए जाना जाता था, हिन्दी के कवि-सम्मेलन यहाँ नहीं हुआ करते थे। स्व. हरीश्चंद्र गुप्ता ने कुछ कवि मित्रों के साथ मिलकर हैदराबाद में हिन्दी काव्य गोष्ठियों तथा कवि-सम्मेलनों का आयोजन किया। हैदराबाद के कवि-सम्मेलनों के मंच पर सर्वाधिक पसंद किये जाने वाले कवियों में आपका नाम लिया जाता है। इस वर्ष यह सम्मान समकालीन हास्य व्यंग्य कवियों में प्रमुख कवि के रूप मे विख्यात अकोला महाराष्ट्र निवासी कवि श्री घनश्याम अग्रवाल को प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि श्री घनश्याम अग्रवाल को यह सम्मान रविवार, दिनांक 15 मार्च, 2026 को सांझ के साथी तथा केवल काव्य परिवार के सहयोग से, जन सेवा संघ द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन मे प्रदान किया जाएगा। इस कवि सम्मेलन का संचालन साँझ के साथी के अध्यक्ष सुप्रसिद्ध कवि अजित गुप्ता करेंगे जबकि इसमें सर्वश्री घनश्याम अग्रवाल अकोला, केवल कोठरी चेन्नई, अजय श्रीवास्तव मदहोश कानपुर, श्रीमती संतोष समप्रीती दिल्ली, सीमा त्रिवेदी मुंबई, कृष्णा राजपुरोहित दिल्ली, नरेंद्र राय हैदराबाद, वेणुगोपाल भट्टड हैदराबाद तथा ज्योति नारायण हैदराबाद अपनी कविताएं प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती ज्योति नारायण एवं श्री सुनील श्रीवास्तव द्वारा किया जा रहा है।(कवि घनश्याम अग्रवाल, अकोला), (स्व.हरीश्चंद्र गुप्ता)

शहरी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना ज़रूरी : विधायक रमना राव

पेद्दापल्ली, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पेद्दापल्ली नगर पालिका कार्यालय में शुक्रवार को बजट एवं आम बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष नुगिला मल्लैया ने की। इस बैठक में पेद्दापल्ली निर्वाचन क्षेत्र के विधायक चिंतकुंटा विजया रमना राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर नगर पालिका आयुक्त अकुला वेंकटेश ने नगर पालिका के राजस्व और व्यय का विवरण प्रस्तुत करते हुए शहरी विकास कार्यक्रमों, बुनियादी ढांचे में सुधार, पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता और सड़क निर्माण से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत जानकारी दी। बैठक में पार्षदों ने भी शहर के विकास के लिए आवश्यक उपायों पर अपने विचार व्यक्त किए।

नगर पालिका अध्यक्ष नुगिला मल्लैया ने अपने संबोधन में विधायक, नगर आयुक्त, उपाध्यक्ष और सभी पार्षदों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान नगर परिषद के गठन के बाद यह पहली बैठक है। इस दौरान पार्षदों ने एजेंडा के पहले बिंदु को सर्वसम्मति से मंजूरी देते हुए मृतकों के अंतिम संस्कार के लिए 500 की लागत से सेवाएं उपलब्ध कराने का निर्णय लिया।

उन्होंने पार्षदों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नगर परिषद शहर में स्वच्छता में सुधार, पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने, सड़कों की मरम्मत तथा स्ट्रीट लाइट लगाने जैसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर लागू करेगी। नगर परिषद का मुख्य उद्देश्य शहरवासियों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

सभा को संबोधित करते हुए विधायक चिंतकुंटा विजया रमना राव ने सभी पार्षदों से अपने-अपने वार्डों के नागरिकों के प्रति जिम्मेदारी और विश्वास के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 36 वार्डों के लोगों ने पार्षदों पर विश्वास जताकर उन्हें चुना है, इसलिए हर पार्षद को अपने वार्ड की समस्याओं पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने पेयजल, स्वच्छता और अन्य बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता देने पर जोर देते हुए कहा कि वार्डों के निवासियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

साथ ही पार्षदों से जनता का विश्वास और स्नेह बनाए रखने के लिए पूर्ण सहयोग के साथ कार्य करने का आग्रह किया।

आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए विधायक ने नगर पालिका आयुक्त को पूरे शहर में पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा भूजल स्तर में गिरावट को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि पानी की कमी की स्थिति उत्पन्न होती है तो तत्काल बोरवेल खुदवाने और पानी के टैंकरों की व्यवस्था जैसे उपाय युद्धस्तर पर किए जाएं।

इस अवसर पर नगर आयुक्त अकुला वेंकटेश, उपाध्यक्ष मुस्कान नाज़, पार्षदगण, प्रबंधक लिंगैया, नगर सहायक अभियंता सतीश, नगर नियोजन अधिकारी नरेश, लेखाकार नागवेणी तथा नगर निगम के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरदार जगमोहन सिंह का जन्मदिवस भव्यता से मनाया गया

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह का जन्मदिवस नामपल्ली स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में भव्यता के साथ मनाया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में चौहान मुकेश जैन ने बताया कि कार्यक्रम में भाजपा तेलंगाना के अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी एन. रामचंद्रराव तथा भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी एवं सदस्यों की उपस्थिति में जन्मदिवस समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना अध्यक्ष एन. रामचंद्रराव ने अपने करकमलों से केक खिलाकर सरदार जगमोहन सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

भाजपा तेलंगाना के संगठन मंत्री चंद्रशेखर जी भाई साहब ने शाल ओढ़ाकर जगमोहन सिंह को सम्मानित करते हुए जन्मदिन की बधाई दी। वहीं भाजपा प्रदेश कार्यालय के सचिव उमाशंकर ने भी शाल पहनाकर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के वरिष्ठ सदस्यों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ, शाल और हार पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर जगमोहन सिंह को जन्मदिन की बधाई दी। कार्यक्रम में सिख समाज, जैन समाज, मुस्लिम समाज और क्रिश्चियन समाज के प्रतिनिधियों ने भी एकजुटता और समन्वय के साथ उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में एन. रामचंद्रराव, चंद्रशेखर जी, रजनीश जैन, चौहान मुकेश जैन, सिमरप्रीत सिंह, सतीश हुंडिया जैन, फिरासत अली बाकरी, हरप्रीत सिंह, सतपाल सिंह, गुरदीप सिंह, मोहिंदरपाल सिंह, शेख शाहजहांन, मोहम्मद गजनी, रिदा कुडोस, सोनू सिंह, हिदायत मिर्जा, मोना सिंह, हरप्रीत सिंह गुलाटी, जसपाल सिंह तुटेजा, हंसाबेन सावडिया, नीरज सुरणा, सविता रायसोनी, अनीता गिरिया, रीटा सुराणा, एडवोकेट चंदना सुराणा जैन, श्वेता बरलोटा जैन, सोनाली सुराणा जैन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, No. 15813814L Sep Rakesh Kumar of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my mother name is changed from SANTHOSHI KUMARI to SANTOSH

CHANGE OF NAME
I, No. 15494823W Nk Bhanwar Singh of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my mother name is changed from ANUP KANWAR to ANOP KANWAR

CHANGE OF NAME
I, ASHWINI is legally wedded spouse of Army No.6948562W Nk Shejul Shashikant Krishna R/o. Vill&Post:Khalati,Teh:Jath, Dist:Sangli, Maharashtra- 416402 have changed my name from ASHWINI to ASHWINI SHASHIKANT SHEJUL vide affidavit dt:13/03/2026 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, No. 6948578F Nk Nagappa Dalawayi of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my mother name is changed from FAKI RAVVA to FAKIRAVVA DALAVAI

CHANGE OF NAME
I, No. 6948669L Nk Kannan C of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my father name is changed from CHINNA MUNIYASAMY to CHINNA MUNIYASAMY GURUSAMY and also my mother name is changed from C NALLAMMAAL to NALLAMMAL

CHANGE OF NAME
I, No. JC 735735P Nb Sub Asari Pankaj Kumar Rupjibhai of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my Daughter name is changed from PRIYAL to PRIYAL PANKAJKUMAR ASARI and also my daughter name is changed from BANI to BANI PANKAJKUMAR ASARI

CHANGE OF NAME
I, ASARI SANGITABEN P is legally wedded spouse of Army No. JC 735735P Nb Sub Asari Pankaj Kumar Rupjibhai R/o. Vill&Post: Chunakhan,Teh:Bhiloda, Dist: Aravalli, Gujarat - 383245 have changed my name from ASARI SANGITABEN P to ASARI SANGITABEN PANKAJBHAI vide affidavit dt:13/03/2026 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, No. No JC 735024 P Sub HONY LT Elumalai Y of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my Son name is changed from E SURESH to SURESH E and also my son name is changed from E PRAKASH to PRAKASH E

CHANGE OF NAME
I, Service No JC 735181F NB SUB SANJAYA KUMAR GOCHHAYAT of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana, hereby state that my daughter's name is changed from MONALISA GOCHHAYAT to MONALISHA GOCHHAYAT in accordance to Affidavit dated 13 March 2026.

CHANGE OF NAME
I, Service No JC 735054M SUB CHORAGE SANJAY VITTHAL of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana, hereby state that my wife's name is changed from MANISHA to MANISHA SANJAY CHORGHE in accordance to Affidavit dated 13 March 2026.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No. 6942351X Hav SAMPATH M of Adm Bn, AOC Centre, C/o.56 APO, Secunderabad that my mother name and DOB is changed from SALAMALL, DOB:20-08-1952 to CHELLAMMAL MANI, DOB:18-06-1963.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15120829K Ex L/Nk C S RAJAN, Resident of H.No.8-117, Brook Bond Colony, Backside of KVRR Function Hall, Ghatkesar, Medchal Malkajgiri District, Telangana-501301 hereby declare that my son name is changed from C S ABHISHEK to CHINNA SUNDARAM ABHISHEK vide affidavit dt:13-03-2026 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SHARDA spouse of Service No. 30662562X Rank: Ex. Sub (MT) Name: VELANKY DEVENDRA REDDY, R/o 1-5-39/94, West Venkatapuram, Alwal, Secbad-10, I have changed my Name as VELENKY SHARADHA REDDY, & DOB from: 23-03-1964 to 15-01-1964 for correction in my husband's Service Records.

CHANGE OF NAME
I, RAVITA Mother of Service No. 15753411Y Sigmn SHUBHAM KUMAR, Resident of VPO:Kalawar, Teh:Mustfabad, Dist:Yamunanagar, Haryana-133105 have changed my name from RAVITA to RAVITA RANI vide affidavit dt:13-03-2026 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, D KALVI KARASI is legally wedded Spouse of Service No-14650508N, Rank-HAV, Name-S Dhana Sekaran, Residing at H.No-1-25-756, Maruthi Nagar, Road No-4, Lothukunta, Secunderabad, PIN-500015, State-Telangana. I have changed my name from D KALVI KARASI * to *KALVIKARASI D Affidavit dated 13 Mar 2026 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-14670080N, Rank-NK, Name-Nitin Ashok Nimbalkar, R/o EME Depot Bn, Lalbazar, Secunderabad,PIN-500015,State-Telangana. I have changed my Son Name from VIJAY SINGH NITIN NIMBALKAR to VIJAYSINH NITIN NIMBALKAR add in my service documents vide affidavit date 13 Mar 2026 before C Samuel Advocate Secunderabad.

राज्य में एलपीजी की कोई कमी नहीं : उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के साथ डॉ. बी.आर. अंबेडकर सचिवालय से जिला कलेक्टरों, एसपी और पुलिस आयुक्तों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की। इस बैठक में राज्य में एलपीजी (रसोई गैस) की आपूर्ति, गर्मियों में पीने के पानी की तैयारियों और 99-दिवसीय प्रजा पालन-प्रगति प्रणालिका कार्यक्रम के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई। मंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य में रसोई गैस की कोई कमी नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घरेलू उपभोक्ताओं, अस्पतालों और सरकारी हॉस्टलों को एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टरों को कालाबाजारी रोकने, जनता के बीच फैली भ्रांतियों को दूर करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

बैठक के दौरान मंत्रियों ने आगामी गर्मियों के मद्देनजर पीने के पानी की उपलब्धता और सरकार की महत्वाकांक्षी 'प्रजा पालन' योजना की प्रगति पर भी चर्चा की। इस समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, नागरिक आपूर्ति आयुक्त स्टीफन रवींद्र, सिंचाई प्रधान सचिव श्रीधर, विशेष सचिव प्रशांत जीवन पाटिल, सहायक सचिव के. श्रीनिवास, ईएनसी रमेश बाबू, श्रीनिवास, सूचना एवं जनसंपर्क विशेष आयुक्त सीएच प्रियंका और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

पेद्दापल्ली जिला अस्पताल जटिल सर्जरी के केंद्र के रूप में उभरा

विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने तीन जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए

पेद्दापल्ली, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
पेद्दापल्ली जिला सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने तीन जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक कर चिकित्सा सेवाओं में नई मिसाल पेश की है। इन सफल ऑपरेशनों के बाद अस्पताल अब जटिल सर्जरी के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है।

गर्भाशय में फाइब्रॉएड और द्रव्यमान का सफल ऑपरेशन

पेद्दाकालुवा की रहने वाली 51 वर्षीय एक महिला पेट के दाहिने हिस्से में तेज़ दर्द की शिकायत लेकर पेद्दापल्ली सरकारी अस्पताल आई। सर्जरी शुरू करने और आंतरिक जांच करने पर गर्भाशय के भीतर तीन फाइब्रॉएड (गांठें) पाए गए, साथ ही मूत्राशय और गर्भाशय के बीच एक बड़ा द्रव्यमान (मास) भी मिला। मूत्राशय और गर्भाशय दोनों को सुरक्षित रखते हुए अत्यधिक सावधानी के साथ सर्जिकल प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

कंधे और घुटने की जटिल सर्जरी भी सफल

चंदापल्ली की रहने वाली 45 वर्षीय एक महिला अपने दाहिने कंधे में सुप्रास्पिनेटस टेंडन के आंशिक रूप से फटने की समस्या लेकर आई। दाहिने कंधे के सुप्रास्पिनेटस टेंडन की मरम्मत के लिए आर्थ्रोस्कोपिक प्रक्रिया की गई, जिसमें सूचर एंकर का उपयोग करके टेंडन को उसकी जगह पर सुरक्षित किया गया।

वहीं रामागुंडम की रहने वाली 19 वर्षीय एक युवती के बाएं घुटने में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) पूरी तरह से टूट गया था। सेमिटेंडिनोसस-ग्रेसिलिस (एसटीजी) ग्राफ्ट और एंडोबटन फिक्सेशन का उपयोग कर आर्थ्रोस्कोपिक एसीएल पुनर्निर्माण सर्जरी सफलतापूर्वक की गई।

इन सर्जरी में शामिल मेडिकल टीम में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अनसूया, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. शशिकांत और डॉ. विनय कुमार, जनरल सर्जन डॉ. विष्णुचंद्रिका तथा एनेस्थीसियोलॉजिस्ट डॉ. कृष्णवेणी, डॉ. स्वाति और डॉ. भवानी शामिल थे। अस्पताल अधीक्षक डॉ. के. श्रीधर ने भी इन ऑपरेशनों में भाग लिया और सफल सर्जरी के लिए मेडिकल टीम को विशेष बधाई दी।

अस्पताल में उपलब्ध सेवाओं का लाभ उठाने की अपील

अस्पताल अधीक्षक डॉ. के. श्रीधर ने जनता से अपील की कि वे पेद्दापल्ली सरकारी अस्पताल में उपलब्ध विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाएं। अस्पताल में नवजात शिशु देखभाल सेवाएं, 2डी इको सेवाएं, उन्नत लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, यूरोलॉजी सेवाएं और रूट कैनाल उपचार जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

उन्होंने कहा कि यदि किसी मरीज को अस्पताल में किसी प्रकार की कठिनाई आती है तो वे सीधे अधीक्षक से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति अस्पताल में सफाई या शौचालय की स्वच्छता के नाम पर पैसे मांगता है, तो इसकी सूचना तुरंत नर्सिंग सुपरिंटेंडेंट, आरएमओ या अस्पताल अधीक्षक को दी जाए।

इसके अलावा शिकायतें निर्धारित शिकायत पेटी के माध्यम से भी दर्ज कराई जा सकती हैं। अधीक्षक ने आश्वासन दिया कि सभी शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकारी अस्पताल में सभी सेवाएं निःशुल्क हैं और किसी को भी किसी प्रकार की रिश्वत नहीं दी जानी चाहिए।

हिंदी लेखक संघ की 614वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन आज

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद की 614वीं मासिक साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन शनिवार, 14 मार्च 2026 को अपराह्न 3 बजे आबिड्स स्थित अमृत कॉन्फ्रेंस हॉल, राघव रत्ना टॉवर्स, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा।इस साहित्यिक गोष्ठी में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव हिंदी के लोकप्रिय साहित्यकार फणीश्वरनाथ रेणु के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त करेंगी, जबकि झारखंड के वरिष्ठ कवि अनिल कुमार झा प्रसिद्ध साहित्यकार राम नरेश त्रिपाठी के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालेंगे।आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए गोलकोण्डा दर्पण के संपादक, गीत चाँदनी के कार्यदर्शी तथा कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन उनके द्वारा किया जाएगा तथा वे हिंदी लेखक संघ की गतिविधियों से उपस्थित साहित्यकारों एवं श्रोताओं को अवगत कराएंगे।कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में कवि गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें नगरद्वय के वरिष्ठ एवं युवा कवि अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे। कवि अपनी कविताओं के माध्यम से देश के वर्तमान परिदृश्य, सामाजिक सरोकारों और जीवन के विविध पक्षों को अभिव्यक्त करेंगे।गीतकार चंपालाल बैद ने सभी साहित्यकारों, कवियों तथा हिंदी प्रेमी श्रोताओं से अनुरोध किया है कि वे समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। कार्यक्रम के आरंभ में कवि सत्यनारायण काकड़ा की ओर से जलपान की व्यवस्था रहेगी।

10वीं कक्षा की परीक्षा आज से

5 लाख से ज्यादा छात्र होंगे शामिल

हैदराबाद, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना में शनिवार से शुरू होने वाली माध्यमिक विद्यालय प्रमाण पत्र (एसएससी) की सार्वजनिक परीक्षाओं में 5 लाख से अधिक छात्र शामिल होंगे। राज्य भर में 2,676 केंद्रों पर परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने विस्तृत व्यवस्था की है। परीक्षाओं के लिए कुल 5,28,239 छात्रों ने पंजीकरण कराया है, जो 16 अप्रैल तक जारी रहेंगी। परीक्षा सुबह 9.30 बजे शुरू होगी, लेकिन माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने छात्रों को सुबह 8.30 बजे तक केंद्रों पर पहुंचने की सलाह दी है। इसने परीक्षा केंद्रों में प्रवेश के लिए पांच मिनट का अतिरिक्त समय दिया है। छात्रों और उनके अभिभावकों को निर्देश दिया गया है कि वे आवंटित केंद्र पर पहले जाकर स्थान से परिचित हो जाएं और परीक्षा के दिन समय पर पहुंच सुनिश्चित करें। बोर्ड ने संबंधित स्कूलों को हॉल टिकट भेज दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि हॉल टिकट आधिकारिक वेबसाइट से भी डाउनलोड किए जा सकते हैं। परीक्षाओं के सुचारू संचालन की निगरानी करने और अनुचित साधनों के प्रयोग पर अंकुश लगाने के लिए 144 फ्लाइंग स्क्वाड तैनात किए जाएंगे। उम्मीदवारों को मोबाइल फोन, कैलकुलेटर और स्मार्ट वॉच जैसे किसी भी उपकरण को केंद्र के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं है। अधिकारियों द्वारा केंद्र के प्रवेश द्वार पर व्यक्तिगत सामान और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को सुरक्षित और निःशुल्क जमा करने की व्यवस्था की जाएगी। इस बार एसएससी की परीक्षाएं 33 दिनों तक चलेंगी, जो अभूतपूर्व है। 14 मार्च से 16 अप्रैल तक निर्धारित इस परीक्षा ने शैक्षणिक जगत में एक बहस छेड़ दी है। पहले जब परीक्षाएं 10-12 दिनों में पूरी हो जाती थीं, उसके विपरीत इस बार बोर्ड ने परीक्षा पत्रों के बीच अधिक अंतराल दिया है। बोर्ड ने प्रथम और द्वितीय भाषा की परीक्षाओं के बीच तीन दिन का अंतराल, विज्ञान भाग-2 और सामाजिक अध्ययन के बीच पांच दिन का अंतराल और अधिकांश अन्य परीक्षाओं के बीच चार दिन का अंतराल रखा है, जो सीबीएसई और अन्य बोर्डों द्वारा अपनाए जाने वाले पैटर्न के समान है। जहां एक ओर छात्र संघों ने इस कार्यक्रम को अवैज्ञानिक बताया और स्कूल प्रबंधन ने भी छात्रों पर पड़ने वाले दबाव का हवाला देते हुए चिंता जताई, वहीं शिक्षा विभाग ने इसका बचाव करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य तनाव को कम करना और परिणामों में सुधार करना है। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने एसएससी परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने छात्रों को परीक्षा में आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया, और इसे तनाव का स्रोत मानने के बजाय अपनी सीख को व्यक्त करने के अवसर के रूप में देखने को कहा। उन्होंने आत्म-विश्वास के महत्व पर जोर देते हुए छात्रों को शांत रहने, समय का सदुपयोग करने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने छात्रों के सहयोग में माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका को भी स्वीकार किया और सभी परीक्षार्थियों को उनकी शैक्षणिक यात्रा में सफलता की शुभकामनाएं दीं। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी छात्रों को अपनी शुभकामनाएं दी हैं।

पावरग्रिड POWERGRID

सार्वजनिक सूचना

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने कर्नूल पवन ऊर्जा क्षेत्र (3000 मेगावाट) / सौर ऊर्जा क्षेत्र (1500 मेगावाट) में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से बिजली की आपूर्ती के लिए 765 केवी डी/सी कर्नूल-III पीएस – महेश्वरम ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण पूरा कर लिया है। विद्युत अधिनियम, 2003 और उसके अंतर्गत निर्मित नियमों के प्रावधानों के अनुसार, आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त लाइन 15.03.2026 को या उसके बाद किसी भी दिन चार्ज की जाएगी। यह लाईन निम्नलिखित गांवों से होकर गुजर रही है:

क्रम संख्या	गांवों के नाम	तहसील/मंडल	जिला
	आंध्र प्रदेश राज्य		
1	तिम्मनयनी पेटा, नंदीपाडु, कोटपाडु	कोलिमिगुंडला	नंद्याल
2	पेरुसोमाला, मुक्कामाला, गिद्दलुरु, रेड्डीपल्ले, मंगपल्ले, कनाला, अल्वाकोंडा, मुचलपुरी, संजामाला, एगोनी, मुदिगेडु, रामभद्रुनिपल्ले, दत्तपुरम	संजमाला	नंद्याल
3	कोइलाकुंटला, सौडरडिन्ने, अमाडाला, बिजनवेमुला, जोलादारसाई, पेद्दा कोप्परला, चिन्ना कोप्परला, वल्लमपाडु, रेवानुरू, कलुगोटला, वेलागाटुरु, मोगालाई उप्पलूर, लिंगाला, गुंजलापाडु, चिंताकुंटला	कोइलाकुंटला	नंद्याल
4	तंगुटूर	बनगनपल्ले	नंद्याल
5	कोथुरु, रायपाडु, तेलपुरी, एस कोलुरु	गोसपाडु	नंद्याल
6	मद्दुर, थोगारचेडु, कोवलूर, भूपनपाडु, नेरवाड़ा, चिलकला, गोराकल्लु, कोंडाजुतुर, बालापनूर, गग्गातुर, अनुपुर, कोथुरु	पन्याम	नंद्याल
7	पुलिमद्दी, पुसुलुर, उडुमालापुरम, चापिरेवुला, वेंकटेश्वरपुरम, पोलुरु, मुनुगाला, रोयामालापुरम, मितनाला, गुंथनाला, ब्राह्मणपल्ले, शिवरामपुरम	नंद्याल	नंद्याल
8	कोरतामाड्डी, तिरिपाडु, दुरवेसी, बिलाकलागुडुरु, गाडिगेरेवुला, चिंदुकुरु, ग्रांडिवमुला, बुजानुरु, करीमद्दुला, बिलाकलागुडुरु, कोर्रापोलुरु, पेसारवे, थिरुपाडु	गाडिवेमुला	नंद्याल
9	वेलपनुरु, रेगादिगुद्दुर	वेलुगोडे	नंद्याल
10	अलागनुर	मिद्दुथुर	नंद्याल
11	वनाला, मद्दुरु	पामुलापाडु	नंद्याल
12	थारिगोपुला, पी. लिंगापुरम, थुडिचेरला, थंगाडांचा, मंडलेम, जुपाडु बंगला, टार्टूर, तारिगोपुला, भास्करपुरम, परुमंचला, बन्नूर-80	जुपाडु बंगला	नंद्याल
13	कोनिडेला, नागतुर	नंदीकोटकुर	नंद्याल
14	पगिड्याला, मुरवा कोंडा, मुचुमरी, लक्ष्मपुरम	पगिड्याला	नंद्याल
	तेलंगाना राज्य		
1	यांगमपल्ली थांडा, मनचलकट्टा, पेंटलवेल्ली, वेमकल, मल्लेश्वरम	पेंटलवेल्ली	नागरकर्नूल
2	चेन्नमपल्ली, रामापुर, चौटाबेटला, मशीनीपल्ली, अंकिराओपल्ली, चिक्कईपल्ली, नरसिंगारावपल्ली, वर्देला, नरिश्मापुरम, कोल्लापुर, कुडिकिल्ला	कोल्लापुर	नागरकर्नूल
3	पेरुमंडलापल्ली, कल्वाकोले, कोठापेटा, सातपुर, चेन्नापुरोपल्ली, बाचाराम, पेद्दाकोथापल्ली, पेद्दाकरपामुला, मुस्टिपल्ली, जोनालाबोगुडा, मारीकल, आदिराला	पेद्दाकोथापल्ली	नागरकर्नूल
4	पेद्दापल्ली, गौतमपल्ली, रायपाकुला, अनंतसागर, चिन्नामुद्दुनूर, ज़मिस्तापुर, कारवांगा, बंदपल्ली, गद्दामपल्ली	तेलकापल्ली	नागरकुर्नूल
5	पुलिजला, वेंकटपुर, पेद्दामुदुनूर	नागरकर्नूल	नागरकर्नूल
6	अल्लापुर, मेदीपुर, येंगमपल्ली, गुंथकोडुरु	तदूर	नागरकर्नूल
7	सुद्दकल, पंजुगुल, वेपुर, थर्निकल, थर्निकल थांडा, कुर्मिड्डा, मार्चल, जिलेला, यांगमपल्ली, गुडूर, जीदिपल्ली	कल्वाकुर्थी	नागरकर्नूल
8	उरकोंडापेटा, जगबोइनपल्ली, जकनलापल्ली, इप्पाइपहाड़, नरसंपल्ली	उरकोंडा	नागरकर्नूल
9	राचूर, कुप्पागुंडला, बालसुलापल्ली थांडा, गद्दू इप्पलापल्ली, वेंकटराओपेटा	वेलदंडा	नागरकर्नूल
10	वीरन्नापल्ली, गद्दुइप्पलापल्ली, कंसिलिथंडा, कोरिंडाकुंठा थड़ा, बालसुलापल्ली थांडा, गरविपल्ली, खानापुर, चुक्कापुर, यादवल्ली, पठकोटा थड़ा, वेंकटरावपेटा	तलकोंडापल्ली	रंगारेड्डी
11	बालाजी नगर थांडा, चेल्लमपल्ली, वासुदेवपुर, कड्या थांडा, गद्दामेडा थांडा, करकलपहाड़, मैसीगंडी, गणुगुमारला थांडा, वम्पागुडा, कड्थल	कड्थल	रंगारेड्डी
12	सायरेड्डीगुडेम, अनमासपल्ली, पोथुबंदा थांडा, सर्वरावुलापल्ले, वाविलकुंटानथांडा, मुचेरला, मीरखानपेट	कंदुकूर	रंगारेड्डी

सभी आम जनता से अनुरोध है कि वे उक्त ट्रांसमिशन लाइन और उसके टावरों से दूर रहें और 15.03.2026 को या उसके बाद इन टावरों पर न चढ़ें और न ही किसी भी प्रकार की लाइन को स्पर्श करें। ऐसा कोई भी कार्य गंभीर बिजली के झटके या घातक दुर्घटना का कारण बन सकता है। इस अपील के उल्लंघन के परिणामस्वरूप होने वाली किसी भी दुर्घटना या जानमाल की हानि के लिए पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड या उसके कर्मचारी जिम्मेदार नहीं होंगे।

हस्ता./-
मुख्य महाप्रबंधक (के3 एवं के4)

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
साइट कार्यालयः विला नंबर.103, नंदी पैराडाइज, क्रांति नगर, नांदयाल (मंडल एवं जिला), आंध्र प्रदेश-518501
क्षेत्रीय मुख्यालयः दक्षिणी क्षेत्र-I, 6-6-8/32 &395E, कवाडीगुडा, सिकंदराबाद-500080
पंजीकृत कार्यालयः बी-09, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016,
फोन-011-26560112, 26560121 | www.powergrid.in सीआईएनः L40101DL1989GOI038121
पावरग्रिड एक महारत्न पीएसयू

Key no. SR-I/PR/Advt-13/2025-26/Alaknanda

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.